हरिभूमि

जबलपुर

रविवार, 30 जून 2024

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

दिल्ली शराब नीति मामले में सुनवाई

राउज एवेन्यू की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने सुनाया फैसला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को पेशी के लिए राउज एवेन्यू कोर्ट लाया गया। सुनीता केजरीवाल भी कोर्ट पहुंची है। सुनवाई के बाद राउज एवेन्यू की स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने केजरीवाल को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ भेज दिया है।

दिल्ली शराब नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 26 जून को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने उन्हें तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया था। केजरीवाल की सीबीआई रिमांड शनिवार को खत्म हो गई थी। इससे पहले केजरीवाल को 21 मार्च को कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉनड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था।

इसके पहले सीबीआई ने 5 दिन की रिमांड मांगी थी

26 जून को सीबीआई ने कोर्ट से केजरीवाल को 5 दिन तक के लिए रिमांड पर देने की मांग की थी। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद सीएम केजरीवाल को तीन दिनों के लिए सीबीआई की रिमांड पर भेजने का आदेश दिया था। वहीं, इससे पहले शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्डिंग मामले में केजरीवाल को 20 जून को ट्रायल कोर्ट ने जमानत दी थी। जिसके बाद ईडी ने निचली अदालत के इस फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी। हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी थी।

कोर्ट में बोली सीबीआई

लोग कोरोना से मर रहे थे...

सीबीआई ने कोर्ट में कहा कि दिल्ली में जब कोरोना महामारी अपनी चरम पर थी और लोग मर रहे थे, तब साउथ लॉबी के सदस्य शराब नीति तैयार करने के लिए दिल्ली आए थे। उन्हें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर ही बुलाया गया था। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष जज अमिताभ रावत की अदालत में केजरीवाल की रिमांड की मांग पर सुनवाई के दौरान सीबीआई के वकील ने कहा कि दिल्ली में मौतें हो रही थीं। उन्होंने एक रिपोर्ट तैयार की और अभिषेक बोइनपल्ली को दी। विजय नायर के माध्यम से रिपोर्ट मनीष सिसोदिया के पास भेजी गई। इस पर चर्चा के लिए कोई बैठक नहीं बुलाई गई।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आप ने किया प्रदर्शन

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी के विधायक और पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार रहे कुलदीप कुमार ने कहा कि सरकार सीएम केजरीवाल को फंसाने के लिए ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल कर रही है। हम अपनी लड़ाई संसद, विधानसभा और सड़कों पर लड़ेंगे। जांच शुरू होने के बाद से पिछले दो सालों में एजेंसियों को क्या मिला है? भाजपा मुख्यालय का घेराव करन के लिए आप कार्यकर्ता और नेता जुट रहे।

आप ने नहीं ली थी अनुमतिः दिल्ली पुलिस

भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बैरिकेडिंग के साथ भारी पुलिस बल और आरपीएफ तैनात किया था। दिल्ली पुलिस ने कहा कि आप ने प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं ली है।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों को रोकने की व्यवस्था की,क्योंकि मध्य दिल्ली के दीनदयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग स्थित भाजपा मुख्यालय पर किसी भी विरोध-प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं ली थी। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेंगे, क्योंकि डीडीयू मार्ग पर पहले से ही धारा 144 लगा दी गई है।

खबर संक्षेप

सत्तूर के पास फैक्ट्री में विस्फोट, 4 की मौत

विरुधुनगर। तमिलनाडु में विरुधुनगर जिले में सत्तूर के पास पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में 4 लोगों की मौत हो गई। एक घायल हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि विस्फोट और आग लगने का कारण पटाखा बनाने में रासायनिक पदार्थों का गलत तरीके से इस्तेमाल किया जाना बताया जा रहा है।

मानहानि केस में राहुल को कोर्ट में होना होगा पेश

रांची। मोदी सरनेम को लेकर टिप्पणी से जुड़े मानहानि केस में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। राहुल पर आरोप तय किया जाएगा। रांची के एमपी/ एमएलए कोर्ट ने आरोप गठन के बिंदु पर सुनवाई के लिए 6 जुलाई की तारीख तय की है। कोर्ट में बयान दर्ज कराने के लिए राहुल को रांची के एमपी/ एमएलए कोर्ट आना होगा।

सीएम ममता पर मानहानि का मुकदमा दर्ज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में सीएम ममता बेनर्जी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। ममता ने बोस को लेकर टिप्पणी की थी। ममता ने कहा था कि महिलाओं ने शिकायत की है वे राजभवन में हालिया घटनाओं से जाने से डरती हैं। इसी बयान को लेकर बोस ने मानहानि का मुकदमा किया है।

बदमाशों ने 2 बच्चों को अगवा कर मांगे 50 लाख

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में विकास मार्ग, हीरा स्वीट्स के बाहर माता-पिता अपने बच्चों को कार में छोड़कर मिटाई लेने गए। पिता ने कार में एसी चलाकर अपनी 11 साल की बेटी और तीन साल के बेटे को वहीं छोड़ दिया। बदमाशों ने कार समेत दोनों बच्चों को अगवा कर लिया। बच्चों को मुक्त करने के बदले 50 लाख की फिरौती मांगी।

शत्रुघन सिन्हा की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा पिछले दिनों अपनी शादी को लेकर चर्चा में रहीं। उन्होंने जहीर इकबाल के साथ रजिस्टर मैरिज की। बधाइयों और सेलिब्रेशन के बीच बुरी खबर है कि शत्रुघन सिन्हा की तबीयत बिगड़ गई है। वे अस्पताल में एडमिट हैं। हाल ही में एक्ट्रेस को भी अस्पताल के बाहर स्पॉट किया गया, जिसका वीडियो भी सामने आया था।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने की बड़ी कार्रवाई

गुजरात में 7 स्थानों पर छापेमारी और झारखंड से पत्रकार को किया गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले पर सीबीआई ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए गुजरात में 7जगहों पर छापेमारी की। सीबीआई ने गुजरात के 4 जिलों आणंद, खेड़ा, अहमदाबाद और गोधरा में 7 ठिकानों पर शनिवार सुबह छापा मारा। इससे पहले सीबीआई ने शुक्रवार को झारखंड में एक स्कूल पर छापा मारकर स्कूल के प्रधानाचार्य और उप-प्रधानाचार्य को भी गिरफ्तार किया था। सीबीआई के अधिकारियों ने बताया कि हजारीबाग स्थित ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसानुल हक को 5 मई को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए हजारीबाग का सिटी-कोऑर्डिनेटर बनाया गया था।

स्कूल के उप-प्रधानाचार्य इम्तियाज आलम को एनटीए का पर्यवेक्षक और ओएसिस स्कूल का केंद्र समन्वयक नियुक्त किया गया था। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने जिले के 5और लोगों से भी पूछताछ की। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पत्रकार जमालुद्दीन अंसारी को कथित तौर पर प्रधानाचार्य और उप-प्रधानाचार्य की मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की शिकायत पर एक मामला खुद दर्ज किया

4 जिलों आणंद, खेड़ा, अहमदाबाद गोधरा में मारा छापा

एजेंसी ने दर्ज किए 6 मामले

सीबीआई ने नीट के कथित पेपर लीक मामले में 6 एफआईआर दर्ज की हैं। इनमें से एक एफआईआर सीबीआई ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की शिकायत पर खुद दर्ज की है। वहीं 5 एफआईआर राज्य सरकारों ने दर्ज की थीं, जिनकी जांच भी अब सीबीआई द्वारा की जा रही है। सीबीआई ने नीट पेपर लीक से जुड़े बिहार, गुजरात के एक-एक मामले और राजस्थान के 3 मामलों की जांच कर रही है।

प्राचार्य और उप प्राचार्य का मददगार बना था पत्रकार

नीट पेपर लीक में एक तरफ जहां सियासी जंग जारी है। दूसरी ओर सीबीआई ने केस दर्ज करके धड़ाधड़ एक्शन लेना शुरू कर दिया है। एजेंसी ने शनिवार को झारखंड के हजारीबाग से एक पत्रकार को गिरफ्तार किया है। पत्रकार का नाम जमालुद्दीन है, जो कि एक हिंदी न्यूज पेपर के लिए काम करता है। उसे ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल और वाइस प्रिंसिपल की कथित तौर पर मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके अलावा गुजरात में में भी छापेमारी की है। यह छापेमारी गोधरा पुलिस की एफआईआर के आधार पर की गई है। अधिकारियों के अनुसार ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसानुल हक उप-प्रिंसिपल इम्तियाज आलम को कथित पेपर लीक में उनकी संदिग्ध भूमिका की वजह से शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था।

सीबीआई 7 आरोपियों को दिल्ली के कोर्ट में करेगी पेश

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार सभी 7 आरोपियों को दिल्ली लाया जा रहा है। इन अरोपियों को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया जाएगा। वहीं, ईओयू (बिहार पुलिस) द्वारा गिरफ्तार किए गए पटना के बेऊर जेल में बंद सभी 13 आरोपियों से पूछताछ करने के लिए सीबीआई अधिकारियों की एक अलग टीम जाएगी। सीबीआई ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) पेपर लीक मामले में छह एफआईआर दर्ज की हैं। एनटीए ने देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए नीट-यूजी परीक्षा का आयोजन किया था।

राजभर ने शाह को दी सफाई

लखनऊ। पेपर लीक मामले को लेकर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी प्रमुख ओम प्रकाश राजभर की मुसीबत बढ़ती जा रही है। गुरुवार को लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ के सामने पेशी के बाद राजभर को दिल्ली तलब कर लिया गया। शुक्रवार को राजभर ने अपने बेटे अरविंद राजभर के साथ दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर पेपर लीक मामले में अपनी सफाई दी। इस दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे।

तीन नए कानून कल से होंगे लागू

90 दिन में चार्जशीट और मॉब लिंचिंग की सजा मौत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनयम 1 जुलाई से प्रभावी हो जाएंगे। इस दिन से दशकों पुराने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनयम बदल जाएंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अगस्त 2023 में इन तीन कानूनों में बदलाव का बिल लोकसभा में पेश किया था। आजादी के पहले बने ये कानून अब तक चल रहे हैं। इसे पीएम मोदी ने पहले ही हटाने का वादा कर चुके थे।

ये होंगे बदलाव

एक जुलाई से लागू होने वाले तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनयम हैं। ये कानून क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और पुराने भारतीय साक्ष्य अधिनयम की जगह लेंगे। 12 दिसंबर, 2023 को इन तीन कानूनों में बदलाव का बिल लोकसभा में प्रस्तावित किया गया था। इसके बाद 20 दिसंबर, 2023 को लोकसभा और 21 दिसंबर, 2023 को राज्यसभा से ये पारित हुए। 25 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रपति ने तीन विधेयकों को अपनी मंजूरी दी। इस साल 24 फरवरी को केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि तीन नए आपराधिक कानून इस साल 1 जुलाई से लागू होंगे।

गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त करेंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में विधेयक पेश करते हुए कहा था कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 2022 को लाल किले की प्राचीर से अपने उद्बोधन के दौरान देश के सामने पांच प्रण रखे थे। उनमें से एक प्रण था कि हम गुलामी की सभी निशानियों को समाप्त कर देंगे। शाह ने संसद में बताया था कि राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, भारत की सुप्रीम कोर्ट, 22 हाईकोर्ट, न्यायिक संस्थाओं, 142 सांसद और 270 विधायकों के अलावा जनता ने भी इन विधेयकों को लेकर सुझाव दिए हैं। चार साल तक इस पर काफी चर्चा हुई है। सरकार ने इस पर 158 बैठकें की हैं।

सीजेआई ने कोलकाता में कहा

कोर्ट को मंदिर और जजों को भगवान मानना 'खतरनाक'

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि जजों को भगवान के बराबर मानने की प्रवृत्ति खतरनाक है, क्योंकि न्यायाधीशों का काम जनहित की सेवा करना है।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीजेआई चंद्रचूड़ ने ये बातें कहीं। सीजेआई ने कार्यक्रम में कहा कि अक्सर हमें माननीय या लॉर्डशिप या लेडीशिप कहकर संबोधित किया जाता है। जब लोग बोलते हैं कि कोर्ट न्याय का मंदिर है तो यह बहुत बड़ा खतरा है। यह बहुत खतरे की बात है कि हम खुद को उन मंदिरों में देवताओं के रूप में देखने लगें।

न्यायिक अकादमी का क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित

न्यायाधीश की भूमिका लोगों के सेवक के रूप में होनी चाहिए

सीजेआई ने कहा कि जब उन्हें बताया जाता है कि कोर्ट न्याय का मंदिर है, तो उन्हें संकोच होता है, क्योंकि मंदिर में न्यायाधीशों को देवता की स्थिति में माना जाता है। सीजेआई ने कहा, मैं न्यायाधीश की भूमिका को लोगों के सेवक के रूप में फिर से परिभाषित करना चाहूंगा और जब आप खुद को ऐसे लोग मानते हैं जो दूसरों की सेवा करने के लिए हैं, तो आप करुणा, सहानुभूति, न्याय करने की धारणा लाते हैं, लेकिन दूसरों के बारे में निर्णयात्मक नहीं होते हैं।

कोयला आयात दर घटी, 2.5% से नीचे

नई दिल्ली। भारत ऊर्जा सुरक्षा के मामले में आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ रहा है। इससे चलता है कि कोयला आयात में वार्षिक वृद्धि पिछले एक दशक में वित्त वर्ष 2023-24 तक घटकर 2.49 प्रतिशत रह गई है। वित्त वर्ष 2004-05 से 2013-14 तक कोयला आयात की संचयी वार्षिक वृद्धि दर 21.48 प्रतिशत रही। पिछले दशक में यह आंकड़ा शून्य से नीचे लगभग 2.29 प्रतिशत हो गया।

अब वंदे भारत ट्रेन में बहा 'झरना'

वीडियो पर रेलवे ने दी सफाई

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट हादसा अभी ठंडा भी नहीं हुआ है कि वंदे भारत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अब वंदे भारत ट्रेन में बारिश का पानी झरने की तरह बहते हुए देखा गया है। हालांकि इस पर रेलवे ने सफाई दी है। रेलवे ने कहा, ट्रेन को फालना से पहले रोक दिया गया था और पानी के रिसाव की जांच की गई थी।

हिमाचल में एक सप्ताह तक भारी बारिश की चेतावनी

शिमला में बारिश और भूस्खलन का यलो-ऑरेंज

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश के कई भागों में एक सप्ताह तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। अगले 2 दिन के दौरान प्रदेश के शेष भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के राज्य में 5 जुलाई तक बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। इस दौरान कई भागों में भारी बारिश का येलो-ऑरेंज अलर्ट है।

अब 30 जून, 1 व 2 जुलाई के लिए भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। शिमला सहित आसपास भागों में आज मौसम खराब बना हुआ है। वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। औसत अधिकतम तापमान सामान्य रहा।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार दो दिन में पूरे देश में बरसेंगे बदरा

मानसून के आगे बढ़ने के लिए सभी परिस्थितियां अनुकूल

हरिद्वार में 8 गाड़ियां बारिश में बह गईं

हरिद्वार। देशभर में कुछ राज्यों को छोड़कर मानसून लगभग पूरी तरह एक्टिव हो चुका है। उत्तराखंड में भारी बारिश की वजह से शनिवार को गंगा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे 8 कारें बह गईं।

अगले 48 घंटे में देशभर में मानसून पहुंचने की संभावना

मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे में पूरे देश में मानसून के पहुंचने का पूर्वानुमान जारी किया है। 4-5दिन तक उत्तर पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में भारी बारिश के संकेत दिए हैं। पूर्वानुमान में कहा गया है कि पूर्वोत्तर भारत के ज्यादातर क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश होगी।मौसम विभाग ने कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों छोड़कर पूरे देश में पहुंच चुका है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर के अलावा कल उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश हुई है।

एमवीए टूटने की कगार पर!

शरद पवार ने उद्धव को सीएम चेहरा मानने से किया इनकार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में अगर एमवीए सरकार सत्ता में आती तो इसका मुख्यमंत्री कौन होगा? इस सवाल का जवाब अभी तक एमवीए के नेताओं या उनके दलों की तरफ से नहीं मिला है। शरद पवार ने उद्धव ठाकरे के एमवीए का सीएम चेहरा मनाने से इनकार कर दिया है। इस बयान के बाद राजनीतिक हल्कों में कई तरह की चर्चाएं हैं।

चर्चा यह भी है कि क्या आखिर एनवीए कुनबा बिखर जाएगा? उद्घव गुट जहां इस बात पर जोर दे रहा है कि उद्धव ो महाराष्ट्र में आगामी

विधानसभा चुनावों के लिए एमवीए के सीएमी पद के चेहरे के रूप में पेश किया जाना चाहिए, वहीं एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद ने किसी व्यक्ति को सीएम चेहरे के रूप में पेश करने के विचार को खारिज कर दिया। इस साल के अंत में राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। यह मामला परेशानी भरा हो सकता है।

जबलपुर
रविवार, 30 जून 2024
■ आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-9
■ वर्ष : 19, अंक : 61
■ पृष्ठ : 2+6+6=14 मूल्य : 3 .00 रुपये

मौसम
अधि. 32
न्यून. 26

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

10
अभिभाषण में भविष्य का विजन

मैट्रो
6
बच्चे डूबे या मारकर...

खबर संक्षेप

गुजरात पैटर्न पर चेक पाइंट से जांच के निर्देश

भोपाल। मप्र की परिवहन चौकियों को धीरे-धीरे बंद कर और गुजरात पैटर्न पर चेक पाइंट से जांच करने के निर्देश पर अमल शुरू हो गया है। इसको लेकर शनिवार को एक आदेश जारी करते हुए, परिवहन चौकियों का नाम रोड सेफ्टी एंड इंफोर्समेंट पाइंट रखा है। यहां सुरक्षा के लिए कम पड़ने वाले 211 होमगार्ड की सेवाएं प्रतिनियुक्ति पर गृह विभाग से मांगी हैं। इसे लेकर अपर मुख्य सचिव परिवहन ने प्रमुख सचिव गृह को चिट्ठी भी लिखी है। एक दिन पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने गुजरात मॉडल के तहत चौकियों पर व्यवस्था के निर्देश दिए थे।

हर राम भक्त भाजपा को वोट देगा, ये अहंकार न पालें

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री साध्वी उमा भारती ने कहा है कि हमें यह अहंकार नहीं पालना चाहिए कि हर हिंदू भाजपा को ही वोट देगा। जरूरी नहीं कि जिसने भाजपा को वोट नहीं दिया, वह राम भक्त नहीं है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं की राम भक्ति में कोई कमी नहीं आई है, बस वे किसी कारण भाजपा को वोट नहीं देना चाहते। उमा ग्वालियर से भोपाल आते वक्त शिवपुरी में मीडिया से बात कर रही थीं। उमा ने उप्र में लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिलीं कम सीटों पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि उप्र में सीटें कम हुई हैं। समीक्षा के बाद अपना मत दूंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दी सौगात... पुलिस के 28 जवानों को क्रम-पूर्व पदोन्नति

बालाघाट की स्वर्ग जैसी भूमि पर नक्सली गतिविधियां कतई बर्दाश्त नहीं की जाएंगी

5 वर्षों में हॉकफोर्स और पुलिस के जवानों ने 19 नक्सलियों को मार गिराया

पुलिस ने नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने का पराक्रम दिखाया, सीएम ने बालाघाट में पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बालाघाट में स्वर्ग जैसी भूमि पर नक्सली गतिविधियां कतई बर्दाश्त नही की जाएंगी। इसका नमूना इसी वर्ष हॉकफोर्स के जवानों ने एक अप्रैल को लांजी के पितकोना क्षेत्र में दिखाया है। हॉकफोर्स और पुलिस के जवानों ने अपनी सक्रियता से नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने में अपना शौर्य और पराक्रम दिखाया है। मुख्यमंत्री ने 28 जवानों को शौर्य और पराक्रम प्रदर्शित करने के लिए उनके कंधों पर फीते और स्टार लगाकर क्रम-पूर्व पदोन्नति देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को बालाघाट में पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के साथ बेल पत्र का पौधा भी लगाया। समारोह का आयोजन हॉकफोर्स व पुलिस जवानों का क्रम से पूर्व प्रमोशन के लिए किया गया था। मुख्यंमंत्री ने पुलिस विभाग के अलंकरण में संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन वास्तविक अर्थो में ऐतिहासिक दिन के साथ ही भारत माता को गौरवान्वित करने का भी दिन है।

पांच वर्षों में 3 करोड़ 5 लाख के ईनामी नक्सलियों पर प्रहार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नक्सली गतिविधियों पर अब तक हुई कार्रवाई के बारे में कहा कि पिछले 5 वर्षों में हॉकफोर्स और पुलिस के जवानों ने 19 नक्सलियों को मार गिराया है। जिन पर विभिन्न प्रदेशों में 3 करोड़ 5 लाख रुपए के ईनाम घोषित थे। यह कार्यक्रम उन जवानों को याद और सम्मानित करने का भी दिन है, जिन्होंने कर्तव्य निर्वहन करते हुए अपना बलिदान दिया है। साथ ही क्रम से पूर्व प्रमोशन का आयोजन है। सरकार उन सभी के साथ खड़ी है, जिन्होंने हिम्मत और साहस के बल पर प्रदेश का मान बढ़ाया है।

भारत विश्व में तीसरा देश जो दुश्मनों के देश में घुसकर जवाब दे रहा है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज भारत विश्व का ऐसा तीसरा देश बन गया है, जो अपने देश में ही नहीं, बल्कि दुश्मन देश की सीमाओं में घुसकर दुश्मनों को खत्म करने की ताकत रखता है। इजराइल और अमेरिका के बाद भारत तीसरा देश है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के बाद पुलिस जवानों के परिजनों के साथ समय बिताया। उन्होंने बच्चों को स्नेह व दुलार किया। जवानों के माता-पिता व दादा-दादी से आशीर्वाद लिया। जवानों के परिजनों के साथ फोटो भी खिंचवाया।

रोहित सेना ने फहराया तिरंगा भारत 17 साल बाद विश्व विजेता

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को रोमांचक मुकाबले में हराते हुए इतिहास रच दिया। टीम इंडिया ने बारबोडोस के स्टेडियम में 17 साल बाद विश्व कप की ट्रॉफी पर कब्जा किया और रोहित सेना ने जीत का मुकुट भारत के सिर पर सजा दिया।रोहित सेना ने बारबाडोस की धरती पर झंडा गाड़ दिया। फहरा दिया तिरंगा। 17 साल बाद भारत टी20 विश्व कप में विश्व विजेता बना है। आखिरी ओवर की आखिरी गेंद तक चले रोमांचक की पराकाष्ठा वाले मुकाबले में टीम इंडिया ने वो कर दिखाया, जिसका सपना 140 करोड़ भारतीयों ने दखा था। भारतीय टीम 2007 में एमएस धोनी की कप्तानी में चैंपियन बनी थी। उसके बाद से न जाने किसकी नजर लग गई थी, लेकिन इस बार 2023 में टूटे दिलों को फिर जोड़ दिया। वो करिश्मा कर दिया, जिसकी जरूरत थी। जैसे ही भारत विश्व विजेता बना यहं भारत में आकाश आतिशबाजियों से रंग गया।

साउथ अफ्रीका मैच में आगे चल रहा था, लेकिन...

बैटिंग पिच 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। उसे हेंड्रिक्स के रूप में पहला झटका लगा, जिसे जसप्रीत बुमराह ने अपने अंदाज में 4 रन पर बोल्ड किया। इसके बाद कप्तान एडेन मार्करम को अर्शदीप सिंह ने पंत के हाथों 4 रनों के निजी स्कोर पर लपकवाया। हालांकि, यहां से स्टब्स ने 21 गेंदों में 31 रन की पारी खेलकर टीम को 70 रनों तक पहुंचा दिया। उन्होंने अक्षर पटेल की गेंद पर बोल्ड होने से पहले 3 चौके और एक छक्का मारा।

किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं

आईजीआई के बाद राजकोट एयरपोर्ट पर भी हादसा, टर्मिनल पर गिरा शेड

15 दिन में लगातार तीसरी घटना बनी चर्चा का विषय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 की दुखद घटना के एक दिन बाद शनिवार को राजकोट एयरपोर्ट पर भी हादसा हुआ। भारी बारिश के बीच गुजरात के राजकोट हवाई अड्डे के बाहर यात्री पिकअप और ड्रॉप क्षेत्र में एक शेड गिर गया। हालांकि अच्छी बात ये रही कि इसमें किसी के घायल होने या हताहत होने की कोई खबर नहीं है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार जमा हुए पानी को निकालने के उद्देश्य से रखरखाव कार्य के दौरान शेड टूट गई। मरम्मत कार्य फिलहाल चल रहा है और घटना पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है।

दिल्ली में शुक्रवार को हुई थी घटना

यह घटना इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 पर तड़के छत का एक हिस्सा गिरने के एक दिन बाद हुई। बता दें कि दिल्ली की घटना में 45 वर्षीय कैब चालक की जान चली गई और आठ अन्य घायल हो गए थे। इस घटना के कारण टर्मिनल 1 से ऑपरेशन अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया गया। यहां से हर दिन लगभग 200 उड़ान आते जाते हैं। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने कहा कि ढहने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका है कि यह भारी बारिश और हवाओं के कारण हुआ होगा।

जबलपुर हवाई अड्डे पर भी हुआ था हादसा

ऐसी ही एक घटना मध्य प्रदेश के जबलपुर हवाई अड्डे पर हुई जब भारी बारिश के बीच पानी जमा होने के कारण गुरुवार को हुई। यहां भी एक कैनोपी का एक हिस्सा ढह गया और नीचे खड़ी एक कार कुचल गई। हालांकि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 मार्च को डुमना हवाई अड्डे के 450 करोड़ के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया था।

नहीं तो...सीएम और वित्तमंत्री का लाइव प्रसारण भी बंद करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने स्पीकर को पत्र लिखकर सदन की कार्यवाही का लाइव प्रसारण करने की मांग की है। 1 जुलाई से शुरु हो रहे विधानसभा सत्र से पहले सिंघार ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को पत्र लिखकर कहा है कि प्रदेश की जनता अपने प्रतिनिधि को विधानसभा की कार्यवाही के दौरान लाइव देखना और सुनना चाहती है। इसलिए सदन की कार्यवाही को लाइव प्रसारित किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने पत्र में यह भी कहा कि यदि इसकी अनुमति नहीं दी जाती है तो सत्ता पक्ष के लोगों का लाइव प्रसारण भी बंद होना चाहिए। यहां तक की मुख्यमंत्री और वित्तमंत्री के भाषण का भी लाइव प्रसारण नहीं होना चाहिए। बता दें कि महाराष्ट्र और राजस्थान में विधानसभा सत्र की कार्यवाही का लाइव प्रसारण होता है।

राजाभोज हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी

भोपाल। राजाभोज हवाई अड्डा को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। धमकी भरा ईमेल 28 जून की रात को भेजा गया था। हालांकि सुरक्षा एजेंसियां पहले ही सतर्कता बरत रही हैं। गांधी नगर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार इस मामले की शिकायत मुख्य सुरक्षा अधिकारी विशाल कुमार शर्मा ने की थी।

संजय झा चुने गए जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

पटना। जेडीयू नेता संजय झा को पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है। दिल्ली में हुई बैठक में यह बड़ा फैसला लिया गया है। बैठक में बिहार के सी ए म नीतीश कुमार के साथ कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। बता दें कि पहले ही अटकलें लग रही थीं कि संजय झा को ही जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान दी जाएगी। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद संजय झा के कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा की है।

स्पेशल
वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे

यह सही है कि सोशल मीडिया ने पूरी दुनिया को आपस में कनेक्ट करने में रिवोल्यूशनरी रोल निभाया है। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि आज देश-दुनिया में करोड़ों लोग सोशल मीडिया एडिक्शन से ग्रस्त हैं, इन्होंने अपनी लाइफ को अनहेल्दी और स्ट्रेसफुल बना लिया है। ऐसे में इस एडिक्शन से बचने के तरीकों और इससे होने वाले बेनिफिट्स के बारे में हम सभी को पता होना चाहिए। आज वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे के अवसर पर इन तमाम पहलुओं पर हम यहां डिटेल में बता रहे हैं।

लाइफ को बना रहा बीमार सोशल मीडिया एडिक्शन

{ कवर स्टोरी / रजनी अरोड़ा }

आज के दौर में सोशल मीडिया, हम में से अधिकतर की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। चाहे किसी तरह की जानकारी लेनी हो, अपने प्रोडक्ट की पब्लिसिटी करनी हो, अवेयर करना हो, हर फील्ड का प्लेटफॉर्म बनाने का काम सोशल मीडिया कर रहा है। सोशल मीडिया ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स, हमारे शरीर के मस्तिष्क के उसी हिस्से को सक्रिय करते हैं, जिस हिस्से को अन्य हैबिट्स एक्टिव करती हैं। सोशल मीडिया पर लाइक्स, ज्यादा से ज्यादा व्यूअर, फॉलोअर और सब्सक्राइबर मिलने से शरीर में डोपामाइन केमिकल का लेवल बढ़ जाता है और व्यक्ति को खुशी महसूस होने लगती है। इसके उलट अगर आपकी पोस्ट पर नेगेटिव कमेंट्स आते हैं या ट्रोलिंग होती है तो आप परेशान हो जाते हैं और नेगेटिविटी का शिकार भी होने लगते हैं। वास्तव में सोशल मीडिया एक वर्चुअल या आभासी दुनिया है, जो वास्तविकता या रियलिटी से अलग है। यहां सिर्फ वही दिखता है, जो हम लोगों को दिखाना चाहते हैं। रील और रियल लाइफ बहुत अलग-अलग होती हैं।

तेजी से बढ़ रहा लोगों में एडिक्शन

आज के बदलते लाइफस्टाइल में सोशल मीडिया, हमारी हेल्थ और सक्सेस का सबसे बड़ा दुश्मन साबित हो रहा है। दरअसल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स (व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, स्नैप चैट) का एडिक्शन लोगों को तेजी से अपनी गिरफ्त में ले रहा है। इस वजह से अपने दिन का एक बड़ा हिस्सा लोग इसमें बर्बाद कर रहे हैं। शुरू में चाहे वो नॉलेज पाने के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं, धीरे-धीरे सोशल मीडिया में चैटिंग करना, स्टेटस लगाना, सेल्फी लगाने में उलझने लगते हैं। कई लोग तो इस कदर इसमें रम जाते हैं कि हर पांच मिनट में अपना स्टेटस अपडेट करने लगते हैं और उस पर आने वाले लाइक्स का बड़ी शिद्दत से इंतजार करते हैं। ऐसा ना करने पर उन्हें एंजाइटी होने लगती है। उनके दिमाग में एडिक्शन पैटर्न बनना शुरू हो जाता है, जो हेल्थ और नॉर्मल लाइफ के लिए काफी हार्मफुल हो सकता है।

क्या कहते हैं आंकड़े

भारत में एंड्रॉयड मोबाइल फोन के तेजी से बढ़ते चलन के कारण, आज तकरीबन 35 करोड़ सोशल मीडिया यूजर हो गए हैं। आने वाले कुछ वर्षों में इनकी संख्या और बढ़ने की संभावना है। स्मार्टफोन यूजर, औसतन ढाई से तीन घंटे रोजाना सोशल मीडिया पर बिताते हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के हिसाब से बड़े शहरों में 18 साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया की लत का शिकार हो रहे हैं। 10-12 साल के करीब 43 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर एक्टिव हैं। 8 में से एक बच्चा रात को भी सोशल मीडिया चैटिंग करता है।

तब हो जाएं एलर्ट

इसमें कोई शक नहीं है कि अगर सोशल मीडिया का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो इससे आप अपनी नॉलेज और करियर को बेहतर बना सकते हैं। लेकिन गलत इस्तेमाल आपको शारीरिक-मानसिक रूप से बीमार बना सकता है। अगर आपको अपना सोशल मीडिया एकाउंट चेक करते हुए या करने के बाद मूड में नेगेटिविटी या कुछ एब्नॉर्मल लक्षण नजर आने लगें जैसे-साइकोलॉजिकल डिपेंडेंसी बहुत बढ़ना, ईर्ष्या या असुरक्षा जैसे भाव महसूस होने लगें, आपको अकसर गुस्सा आने लगे, स्वभाव में चिड़चिड़ापन आए, बिना वजह दुखी रहें, स्ट्रेस, एंजाइटी बढ़ जाए, आपके ईटिंग और स्लीपिंग पैटर्न में बदलाव हो यानी रात में नींद कम आने लगे या भूख कम लगे, रोजमर्रा की एक्टिविटीज और काम-काज में मन ना लगे, बार-बार फोन चेक करने का मन करे, अपने पियर ग्रुप या दोस्तों के साथ कंपैरिजन करने लगें, उनसे मिलने-बातचीत करने के बजाय सोशल मीडिया पर ही संपर्क में रहते हों तो ये सब सोशल मीडिया एडिक्शन के लक्षण हो सकते हैं। यह खतरे की घंटी है। ऐसे में सोशल मीडिया से दूरी बना लेना ही उचित है। *

सोशल मीडिया डिटॉक्स के फायदे

अनुसंधानों से साबित हुआ है कि सोशल मीडिया से ब्रेक लेने यानी इसके एडिक्शन से मुक्त होने के बाद लोगों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य में काफी सुधार आता है। अगर आप सोशल मीडिया एडिक्शन से ग्रस्त हैं तो इन फायदों के बारे में जानकर आप जरूर इससे मुक्त होना चाहेंगे।

मूड में सुधार: रिसर्च से साबित हुआ है कि सोशल मीडिया से दूरी बना लेने पर मूड में पॉजिटिव बदलाव आता है। इससे आप अपनी तुलना दूसरों से करना बंद कर देते हैं। अपनी जिंदगी सुकून से जीने लगते हैं। आपका मूड अच्छा रहता है, आप प्रोडक्टिव वर्क अधिक करने लगते हैं।

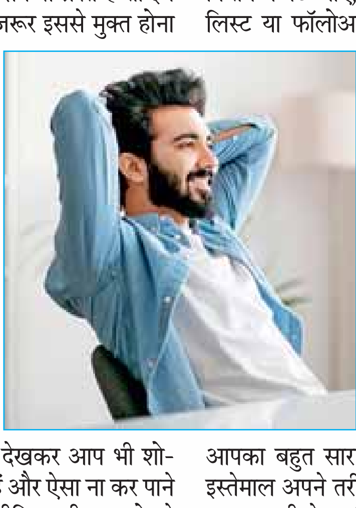

कम होती है शो-ऑफ की हैबिट: सोशल मीडिया पर लोग ज्यादातर दिखावा करते हैं, अपने को बहुत खुश दिखाते हैं। जिन्हें देखकर आप भी शो-ऑफ भरे पोस्ट्स डालना चाहते हैं और ऐसा ना कर पाने पर दुःखी रहने लगते हैं। सोशल मीडिया की लत छोड़ने पर आप शो-ऑफ की हैबिट से दूर रहकर सहज जीवन जीने लगते हैं।

फेक न्यूज से होगा बचाव: सोशल मीडिया झूठी खबरों का सबसे बड़ा अड्डा बन चुका है। कई बार तो इनके जरिए व्यक्ति को इस तरह ट्रैप किया जाता है कि वह किसी कंपनी या प्रोडक्ट के बारे में दी गई गलत जानकारी पर आंख मूंद कर विश्वास कर लेता है। जिसकी वजह से कभी-कभार वित्तीय नुकसान तो होता ही है, सेहत पर भी बुरा असर पड़ता है। सोशल मीडिया की लत से निकलने पर निश्चय ही इससे बचा जा सकता है।

एंजाइटी होती है कम: एडिक्शन से दूर होने के बाद, रोज-रोज लाइमलाइट में आने के लिए 'क्या पोस्ट डालें' यह नहीं सोचना पड़ेगा। ना ही इस बात की फिक्र रहेगी कि आपकी तस्वीरों या चीजों पर कितने लाइक्स मिले, कितने कमेंट आए, कितने लोगों ने वीडियो देखी, फ्रेंड लिस्ट या फॉलोअर्स लिस्ट में कितना इजाफा हुआ? यानी, सोशल मीडिया की लत से मुक्त होने से उपजी टेंशन, एंजाइटी और डिप्रेशन से दूर रहेंगे।

डेली प्लानिंग होती है बेहतर: एडिक्शन से मुक्त होने पर सुबह उठने के साथ मोबाइल पर नोटिफिकेशन, एप्स पर दूसरों की स्टोरीज चेक करना बंद हो जाता है। बचे समय में आप कहीं बेहतर तरीके से अपने दिन की प्लानिंग कर सकते हैं।

क्रिएटिविटी होगी बूस्ट: जाने-अनजाने सोशल मीडिया की लत आपका बहुत सारा टाइम बर्बाद कर देती है, जिसका इस्तेमाल अपने तरीके से कर सकते हैं। खाली समय में आप अपनी हेल्थ-फिटनेस पर ध्यान दे सकते हैं। आप क्रिएटिव काम कर सकते हैं। अपनी हॉबीज को टाइम दे सकते हैं। सोशल मीडिया से ब्रेक लेने पर दूसरे कामों को करने में आपका मन लगता है, कंसंट्रेशन बढ़ता है, इससे आपका खुद पर कंट्रोल बढ़ेगा और आप बेहतर डिसीजन ले पाएंगे।

बढ़ेगा सोशल कनेक्शन: सोशल मीडिया डिटॉक्स करके आप व्यावहारिक रूप से लोगों के करीब आ सकते हैं। सोशल मीडिया में ज्यादातर लोगों से डिजिटल संबंध ही बन पाते हैं। इससे दूर होने पर असल जिंदगी के लोगों के साथ समय बिताने का मौका मिलता है और आपकी बॉन्डिंग मजबूत होती है। *

ऐसे दूर करें सोशल मीडिया एडिक्शन

अगर आपको लग रहा है कि सोशल मीडिया की लत आपके दिलो-दिमाग को ही नहीं जीवन को भी प्रभावित कर रही है तो सोशल मीडिया डिटॉक्स करना जरूरी है। इसके लिए आपको कुछ उपाय अपनाने होंगे।

- वैसे तो सोशल मीडिया से आप कितनी देर ब्रेक लेना चाहते हैं इसके लिए कोई निश्चित टाइम नहीं है, फिर भी आप अपने हिसाब से एक दिन, एक सप्ताह या एक महीना चुन सकते हैं।
- सबसे जरूरी है, मैच्योर माइंड से दिन में टाइम लिमिट निर्धारित करें। दृढ़ संकल्प लें कि सोशल मीडिया का उपयोग कम से कम करना है। खुद के लिए समय निकालें।
- अपने फोन को दो हिस्से में बांटें कॉलिंग और डाटा। कम्युनिकेशन के लिए बेसिक फोन रखें या स्मार्टफोन भी ऐसा हो, जिसकी इंटरनल मेमोरी या रैम काफी कम हो और वह सोशल मीडिया के विभिन्न एप्स को सपोर्ट ना कर पाए।

- अपने काम करने, नॉलेज लेने या पढ़ाई करने के लिए महंगे स्मार्टफोन की जगह टैबलेट या वाई-फाई इंटरनेट से चलने वाला स्मार्टफोन ही रखें। इनमें कोई भी सोशल मीडिया एप इंस्टाल ही न करें।
- कोशिश करें कि चैट ग्रुप्स में शामिल होने के बजाय एजुकेशनल नॉलेज वाली चीजों पर ध्यान दें।
- नोटिफिकेशन अलर्ट बंद करें। नोटिफिकेशन ना मिलने पर आप बार-बार अपना फोन चेक नहीं करेंगे।
- रात में सोने के कुछ घंटे पहले मोबाइन फोन को अपनी पहुंच से दूर रखें। जब तक बहुत जरूरी न हो, अपना फोन चेक न करें।
- खुशियों के लिए समय निकालें, अपनी हॉबीज, एक्सरसाइज, दोस्तों से मिलने-जुलने के लिए खुद को तैयार करें। दूसरों से स्क्रीन पर बात ना कर आमने-सामने बात करें ताकि अंतर्मुखी बनने के बजाय दूसरों से आपकी बॉन्डिंग मजबूत हो। *

(डॉ. रोहित शर्मा, मनोचिकित्सक, आरोग्य अस्पताल, दिल्ली और डॉ. पूजा आनंद शर्मा, साइकोथेरेपिस्ट, विश्वास हीलिंग सेंटर, दिल्ली से बातचीत पर आधारित)

साइबर क्राइम्स पर पैनी नजर आई 4 सी

हर एरिया में बढ़ते डिजिटलाइजेशन का साइड इफेक्ट साइबर क्राइम्स के रूप में भी बढ़ रहा है। इस पर नजर रखने और रोकने के लिए सरकारी पोर्टल आई 4 सी बहुत तेज और सटीकता से अपना रोल निभा रही है।

{ टेक्नो-सिक्योरिटी / नरेंद्र शर्मा }

इसी माह 18 जून 2024 को देश के 317 शहरों के 1205 केंद्रों में नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी नेट की परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें 9 लाख से ज्यादा छात्रों ने हिस्सा लिया था। हालांकि स्थानीय स्तर पर कई जगहों पर कुछ सुगबुगाहट तो थी कि शायद नीट की तरह इस परीक्षा का भी पेपर लीक हुआ है। लेकिन एक दिन बाद ही केंद्र सरकार ने इस परीक्षा को रद्द कर दिया। वजह थी एक ऐसी आंख, जिसने वह सब कुछ देख लिया था, जिसकी कुछ लोगों को आशंका थी। वह आंख थी आई 4 सी की।

क्या है यह पोर्टल: आई 4 सी (नेशनल साइबर क्राइम थ्रेट एनालिटिक यूनिट) यानी, गृह मंत्रालय का भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र। इसे ही संक्षेप में आई 4 सी कहते हैं। इसकी स्थापना 30 अगस्त 2019 को एक प्रैक्टिकल पोर्टल के रूप में हुई थी। आज यह भारत सरकार के गृह मंत्रालय की एक ऐसी गिद्ध आंख है, जो साइबर अपराधों से संबंधित गतिविधियों पर नजर रखती है, लेकिन उसे कोई और देख नहीं पाता है।

साइबर क्राइम जांच में सहायक: वास्तव में आई 4 सी, भारत के आम नागरिकों के विरुद्ध होने वाले सभी तरह के साइबर अपराधों पर अपना ध्यान केंद्रित करती है और यह देश की विभिन्न जांच एजेंसियों को इन अपराधों से निपटने में अपनी विशेषज्ञता से लाभ पहुंचाती है। आई 4 सी देश की सभी जांच एजेंसियों को साइबर अपराध से संबंधित मुद्दों पर मदद करती है। इसका उद्देश्य देश में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए एक नोडल प्वाइंट के रूप में काम करना है। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले साइबर अपराध के खिलाफ आज मजबूती और तीव्रता से कार्यवाही की जाती है तो इसके पीछे सबसे बड़ा कारण इसी आई 4 सी की गिद्ध दृष्टि, अपराध को पहचानने और चिन्हित करने में इसकी एक्यूरेसी है।

कम समय में सिद्ध की सार्थकता: वास्तव में साल 2019 में जब एक प्रायोगिक पोर्टल के रूप में यह वेबसाइट लांच की गई थी तो किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि यह साइबर संबंधित जांचों में इस कदर मददगार होगी। लेकिन आज यह आंख सब कुछ देखती है। चाहे परीक्षाओं में पर्चा लीक होने का मामला हो, संगठित अपराधियों के गुपचुप तरीके से बड़े अपराधों के लिए की जा रही प्लानिंग हो या राजनेताओं की सुरक्षा के गंभीर खतरों से जुड़े मसले हों। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र इन सब तरह के खतरों पर बड़ी मुस्तैदी से नजर रखता है, जिससे सभी जांच एजेंसियों को भरपूर मदद मिलती है।

निभाता है कई तरह के रोल: हालांकि आई 4 सी, मूलतः साइबर अपराध से संबंधित मुद्दों पर ही ध्यान केंद्रित करता है। लेकिन सरकार के दूसरे क्षेत्र जहां धड़ल्ले से धोखाधड़ी हो रही होती है, वहां पर भी इसकी मदद ली जाती है। वैसे यह पोर्टल मूलतः साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों को आसानी से दर्ज करने और साइबर अपराध के रुझान और पैटर्न की पहचान की सुविधा भी प्रदान करता है। साथ ही यह साइबर अपराध रोक-थाम और अपराध पता लगाने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के रूप में भी काम करता है। हाल के सालों में इसने जो सबसे महत्वपूर्ण काम किया है, वह यह है कि देश के युवावर्ग को इस आई 4 सी ने साइबर अपराधों के विरुद्ध सजग बनाया है।

साइबर फोरेंसिक जांच, साइबर स्वच्छता, साइबर अपराध विज्ञान जैसे क्षेत्र में यह पुलिस और न्यायिक अधिकारियों की क्षमता में बढ़ोत्तरी करती है। यह आम नागरिकों के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसकी बदौलत आम नागरिकों को साइबर अपराध की ऑनलाइन शिकायत करना बेहद आसान हो गया है। आई 4 सी बच्चों, बाल पोर्नोग्राफी, बाल यौन शोषण जैसे मसलों पर ऑनलाइन सामग्री के विरुद्ध मुहिम तो छेड़ता ही है, लोगों को लिखित में शिकायत करने की सुविधा भी देता है।

यह पोर्टल वित्तीय अपराध और सोशल मीडिया से संबंधित अपराधों पर भी ध्यान केंद्रित करता है। जिस तरह से इसने हाल में हुए पेपर लीक का पता लगाया, वह काबिले तारीफ है और सरकार ने भी इस समन्वय केंद्र पर पूरा भरोसा जताते हुए, यूजीसी नेट की परीक्षा को रद्द कर दिया। इसकी इसी तेज रफ्तारी और साइबर अपराधियों तक जल्द पहुंच के कारण अपराध जगत इस आंख से ओझल रहने की कोशिश करता है, क्योंकि अब यह बात करीब-करीब हर शख्स के दिलोदिमाग में बैठ गई है, जो इस डिजिटल पुलसिंग के युग में चीजों पर नजर रखते हैं, कि भले किसी और से छूट जाए, लेकिन आई 4 सी से कुछ भी देखना नहीं छूटता। यह सब कुछ बहुत बारीक निगाहों से देख लेती है। *

{ कविता / पूनम पांडे }

चित्र उकेरती कूची

कूची से चित्र उकेरती
यही सोचती हूं
कि इस गुप्त मंजिल का
अगर पता न लगता
तो, जीवन रहता कितना अधूरा।
पूरा होता है इक चित्र,
और मन तृप्त।
ऐसा लगता,
ज्यों हो रहा
आत्मा का,
शुद्धिकरण।
ये कूची और
ये अंगुलियां
इनको इक-दूजे
की ऊर्जा पर है
कितना भरोसा
कि थकते नहीं
दोनों इक-दूजे के संग।

{ कहानी / कल्पना मनोरमा }

यह जानते हुए भी कि जैसा व्यवहार हम दूसरों के साथ करेंगे, वैसा ही हमें कभी ना कभी बदले में मिलेगा, हम अपनी तल्खी से बाज नहीं आते, दूसरों को तकलीफ देते रहते हैं। मधुर मजूमदार इन्हीं लोगों में से एक थीं। बुढ़ापे में उन्हें जब पति ने उनके तल्ख व्यवहार का अहसास दिलाया तो उनके पास पीड़ा सहने के अलावा कोई चारा नहीं था। इसी फितरत पर केंद्रित कहानी।

कुएं की आवाज

मानसिंह का हाता, अपनी विराट बनावट और जर्जर हालत के लिए नहीं, दूसरी मंजिल पर रहने वाली मधुर मजूमदार के गुस्से के लिए जाना जाता था। कितने सब्जी वालों के ऊपर ना जाने क्या-क्या फेंक कर हमले हुए। जिनमें कुछ बच गए, कुछ घायल भी हुए। जिन्हें मिस्टर मजूमदार ने अस्पताल भेजकर अपना पीछा छुड़ाया था। अब तो फेरीवाले वहां से निकलने से पहले जांच-परख लेते हैं कि कहीं मधुर मजूमदार बालकनी में खड़ी तो नहीं हैं, जो उनके गुस्से का शिकार होना पड़े।

मधुर मजूमदार बूढ़ी हो चली हैं। अपने बेटे को जहां बैठाया वहीं बैठा। बहू भी आज्ञाकारी मिली। मधुर के गुस्सैल स्वभाव में कोई परिवर्तन नहीं आया। उन्हें आराम और पूजा के समय गहरी शांति की हमेशा जरूरत रही, जो अभी तक कायम थी।

मिस्टर मजूमदार को छोड़कर सब मधुर के आगे सिर झुकाए खड़े रहते हैं। नाती चीकू भी अपनी दादी का खासा ख्याल रखता था। चीकू की शादी हो चुकी थी। नई बहू को अपने घर के तौर-तरीके मधुर ने ही बताए-सिखाए थे। गुस्सैल दादी की बातें सुनकर चीकू की बहू बहुत घबरा गई थी। चीकू की मां ने जब बहू को परेशान देखा तो हिम्मत बंधाई, 'घबराओ मत बहू, जल्दी ही तुम सबके साथ घुल-मिल जाओगी।'

एक दिन सुबह से मधुर परेशान थीं। उनकी आंख देर से खुली थीं। दोष सपनों का था, जिन्होंने उन्हें उठने नहीं दिया था, उन्हें पूजा के लिए देर हो चुकी थी। खुली छत पर बैठना तो दूर, पांव भी झुलस रहे थे। मधुर ने पहले धूप को कोसा फिर सूरज को खरी-खोटी सुनाई। उसके बाद झांककर घर में देखा। सब नाश्ता करने के बाद अपने कमरों में थे। उन्हें गुस्सा चढ़ गया। तुलसी के गमले में जल चढ़ा कर वे अंदर आईं और बिजली बोर्ड पर लगी एमसीवी गिरा दी। बिजली से चलने वाले सारे उपकरण बंद हो गए। सभी बाहर दौड़कर आए।

सास को आगबबूला देखकर,बहू ने सहमकर पूछा, 'मुझे क्या करना चाहिए?' ताव खाते हुए मधुर ने तुलसी वाला गमला चीकू के कमरे के आगे छज्जे में रखने के लिए कहा। सुनकर मधुर के बेटे ने वहां गमला रखने के लिए मना किया। कारण चीकू पंद्रह दिन की छुट्टी आया था। बेटा अपनी तरह समझाता रहा, लेकिन मधुर ने जो ठान लिया, वही हुआ। शाम को दीपक जलाकर मधुर ध्यान करने बैठी थीं। घर के अन्य जन शांत थे। चीकू भूल गया। टीवी चलाकर वह हंसने-बोलने लगा। मधुर की त्योरियां चढ़ गईं। दो मिनट गहरी सांस लेकर टीवी बंद करने के लिए बोला। चीकू ने माफी मांगते हुए टीवी के साथ दरवाजा भी बंद कर लिया।

दो ही दिन बीत पाए थे, फिर वही वाकया हुआ। इस बार मधुर ने चीकू से न कहते हुए अपने बेटे से कहा, 'अपने बेटे-बहू को समझा लो।' बेटे ने मां को अपनी बात याद दिलाई कि चीकू बस कुछ दिनों के लिए आया है, थोड़ा धैर्य रखें। मां-बेटे झगड़ पड़े। घर में तनाव का माहौल देखकर नई बहू डर गई।

दिन गुजरते रहे, दो-चार दिन छोड़कर मधुर का चीखना-चिल्लाना, बहू का सुबकना चलता रहा। एक सुबह मधुर मजूमदार ध्यान में डूबी थीं।

'दरवाजा ठीक से बंद करो विमल! पीली बर्र कई दिन से मंडरा रही है यहां। ठंडक देख छत्ता बना लेगी अपने कमरे में।' नई बहू की आवाज मधुर के कानों में पड़ी। वे कंठी-माला छोड़कर खड़ी हो गईं, 'चीकू की बहू ने पीली बर्र किसे बोला?'

पास में बरांडे में मिस्टर मजूमदार बैठे अखबार पढ़ रहे थे। बोले, 'तुम समझ तो गई हो।'

'मतलब, तुम कहना क्या चाहते हो?' मधुर गुस्से से लाल हो गईं। घर में आपातकालीन बैठक बुला ली गई। चीकू की बहू से सवाल-जवाब हुए। नई बहू तो नहीं बोल सकी। चीकू की मां ने बताया, 'चीकू के कमरे में पीली बर्र का छत्ता है। दो दिन पहले पलीता दिखा कर उसे हटाया गया था। एक बर्र वहां लगातार चक्कर काट रही है। बहू ने चीकू को इसलिए कहा होगा।'

मामला सबको समझ में आ गया। बहू के ऊपर उठने वाली अंगुलियां नीचे हो गईं। लेकिन मधुर मजूमदार को संतुष्टि नहीं हो पा रही थी। उन्हें बार-बार लग रहा था कि हो न हो चीकू की बहू ने पीली बर्र उन्हीं को ही बोला है। भरे और भारी मन से रात में मधुर अपने कमरे में पहुंचीं। मिस्टर मजूमदार उनका ही इंतजार कर रहे थे, बोले, 'मधुर, तुमने खाना क्यों नहीं खाया? बेटा बता रहा था। ऐसे तो तुम बीमार पड़ जाओगी।'

'चिंता किसे है। आज मेरी अपनी बहू ने चीकू की बहू का साथ दिया।' लगा मधुर रो देंगी।

'नहीं ऐसा नहीं। उसने सही बात बोली बस।' मिस्टर मजूमदार ने समझाया।

'मैं नहीं मानती।' मधुर यकीन करने के लिए तैयार नहीं थीं।

'मधुर, हमारा जीवन कुएं की आवाज है। तुम याद करो, जब मेरी नई-नई शादी हुई थी। थोड़ा-सा भी काम ज्यादा बढ़ जाने पर या तुम्हारे मन का कुछ न होने पर तुम मेरी मां को बिलौटी और बड़ी दीदी को छिपकली बोल देती थीं। वो भी मेरे ही सामने। मैं कैसे घुट कर रह जाता था।' मिस्टर मजूमदार की दबी पुरानी टीस उबरी। 'मतलब?' मधुर आंखें तरेर कर बोलीं।

'मतलब तो बहुत छोटा और साफ है। करता सो भोगता।' मिस्टर मजूमदार ने साफ-साफ कह दिया। पहली बार मधुर को कोई जवाब नहीं सूझा। बत्ती बुझाकर उन्होंने करवट फेर ली। *

हरिभूमि

जबलपुर
रविवार, 30 जून 2024

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

एसबीआई के अगले चेयरमैन के लिए सिफारिश

दिनेश खारा की जगह लेंगे श्रीनिवासुलु शेट्टी

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े पब्लिक सेक्टर बैंक भारतीय स्टेट बैंक को जल्द ही नया चेयरमैन मिल सकता है। केंद्र सरकार की वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो ने बैंक के मौजूदा मैनेजिंग डायरेक्टर चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी के नाम की सिफारिश नए चेयरमैन के रूप में की है। शेट्टी के नाम का सुझाव एफएसआईबी द्वारा दे दिया गया है। स्टेट बैंक के मौजूदा चेयरमैन दिनेश खारा 28 अगस्त को रिटायर होने वाले हैं।

राधा के पति कौन वाले विवाद पर कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का सुलझ गया झगड़ा

वृंदावन में दंडवत होकर माफी मांगी, राधारानी के दर्शन किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल/सीहोर

सीहोर के कथावाचक प्रदीप मिश्रा राधारानी मंदिर बरसाना पहुंचकर राधारानी के सामने माफी मांगी है। प्रदीप मिश्रा ने राधारानी पर विवादित बयान दिया था। बयान के बाद ब्रज के संत और ब्रजवासियों में गुस्सा था। साधु-संतों और गोस्वामी ने पंचायत कर मांग की थी कि प्रदीप मिश्रा राधारानी मंदिर आकर नाक रगड़कर माफी मांगे।

मथुरा के प्रसिद्ध कथा वाचक प्रदीप मिश्रा द्वारा राधारानी पर अमर्यादित टिप्पणी किए जाने का मामला तूल पकड़े जाने के बाद शनिवार को कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने बरसाना राधारानी के दरबार में क्षमा मांगी।

पंडित मिश्रा को मिल रही धमकियों के कारण राधारानी मंदिर में थे सुरक्षा के कड़े इंतजाम

मेरी वाणी से किसी को ठेस पहुंची है तो मैं माफी मांगता हूं

पं मिश्रा ने कहा कि मेरी वाणी से किसी को ठेस पहुंची है, तो उसके लिए माफी मांगता हूं। मैं ब्रजवासियों के चरणों में दंडवत प्रणाम कर माफी मांगता हूं। मैंने लाड़ली जी और बरसाना सरकार से क्षमा चाहता हूं। सभी से निवेदन है कि किसी के लिए कोई अपशब्द न कहें। राधे-राधे कहें, महादेव कहें। मैं सभी महंत, धर्माचार्य और आचार्य से माफी मांगता हूं।

क्या कहा था प्रदीप मिश्रा ने

दरअसल, प्रदीप मिश्रा ने अपने प्रवचन में कहा था, राधा जी का विवाह छाता में हुआ था। राधा जी बरसाना की नहीं, रावल की रहने वाली थीं। बरसाना में तो राधा जी के पिता की कचहरी थी, जहां वह साल भर में एक बार आती थीं।

माफी मांगने का मिला था अल्टीमेटम

राधारानी विवाद पर मथुरा महापंचायत में संतों ने पंडित प्रदीप मिश्रा से माफी मांगने की बात कही थी। पंचायत ने कहा था, वह चार दिन में बरसाना आकर माफी मांगे लें। संतों ने कहा था, हम बयान के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं करा रहे हैं। लेकिन अगर प्रदीप मिश्रा ने चार दिनों के अंदर माफी नहीं मांगी तो हम बड़ा आंदोलन करेंगे।

बरसाना मंदिर में पं. मिश्रा से बदसलूकी

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से बरसाना मंदिर में बदसलूकी की गई। धक्का-मुक्की करते हुए उनके अंगवस्त्र खींचे गए। नाक रगड़ने के लिए मजबूर किया गया। लोग चिल्ला रहे थे कि नाक रगड़वाओ, कान पकड़वाओ...। इस घटनाक्रम के दौरान पंडित मिश्रा असहज दिखे। हालांकि, मंदिर के रिसीवर प्रवीण गोस्वामी ने कहा- बदसलूकी की बात बिल्कुल गलत है। मंदिर में भीड़ थी, वह अचानक आए थे। उन्होंने राधा-रानी से माफी मांगी, यही ब्रजवासी चाह रहे थे।

बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र, पूरे प्रदेश में मानसून की मेहरबानी

जून की झमाझम

भोपाल में 10 साल में दूसरी बार इतनी बारिश

प्रदेश में टूट सकता है बारिश का 'रिकॉर्ड'

राजधानी में एक जून से शनिवार शाम 5.30 बजे हुई 274.9 मिमी बारिश, इससे पहले वर्ष 2014 से 2024 के बीच केवल वर्ष 2020 में पूरे महीने में हुई थी 405.3 मिमी वर्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित पूरे प्रदेश में मानसून की मेहरबानी बनी हुई है। खासकर मध्य क्षेत्र के भोपाल सहित आसपास के इलाकों में अच्छी बारिश हो रही है। भोपाल बैरागढ़ में एक जून 2024 से शनिवार शाम 5.30 बजे तक कुल 274.9 मिमी बारिश हो गई है, जो 10 साल में दूसरी बार इतनी मात्रा में दर्ज हुई है। यह प्रदेश में सर्वाधिक बारिश है। इससे पहले 10 साल में (वर्ष 2014 से 2024 के बीच) जून के पूरे महीने में केवल वर्ष 2020 में पूरे महीने में 405.3 मिमी वर्षा दर्ज हुई थी। अभी जून महीने का आज का दिन शेष है, जिससे पूरी उम्मीद है कि भोपाल में जून की बारिश 10 साल का रिकार्ड तोड़ देगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार कन्वेक्टिव एक्टिविटीज के कारण इस बार इतनी हो रही है।

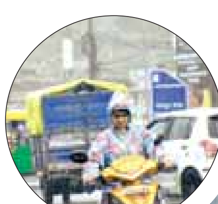

पूरे प्रदेश में होगी झमाझम बारिश, दो से तीन दिन बारिश में रहेगी तेजी

रोशनपुरा में बारिश

अब और बढ़ेगी रफ्तार

शुक्ला के अनुसार शनिवार को बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना है। इससे भोपाल सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अगले 2 से 3 दिन अच्छी बारिश होगी। इसके बाद बारिश की रफ्तार और बढ़ जाएगी। जुलाई के पहले सप्ताह में पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश होने का अनुमान है। इसके बाद कुछ बदलाव की उम्मीद है।

अभी ये है मानसून की स्थिति

शुक्ला के अनुसार मानसून की उत्तरी सीमा जैसलमेर, चूरू, भिवानी, दिल्ली, अलीगढ़, हरदोई, मुरादाबाद, ऊना, पठानकोट आदि से होकर गुजर रही है। उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना है। इसके अलावा सौराष्ट्र और कच्छ से सटे उत्तर-पूर्व अरब सागर पर भी एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना है। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव बनने से अब प्रदेश में बारिश में तेजी आएगी।

प्रदेश में औसतन 18 प्रतिशत कम बारिश

प्रदेश में एक जून से 29 जून तक लॉगरेंज फोरकॉस्ट से औसतन करीब 18 प्रतिशत कम बारिश हुई है। पूर्वी मप्र में औसत से 39 कम बारिश हुई, जबकि पश्चिमी मप्र में औसत से करीब 3 फीसदी अधिक बारिश दर्ज हुई है। प्रदेश में अब तक औसतन 124.2 मिमी बारिश होना चाहिए थी, जो कि 102.3 मिमी दर्ज हुई है। इस लिहाज से यह औसतन 18 फीसदी कम है।

यहां 100 मिमी से अधिक बारिश

दमोह, डिंडौरी, जबलपुर, सिवनी, आगरमालवा, अलीराजपुर, बडवानी, भिंड, बैतूल, भोपाल, बुरहानपुर, देवास, धार, गुना, ग्वालियर, हरदा, इंदौर, झाबुआ, खंडवा, मुरैना, नीमच, राजगढ़, रतलाम, सीहोर, शाजापुर, शिवपुरी, उज्जैन और विदिशा में 100 मिमी से अधिक बारिश हो चुकी है। प्रदेश में अब तक सबसे अधिक बारिश भोपाल में ही दर्ज हुई है।

सामान्य से सवा सौ मिमी अधिक बारिश

शनिवार सुबह 8.30 से शाम 5.30 बजे तक भोपाल बैरागढ़ में 25.6 मिमी बारिश हुई। इससे पहले एक जून से शनिवार सुबह तक कुल 249.3 मिमी बारिश हुई थी। यह सामान्य से अब करीब 134 मिमी तक अधिक हो गई है। इससे शहर सहित आसपास के जलस्रोतों में पानी का स्तर धीरे बढने लगा है।

नदी पार करने का अभ्यास कर रहे थे सैनिक

जल स्तर बढ़ा और नदी में समा गया टैंक, जेसीओ समेत 5 जवान शहीद

एजेंसी ▶▶ लद्दाख

दौलत बेग ओल्डी इलाके में और दुखद हादसा हुआ है। रक्षा अधिकारी के मुताबिक, देर रात करीब 3 बजे यहां टैंक अभ्यास के दौरान नदी पार करते समय अचानक से नदी का जलस्तर बढ़ गया जिसमें सेना के जवान फंस गए। इस हादसे में सेना के पांच जवान शहीद हो गए हैं और एक जवान को बचाने में सफलता भी मिली है। दरअसल रात में दौलत बेग ओल्डी में टैंक अभ्यास चल रहा था और सेना के कई टैंक यहां मौजूद थे। इस दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास एक टी-72 टैंक द्वारा रात में नदी कैसे पार की जाती है इसका अभ्यास चल रहा था। रक्षा अधिकारी के मुताबिक, शुक्रवार की शाम दौलत बेग ओल्डी इलाके में नदी पार करने के अभ्यास के दौरान हुए हादसे में एक जेसीओ समेत 5 भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गए। सभी पांचों शव बरामद कर लिए गए हैं। खबर लिखे जाने तक टैंक की बरामदगी की भी कोशिश चल रही थी।

■ पांचों शव निकाले, टैंक नदी में बह गया

सेना ने एक बयान जारी करकहा कि 28 जून 2024 की रात को, एक सैन्य प्रशिक्षण गतिविधि के पूरा होने के दौरान पूर्वी लद्दाख के सासेर ब्रांगसा के पास श्योक नदी में अचानक जल स्तर बढ़ने के कारण सेना का एक टैंक फंस गया। बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे, हालांकि, नदी के तेज प्रवाह और जल स्तर के कारण बचाव अभियान सफल नहीं हुआ और टैंक चालक दल के सदस्यों की जान चली गई।

फाइल फोटो

राजनाथ ने दुख व्यक्त किया राहुल गांधी ने दी श्रद्धांजलि

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा कि लद्दाख में नदी पार कराते समय हुए दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में भारतीय सेना के पांच बहादुर जवानों की जान जाने से मैं बहुत दुखी हूं। हम देश के लिए अपने वीर जवानों की अनुकरणीय सेवा को कभी नहीं भूलेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। वहीं दूसरी तरफ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि भारतीय सेना के पांच जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद है। सभी शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। दुख की इस घड़ी में हम उनके साथ खड़े हैं। उनका समर्पण, सेवा और बलिदान देश सदा याद रखेगा।

राजनाथ सिंह

राहुल गांधी

ट्रक ने कार को मारी टक्कर, 3 लोगों की मौत

सतना। सतना-मैहर रोड पर शनिवार को पथरहटा टोल नाका में सरिया से लदे ट्राला ने एक कार को टक्कर मारी दी। इसके बाद ट्रक कार के ऊपर ही पलट गई। हादसे में एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई है। 6 साल की मासूम बच्ची सुरक्षित बच गई। दुर्घटना रामवन गमन पथ मार्ग पर पथरहटा गांव के पास हुई है। हादसे में कुलदीप द्विवेदी (38), रुचि (34), गोपाल द्विवेदी (10) की मौके पर ही मौत हो गई है।

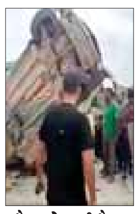

भाजपा नेता प्रभात झा की तबीयत बिगड़ी

अस्पताल पहुंचे मुख्यमंत्री दिल्ली किया 'एयरलिफ्ट'

दिल्ली के मेदांता अस्पताल में इलाज जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रभात झा की तबियत बिगड़ने के बाद उनको दिल्ली एयरलिफ्ट किया गया है। झा न्यूरो संबंधित परेशानी के चलते दो दिन से बंसल अस्पताल में भर्ती थे। तबियत बिगड़ने की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, संगठन महामंत्री हितानंद, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बंसल अस्पताल पहुंचे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने झा की तबियत की जानकारी ली और दिल्ली के मेदांता अस्पताल में इलाज की समुचित व्यवस्था को लेकर बातचीत की है।

ऑटो चालक के पुलिस पर गंभीर आरोप!

उल्टा लटकाकर पीटा, पेशाब पिलाई और टांग भी तोड़ दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ग्वालियर

ग्वालियर क्राइम ब्रांच और पड़ाव थाने की पुलिस पर एक ऑटो ड्राइवर ने थर्ड डिग्री टॉर्चर के आरोप लगाए हैं।

वो भी सिर्फ इस बुनियाद पर कि चोरी के समय उसका ऑटो घटनास्थल पर सीसीटीवी फुटेज में कैप्चर हुआ है। ड्राइवर का आरोप है कि क्राइम ब्रांच के टीआई ने उसे पेशाब भी पिलाई। हाथ-पैर बांधकर उल्टा लटकाकर पीटा। पैर तोड़ दिया। पुलिस ने कुछ और ऑटो ड्राइवर को भी पीटा है। शुक्रवार रात मामले ने तूल पकड़ा तो पुलिस ने संदेहियों पर शांतिभंग की धारा 151 में कार्रवाई कर छोड़ दिया। ऑटो ड्राइवर सोनू शिवहरे उर्फ दीपक उसके परिजन की शिकायत पर एसपी धर्मवीर सिंह ने एएसपी अखिलेश रेनवाल को जांच सौंपी है।

अपने संसदीय क्षेत्र में जनता के बीच पहुंचे केंद्रीय मंत्री शिवराज

शिवराज बोले- आपके लिए न नेता हूं न मंत्री हूं केवल भैया और मामा हूं

किसान, गरीब, महिला और युवा इन चार जातियों के कल्याण से ही किसी भी देश का विकास संभव

केंद्रीय कृषि मंत्री ने भाजपा के लक्ष्य को किया रेखांकित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने चार जातियां कहीं है, किसान, गरीब, महिला और युवा, इन चार जातियों के कल्याण और विकास से ही किसी भी देश का विकास संभव है।

विकसित भारत के निर्माण के लिए इन चार जातियों की सेवा ही भाजपा का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व में पांचवें नंबर पर पहुंच गई है।

जैत के साथ पूरे रास्ते में शिवराज का फूलों की बौछारों से भव्य स्वागत

जनता ने ऐसा आशीर्वाद दिया कि, सारे रिकॉर्ड टूट गए

केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि मेरे लिए जनता की सेवा ही भगवान की पूजा है। कहीं भी रहूं, पर कभी भी अपने परिवार को छोड़ नहीं सकता। हमारे बीच जनता और नेता का नहीं, बल्कि दिल और आत्मा का रिश्ता है। उन्होंने कहा कि यहां जनता ने ऐसा आशीर्वाद दिया कि सारे रिकॉर्ड टूट गए। शिवराज ने कहा कि जो प्यार, स्नेह और आशीर्वाद आपने दिया है, जान भले ही चली जाए, लेकिन आपके विश्वास को कभी भी टूटने नहीं दूंगा।

मलेशिया में कराई गई 'भूतों' की अनोखी शादी, मामला जान आप हो जाएंगे इमोशनल

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

मलेशिया में हुई एक शादी इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा का विषय बनी हुई है। असल में यह शादी किसी जीवित इंसान की नहीं, बल्कि दो आत्माओं के बीच कराई गई है। लेकिन जब आप पूरा मामला जानेंगे, तो इमोशनल हो जाएंगे। मलेशिया में एक भयानक कार हादसे में यांग जिंगशान और ली शुएयिंग नाम के एक कपल की मौत हो गई। यह घटना पेराक के उत्तर पश्चिमी इलाके में 24 मई को हुई थी। दोनों पिछले तीन साल से रिलेशनशिप में थे और बहुत जल्द शादी करने का प्लान कर रहे थे। बताया जा रहा है कि जिंगशान अपने बर्थडे पर बैंकॉक जाकर ली को प्रपोज करने की सोच रहे थे, लेकिन किस्मत का खेल देखिए उससे पहले ही उनकी कार पलट गई और दोनों अब इस दुनिया में नहीं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस हादसे के बाद दोनों घर के परिवारों ने मिलकर एक अनोखा रस्म निभाने का फैसला किया। उन्होंने अपने-अपने बच्चों की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए 'भूत विवाह' कराया।

अपने बच्चों की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए 'भूत विवाह' कराया

चीन में भी है ऐसी प्रथा

चीन में यह एक ऐसी प्रथा है, जिसके तहत दो गैरशादीशुदा मृत आत्माओं को शादी के पवित्र बंधन में बांधा जाता है। ऐसी मान्यता है कि ऐसा करने से मृत्यु के बाद भी दोनों पति-पत्नी के रूप में हमेशा के लिए एक हो जाते हैं और इससे उनकी आत्मा को शांति मिलती है। जिंगशान और ली के घरवालों ने बीते सोमवार को एक फ्यूनरल हॉल में इस अनोखे रस्म का आयोजन किया, जहां दोनों की शादी कराई गई। परिवार ने उनके लिए बाकायदा शादी की एक तस्वीर भी बनाई। जिंगशान के घरवालों ने अपने शोक संदेश में ली को बहू के रूप में स्वीकार किया।

इन देशों में भी है ये प्रथा

चीनी लोककथाओं के विशेषज्ञ हुआंग जिंगचुन ने बताया कि यह प्रथा उन रिश्तेदारों की भावनात्मक जरूरतों को पूरा करने में मदद करती है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। चीनी संस्कृति से प्रभावित होकर, भूत विवाह की यह प्रथा उत्तर कोरिया और जापान जैसे कई पूर्वी एशियाई देशों में भी प्रचलित है।

ब्रिज बनाने से पहले जिंदा दफनाए जाते थे महिला-पुरुष?

जापान में एक प्रथा थी, जिसके तहत किसी भी ढांचे को बनाने से पहले इंसानों की बलि दी जाती थी

एजेंसी ▶▶| टोक्यो

आपने फिल्मों या फिर पौराणिक कथाओं पर आधारित सीरियलों में देखा होगा कि पुराने समय में इंसानों की बलि दी जाती थी। अगर आपको लगता है कि ये सिर्फ अफवाह या काल्पनिक बातें हैं तो शायद आपको जापान के बारे में नहीं पता। 16वीं सदी तक जापान में एक हैरान करने वाली प्रथा थी। यहां पर नरबलि दी जाती थी। वो भी ब्रिज, किले, या डैम बनाने से पहले! आज हम आपको इस प्रथा के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे हितोबाशिरा के नाम से जाना जाता है।

अम्यूजिंक प्लैनेट वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार जापान में 16वीं सदी तक जब भी किले, ब्रिज, या डैम बनाए जाते थे, तो उसके नीचे इंसानों कों जिंदा दफनाया जाता था, उसके बाद निर्माण कार्य शुरू होता था। इस प्रथा को हितोबाशिरा या फिर डा शेंग ज्हुआंग के नाम से जापान में जाना जाता था। माना जाता था कि इन चीजों के निर्माण के दौरान धरती को खोदने की वजह से जमीन का फेंगशुई हिल जाता था। यानी उन्हें लगता था कि वो अशुभ कार्य करने वाले हैं। इस कार्य के दौरान या उसके पूरा होने पर कोई अपशकुन घट सकता था।

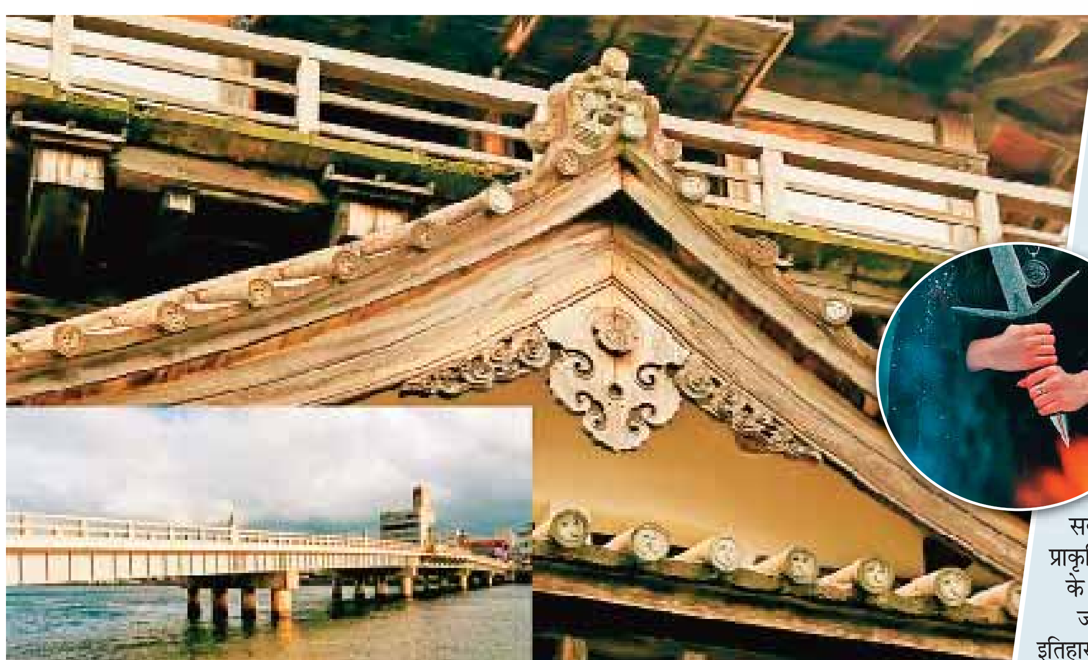

बाढ़ रोकने बच्चे को फेंक देते थे डैम के मुहाने पर

जापान के होकिरीको प्रांत में मौजूद मारुओका किले के लिए ये दावा किया जाता है कि इसे हितोबाशिरा प्रथा के तहत ही बनाया गया था। इसी तरह मात्सुए ओहाशी ब्रिज को बनाने से पहले भी इंसान की बलि चढ़ाई गई थी। इसी तरह की एक प्रथा चीन में भी थी, जिसे साकडूलंग के नाम से जाना जाता है। इस प्रथा में भी बाढ़ के दौरान बच्चे को किसी डैम के निकासी द्वार के पास पानी में फेंक दिया जाता था। माना जाता था कि इस तरह बाढ़ को रोका जा सकता है।

इस वजह से होती थी ये प्रथा

इस वजह से वो अपशकुन को कम करने के लिए लोगों की बलि चढ़ाते थे। इस तरह वो भगवान को खुश करते थे जिससे भगवान का आशीर्वाद मिल सके और वो ढांचा किसी प्राकृतिक आपदा या दुश्मनों के हमले का शिकार न हो जाए। क्लासिक जापानी इतिहास पर आधारित किताब निहोन शोकी में इस प्रथा के साक्ष्य पढ़ने को मिलते हैं। माना जाता है कि किताब में जो चीजें बताई गई हैं, वो 300 एडी के आसपास की हैं।

जुर्म जानकर समझेंगे 'मसीहा'!

वो खूंखार अपराधी, जो 50 सालों से है जेल में, स्टील के 17 दरवाजों में कैद

एजेंसी ▶▶| लंदन

दुनिया में ऐसे कई अपराधी हैं, जो लंबे वक्त से जेल में हैं और जब लोगों को उनके गुनाहों के बारे में पता चलता है, तो हर कोई हैरान हो जाता है। पर आज हम आपको एक ऐसे अपराधी के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 50 सालों से जेल में बंद है। उसे 17 स्टील के दरवाजों के पीछे कैद किया गया है, क्योंकि वो बेहद खूंखार है। पर जब लोग उसके जुर्म के बारे में सुनते हैं, तो कन्फ्यूज हो जाते हैंक्योंकि वो ये नहीं तय कर पाते कि ये शख्स असल में अपराधी है, या फिर कोई 'मसीहा' है! शख्स इंग्लैंड की जेल में बंद है।एक रिपोर्ट के अनुसार रॉबर्ट मॉडस्ले को ब्रिटेन का सबसे खतरनाक सीरियल किलर माना जाता है। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार इस अपराधी के नाम सबसे लंबे वक्त तक जेल में कैद रहने का रिकॉर्ड भी है। ये आदमी 50 सालों से जेल में बंद है।

21 साल की उम्र में हुई थी जेल

रॉबर्ट 21 साल की उम्र से जेल में है। पर उसके जेल में रहने का जो कारण है, वो काफी हैरान करने वाला है, और बस इसी वजह से लोगों को समझ नहीं आता कि उसे अपराधी कहें या मसीहा! ये आप खुद तय करिए। दरअसल, 1974 में रॉबर्ट ने 30 साल के जॉन फैरेल नाम के एक अपराधी की हत्या की थी, जो बच्चों का यौन शोषण करता था। 1977 में रॉबर्ट ने एक और साथी कैदी के साथ मिलकर डेविड फ्रांसिस नाम के एक और अपराधी की हत्या की। वो भी बच्चों से यौन शोषण के अपराध में जेल में बंद था। उसने बहुत ही बेरहमी से उसका खून किया था।

आज भी जेल में बंद है रॉबर्ट: इन हत्याओं के बाद उसे आम कैदियों के बीच रखना असुरक्षित माना जाने लगा और इस वजह से उसके लिए एक खास कांच का जेल बनाना शुरू किया गया और 1983 में जब वो बनकर तैयार हुआ, तो उसे उस जेल में शिफ्ट कर दिया गया। एक बार अपने जेल में बंद रहने के अनुभव को उसने बोला था कि उसे ऐसा लगता है जैसे वो नरक में बंद है।

बच्चों से रेप करने वालों को उतारा मौत के घाट

इसके बाद रॉबर्ट को यॉर्कशायर के वेकफील्ड जेल में डाला गया। पर वहां पर भी 1 साल बाद उसने 29 जुलाई 1978 को उसने सैलनी डारवुड नाम के एक अपराधी की हत्या की, जिसने अपनी बीवी का खून किया था। रॉबर्ट यहीं नहीं रुका। उसने एक और अपराधी बिल रॉबर्ट्स को भी मौत के घाट उतारा, जो 7 साल की बच्ची से रेप के मामले में कैद था। दोनों की हत्या करने के बाद वो बड़े आराम से जेल के गाड्र्स के पास गया और उनसे बोला कि डिनर के लिए दो कैदी आज कम रहेंगे।

इस लड़की की लिखावट दुनिया की सबसे खूबसूरत कंप्यूटर टाइपिंग से भी बेहतर, मोह लेगी मन

एजेंसी ▶▶| काठमांडू

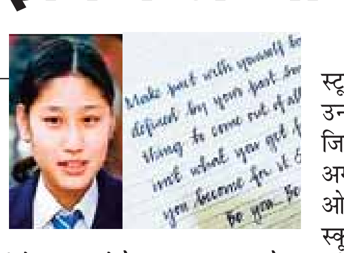

नेपाल की रहने वाली एक छात्रा प्रकृति मल्ला की लिखावट को दुनिया की सबसे सुंदर लिखावट माना जा रहा है। जब वह लिखती है तो लगता है कि जैसे कंप्यूटर से टाइप किया गया हो। हर शब्द साफ और चमकीले नजर आते हैं। इतनी सुंदर राइटिंग शायद ही आपने कभी देखी होगी। हैंडराइटिंग एक्सपर्ट भी अचंभित हैं कि इतना खूबसूरत कोई कैसे लिख सकता है। सोशल मीडिया पर उसकी हैंडराइटिंग खूब वायरल हो रही है। लोग देखकर हैरान हैं।

अच्छी हैंड हैंडराइटिंग के लिए स्टूडेंट्स क्या नहीं करते। क्योंकि उनके लिए लिखावट पढ़ाई के जितनी ही महत्वपूर्ण है। लिखावट अगर सुंदर है तो सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। आज भी स्कूलों में बच्चों को इसके लिए प्रेरित किया जाता है। अच्छी हैंड हैंडराइटिंग के लिए अवॉर्ड तक दिए जाते हैं। यहां तक कि इंटरनेशनल कंपटीशन तक कराए जाते हैं। लेकिन, हर किसी की लिखावट का अंदाज अलग-अलग होता है। कई लोगों की लिखावट बेहद खूबसूरत होती है और हर किसी को पसंद आती है।

वर्ल्ड बेस्टैं डराइटिंग

नेपाल की एक स्कूली छात्रा को वर्ल्ड बेस्ट हैंडराइटिंग का खिताब मिला हुआ है। उसकी लिखावट दुनिया की सबसे खूबसूरत लिखावट बन गई है। प्रकृतति मल्ला नाम की यह छात्रा अपनी सुंदर लिखावट को लेकर इन दिनों पूरी दुनिया में चर्चा में है। आप भी अगर उनकी लिखावट देख लेंगे तो मुरीद हो जाएंगे। इतनी खूबसूरत तरीके से वह लिखती हैं कि सोशल मीडिया पर कई लोग देखकर कनफ्यूज हैं कि यह राइटिंग है या टाइपिंग।

अंधेरे में लाइट की तरह चमक रहे थे हिरण के सींग!

फिनलैंड। तस्वीर देखने के बाद उनकी सच्चाई को जानना बहुत जरूरी होता है। लेकिन कई बार ऐसा लगता है कि कुछ तस्वीरें ऐसे ही वायरल हो जाती है। लेकिन उनके वायरल होने की वजह भी शायद वही कौतूहल ही होता है कि आखिर ऐसी तस्वीर कैसे खिंच गईं। सोशल मीडिया पर बारहसिंगा की तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जिनके सींग अंधेरे में ट्यूबलाइट की तरह चमक रहे हैं। हाल ही में चमकीले सींगों वाले हिरण की दो तस्वीरें लोग खूब पसंद कर रहे हैं और उन्हें लाखों लोगों ने देखा है। मजेदार बात यह है कि ये तस्वीरें सच हैं और ऐसा कैसे हुआ इसका भी खुलासा पोस्ट में किया गया है कि कैसे हजारों बारहसिंगा इस तरह के चमकीले सींग वाले हो जाते हैं। पोस्ट में बताया गया है कि फिनलैंड में, इन खास हिरणों के सींगों को रिफ़्लेक्टिव पेंट से रंगा जाता है जिससे रात में वाहन चालक उन्हें देख सकें और कोई हादसा होने से बच सके। इन जानवरों से जुड़ी यातायात दुर्घटनाएं बहुत ज्यादा होती हैं। इसे सबसे पहले फ़िनलैंड के हिरण चरवाहे संघ ने 2014 में शुरू किया था, जो हर साल यातायात दुर्घटनाओं में मारे जाने वाले अनुमानित 4000 हिरण के जवाब में शुरू किया गया था। उस समय संगठन ने कहा था, 'इसका मकसद यातायात दुर्घटनाओं को रोकना है। स्प्रे का परीक्षण फिलहाल पैर पर किया जा रहा है, लेकिन यह सींगों पर और भी ज़्यादा प्रभावी हो सकता है, क्योंकि वे हर तरफ़ से दिखाई देते हैं।'

रेंडियर को बचाने वाला यह प्रयोग सफल नहीं हो पाया था

एसोसिएशन ने बताया कि यह तरीका, अन्य उपायों जैसे कि हिरण के गले में रिफ्लेक्टर लटकाना, उसकी मृत्यु दर को कम करने में सफल नहीं रहा था। एसोसिएशन ने बताया कि ड्राइवर अक्सर अंधेरे में लोगों के लिए रिफ्लेक्टर के साथ हिरण को गलत समझते हैं, उन्हें लगता है कि जब वे कार की हेडलाइट को आते देखेंगे तो वे सड़क के बीच में नहीं भागेंगे। 2016 में एक हिरण ट्रैकिंग ऐप शुरू किया गया था, जिससे ड्राइवरों को अपने हिरण के दिखने की सूचना देने और हॉटस्पॉट के पास होने पर लोगों को सचेत करने का अधिकार मिला।

राशिफल

मेष: मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृष: आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न

मिथुन: किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क: जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह: जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कन्या: पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला: मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन मिल सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें।

वृश्चिक: मन में नकारात्मक विचारों से बचें। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे।

धनु: आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य हो सकते हैं।

मकर: क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। पिता से धन मिल सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ: मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। माता का सहयोग मिलेगा।

मीन: पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। वाणी में मधुरता रहेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे।

क्या आपको अपनी लाडली के लिए अच्छा वर चाहिए...
या आपको तलाश है... एक अच्छी बहु की...
तो हमसे जुड़िए...
हरिभूमि वैवाहिकी

वर चाहिए
बंगाली साहा, नवम्बर 1993, 5 फीट 3इंच, बीकॉम पास शुद्ध शाकाहारी गृह कार्य में दक्ष कन्या हेतु वर चाहिए मध्यमवर्गीय परिवार हेतु। (मैरिज ब्यरो क्षमा करें)
संपर्क करें- 7240885970

वर चाहिए
अनमैरिड अकेली सुन्दर महिला हेतु 01/03/1978 हाईट 5'-2" एमए, बीए/ हार्डवेयर बिजनेस/ अच्छी इनकम सभी जरूरतमंद मान्य है जाति बंधन नहीं।
अतिशीघ्र संपर्क करें
7440917990
7440917990

वधु चाहिए
28 वर्ष, 5'-7" BE (Civil) MA (English), B.Ed. स्वयं का मकान, 5 एकड़ कृषि भूमि तथा स्वयं का व्यवसाय बंगाली ब्राह्मण वर हेतु शिक्षित कन्या चाहिए, जाति बंधन नहीं कोरबा, बिलासपुर वाले को प्राथमिकता कृपया ब्यूरो वाले क्षमा करें।
संपर्क करें- 7805909181 7999567623

वधु चाहिए
28 वर्ष, 6 फीट इंजीनियर एमबीए एनएमसी पुणे में कार्यरत 150000 प्रतिमाह वेतन प्राप्त सोनी युवक हेतु एम.सी.ए इंजीनियर एमबीए सोनी वधु चाहिए
संपर्क करें- 9893727585

आवश्यकता
आवश्यकता है- AIRPORT डायरेक्ट भर्ती अनपढ़ 8th, 10th, 12th, ग्रेजुएट (लड़के- लड़कियां) एयर होस्टेस, सुपरवाईजर, मैनेजर, ग्राउंड स्टाफ, क्लर्क, चेकर, लोडर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन, ड्राइवर, हेल्पर 31500-82500 मेडिकल, इंश्योरेंस, रहना, खाना फ्री. 7495042110, 7404063544 (रायपुर /16/ जुलाई)

फायनेंस
फाइनेंस- लोन ही लोन Bajaaja finance द्वारा पर्सनल लोन, प्रॉपर्टी लोन, आधार लोन, घर बैठे आसान किस्तों में प्राप्त करे 2% ब्याज 30% छूट धोखेबाजों से सावधान किसानों को विशेष छूट हेल्पलाइन नंबर :- 09821683601, 09319112391 (रायपुर /30 / जून/24)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सेक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

शब्द पहेली - 5557

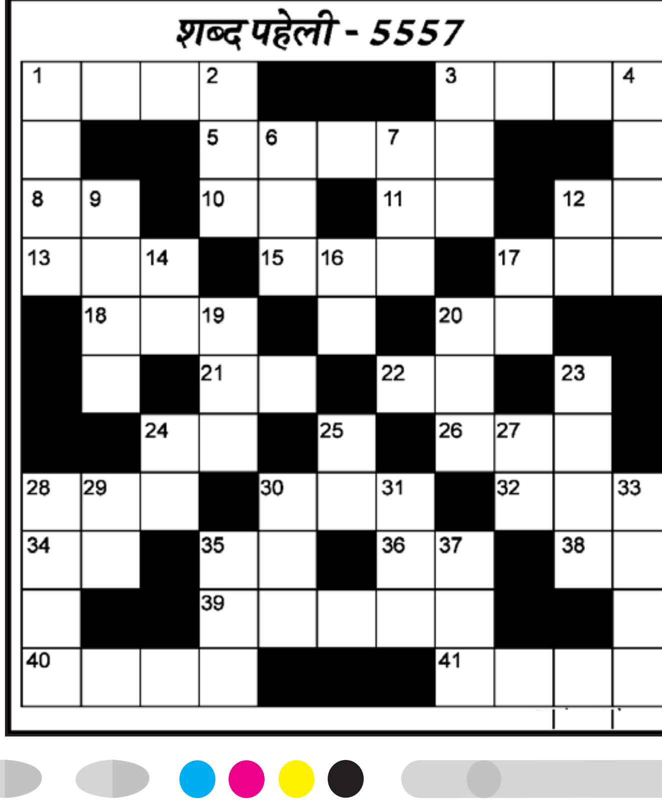

बाएँ से दाएं-
1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़, भिड़ंत-4
5. क्रोधित होवा-5
8. लाश, पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख, नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा, लाभ-2
21. चिट्ठी, पत्र-2
22. जी, चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना, दबाना-3
28. दाड़म, एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी, पुलाव-3
34. मां, आई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब, किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे
1. दलाली-4
2. स्वदेश, जन्मभूमि-3
3. दौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड, आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक, कणिका-2
14. थोड़ा, जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित, रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट, अभिमत-2
28. धरोहर, थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि, रोकड़-3
31. संधिपत्र, मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अदृढ, तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -5556 का हल

सूडोकु नवताल - 5568

* * * * * कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

■ MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5567 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

तीन सबसे बड़े उलटफेर...

अफगानिस्तान और सह मेजबान अमेरिका का हैरतअंगेज कारनामा

टी20 वर्ल्ड कप 2024

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में कुल 20 टीम भाग ले रही थीं, जिनमें से केवल एक ही ट्रॉफी उठा पाई। करीब एक महीने लंबे टूर्नामेंट में कई रोमांचक मुकाबले हुए हैं। वहीं सुपर-8 में अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को 21 रन से चौंकाया है। मगर ये पहला मौका नहीं है जब इस वर्ल्ड कप में उलटफेर देखा गया। आइए जानते हैं उन 3 सबसे बड़े उलटफेर के बारे में, जो अब तक टी20 वर्ल्ड कप देखे जा चुके हैं।

अमेरिका ने पाकिस्तान को हराया

टी20 वर्ल्ड कप 2024 का सबसे पहला उलटफेर तब आया जब सह-मेजबान यूएसए ने पूर्व विश्व विजेता पाकिस्तान को हराया था। इस मैच में पहले खेलते हुए पाकिस्तान ने 159 रन बनाए, दूसरी ओर लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेरिका भी निर्धारित 20 ओवरों में इतने ही रन बना पाई थी। परिणाम के लिए सुपर ओवर का सहारा लिया गया, जिसमें पाकिस्तान टीम 5 रन से हार गई थी। इसी शर्मनाक हार ने पाकिस्तान को सुपर-8 में जाने से वंचित कर दिया था।

अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड को रौंदा

7 जून को न्यूजीलैंड टी20 वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच खेल रही थी। अफगानिस्तान अच्छी लय में थी, इसलिए उसने पहले खेलते हुए स्कोरबोर्ड पर 159 रन लगा दिए थे। वहीं जब न्यूजीलैंड लक्ष्य का पीछा करने आई तो 50 रन बनाने से पहले ही आधी से ज्यादा टीम पवेलियन लौट चुकी थी। कीवी टीम मात्र 75 रन पर सिमट गई और 84 रन के विशाल अंतर से मैच हार गई। न्यूजीलैंड भी उन बड़ी टीमों में से एक रही जो सुपर-8 में नहीं जा सकी।

ऑस्ट्रेलिया की चौंकाने वाली हार

अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड के बाद ऑस्ट्रेलिया को भी उलटफेर का शिकार बनाया है। सुपर-8 के इस अहम मुकाबले में अफगान टीम ने पहले खेलते हुए 148 रन बनाए थे। सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने के बाद अफगानिस्तान टीम के तेज गेंदबाजों ने कहर बरपाया। नवीन उल हक और गुलबदीन नईब इस मैच में कहर बरपा रहे थे, जिन्होंने मिलकर ऑस्ट्रेलिया के 7 बल्लेबाजों को आउट किया। अफगानिस्तान ने इस मैच को 21 रन से जीता है।

बाउंड्री मीटर

502 : छक्के
935 : चौके

टॉप स्कोरर

रन	खिलाड़ी	देश
281	गुरबाज	अफगानिस्तान
255	ट्रैविस हेड	ऑस्ट्रेलिया
248	रोहित शर्मा	भारत

टॉप विकेटटेकर

रन	खिलाड़ी	देश
17	फारूकी	अफगानिस्तान
15	अर्शदीप सिंह	भारत
14	राशिद खान	अफगानिस्तान

टी20 वर्ल्ड कप स्टैट्स

54
मैच खेले गए

12652
कुल बने रन

1437
कुल बाउंड्री

663
कुल विकेट

हाईएस्ट टीम स्कोर

218/5	वेस्टइंडीज
205/5	भारत
201/7	ऑस्ट्रेलिया
201/6	श्रीलंका
197/3	अमेरिका

टी20 विश्व कप पर भारत का कब्जा

सांसे थमा देने वाले मैच में भारत ने द.अफ्रीका के मुंह से छीन ली जीत

बारबडोस। भारत ने द.अफ्रीका के मुंह से जीती हुई बाजी को छीन ली और इस वर्ल्ड के रोमांचकारी मैच में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए टी-20 वर्ल्ड कप पर कब्जा किया। रोहित शर्मा की टीम ने वो सपना पूरा कर दिया, जिसका 11 साल से पूरा होने का इंतजार था। साउथ अफ्रीका 177 का टारगेट आसानी से पूरा कर रही थी। लेकिन, गेंदबाजों को ये मंजूर नहीं था। साउथ अफ्रीका के हाथों से जीत छीन ली। टी-20 वर्ल्ड कप इंडिया का है। जीत का हीरो कोई एक नहीं पूरी इंडियन टीम है। सूर्यकुमार का वो कैच तो शायद दशकों तक याद रखा जाएगा, जिसकी बदौलत मिलर पवेलियन लौटे। बारबडोस से स्टेडियम में इंडिया ने पहले बैटिंग चुनी थी। पावरप्ले में रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार के विकेट गिर गए थे। कोहली ने 72 और अक्षर पटेल ने 47 रन की पारी खेली। शिवम दुबे ने तेज रफ्तार से 27 रन बनाकर स्कोर 176 तक पहुंचाया। साउथ अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज और एनरिक नॉर्त्या ने 2-2 विकेट लिए। कगिसो रबाडा और मार्को यानसन ने एक-एक विकेट लिया। जवाबी पारी में साउथ अफ्रीकी टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 169 रन बना सकी। हार्दिक पंड्या ने 3 विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह ने 2-2 विकेट लिए। हेनरिक क्लासन ने 27 बॉल पर 52 रन बनाए, जबकि डी कॉक ने 31 बॉल पर 39 रन की पारी खेली। ट्रिस्टन स्टब्स ने 21 बॉल पर 31 और मिलर ने 17 बॉल पर 21 रन का योगदान दिया।

एक भी शतक नहीं

रन	खिलाड़ी
98	निकोलस पूरन
94*	आरोन जोन्स
92	रोहित शर्मा
87*	फिल साल्ट
83*	जोस बटलर

रोहित सबसे सफल कप्तान

भारत ने टी20 विश्व कप 2024 के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर फाइनल का टिकट कटाया था। इस जीत के साथ रोहित शर्मा अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में जीत के मामले में सबसे सफल कप्तान बन गए थे। उन्होंने पाकिस्तान के टी20 कप्तान बाबर आजम का रिकॉर्ड तोड़ा था। बाबर आजम ने टी20 इंटरनेशनल में 85 मैचों में 48 जीत हासिल की है। दूसरी तरफ रोहित शर्मा ने सिर्फ 61 मैचों में 49 जीत दर्ज की है।

टी20 विश्व कप सबसे महत्वपूर्ण आयोजन बना

ब्रिजटाउन। टी20 विश्व कप दुनिया भर के खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की 'सबसे महत्वपूर्ण' आयोजन बन गया है। खिलाड़ियों के बीच किए गए एक सर्वे में वनडे विश्व कप के मुकाबले टी20 विश्व कप को आईसीसी का सबसे अहम आयोजन करार देने वाले खिलाड़ियों की संख्या में इजाफा हुआ। 'वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन' द्वारा किए गए एक सर्वे के अनुसार 85 प्रतिशत खिलाड़ियों ने 2019 में 50 ओवर के विश्व कप को सबसे महत्वपूर्ण माना, जबकि 15 प्रतिशत ने टी20 विश्व कप को सबसे महत्वपूर्ण माना था। इस साल हालांकि इन आंकड़ों में बड़ा बदलाव हुआ है और सिर्फ 50 प्रतिशत खिलाड़ियों ने ही वनडे विश्व कप को सबसे महत्वपूर्ण माना जबकि टी20 विश्व कप को पसंद करने वालों की संख्या 35 प्रतिशत तक पहुंच गई। 'री-ब्रांडेड' संस्था द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार 26 वर्ष से कम उम्र के खिलाड़ियों के लिए टी20 विश्व कप के प्रति झुकाव काफी बढ़ गया। सर्वे में भाग लेने वाले 49 प्रतिशत ऐसे खिलाड़ियों ने टी20 विश्व कप को सबसे महत्वपूर्ण आयोजन माना। कुल मिलाकर टी20 प्रारूप की लोकप्रियता में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। इस सर्वे में लगभग 30 प्रतिशत खिलाड़ियों ने टी20 को सबसे महत्वपूर्ण प्रारूप के रूप में चुना।

रोहित और कोहली का यह था अंतिम टी20 विश्व कप!

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट का कोई भी प्रशंसक शनिवार को बारबडोस में टी20 विश्व कप फाइनल के बाद कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली को आंखों की आंसुओं को छुपाते हुए नहीं देखना चाहेगा जैसा की सात महीने और 10 दिन पहले एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल के बाद हुआ था। प्रशंसक निश्चित रूप से चाहेंगे की दोनों महान खिलाड़ियों को खेल के सबसे छोटे प्रारूप में यादगार विदाई मिले। इस बात की काफी संभावना है कि दोनों के लिए भारतीय टीम की जर्सी में यह आखिरी टी20 मैच हो। भारतीय क्रिकेट की समझ रखने वाले लोग मानते है कि बीसीसीआई के अधिकारी और राष्ट्रीय चयनकर्ता रोहित और कोहली और रविंद्र जडेजा की तिकड़ी इस प्रारूप में और मौके नहीं देगी। 2026 में जब भारत टी20 विश्व कप की मेजबानी करेगा तब 39 साल की उम्र में रोहित, 38 साल की उम्र में कोहली और यहां तक कि जडेजा के इस प्रारूप के मुताबिक फिट रहने की संभावना काफी कम है।

खबर संक्षेप

विंबलडनः नागल का सामना मियोमिर से

लंदन। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन में मुश्किल ड्रॉ मिला है। नागल पहली बार इस टूर्नामेंट के पुरुष सिंगल्स वर्ग के मुख्य ड्रॉ में खेल रहे हैं। नागल का पहले दौर में सामना सर्बिया के मियोमिर केसमानोविच से होगा। दुनिया के 72वें नंबर के खिलाड़ी नागल की राह कठिन होगी क्योंकि दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी इटली के जानिक सिनर भी इसी ड्रॉ में हैं और तीसरे दौर में उनसे टक्कर हो सकती है। नागल के लिए पहले दौर की बाधा पार करना भी आसान नहीं होगा क्योंकि उनका सामना रैंकिंग में अपने से 20 पायदान ऊंचे खिलाड़ी से है। वह नागल को चार साल पहले जर्मनी के कोलोन में हरा चुके हैं।

प्रज्ञानानंदा ने तीसरे दौर में डी गुकेश से ड्रा खेला

बुकारेस्ट। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा तीसरे दौर में हमवतन डी गुकेश से ड्रा खेलने के बाद सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट में संयुक्त बढ़त हासिल करने से चूक गए। टूर्नामेंट में तीन दिन में पहली बार 10 खिलाड़ियों के डबल राउंड रोबिन में सभी पांच मैच ड्रा रहे। अभी 350000 डॉलर की पुरस्कार राशि के टूर्नामेंट में छह दौर बाकी हैं। सभी ड्रा से बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ी के स्थान में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुकेश अमेरिका के फैबियानो कारुआना के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर बने हुए हैं। दोनों के दो अंक हैं। कारुआना ने उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तारोव से ड्रा खेला। मैक्सिम वाचियर लाग्रेव ने अलीरेजा फिरौजा से अंक बांटे।

भारत ने बनाए 603 रन, महिला टेस्ट क्रिकेट में यह सबसे बड़ा टीम स्कोर

एजेंसी ⏭ चेन्नई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के दूसरे दिन आस्ट्रेलिया के नौ विकेट पर 575 रन के पिछले प्रदर्शन को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ा टीम स्कोर खड़ा किया। भारतीय टीम ने रिकॉर्ड बनाने के बाद पहली पारी छह विकेट पर 603 रन बनाकर घोषित की।

आस्ट्रेलिया ने इस साल पर्थ में यह स्कोर बनाया था लेकिन ऋचा घोष (86 रन) के एनेरी डर्कसन के 109वें ओवर की शुरुआती गेंद पर चौका लगाते ही भारत ने नया रिकॉर्ड बना दिया। इस उपलब्धि का श्रेय काफी हद तक भारतीय सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (205 रन) और स्मृति मंधाना (149 रन) को जाता है जिन्होंने 292 रन की ऐतिहासिक साझेदारी निभाई जो महिला क्रिकेट में पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी भी है। जेमिमा रोड्रिग्स (55 रना) के साथ कप्तान हरमनप्रीत कौर (69 रन) और ऋचा ने अर्धशतक बनाकर योगदान दिया।

दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 236/4

मारिजेन काप और सुने लुस के अर्धशतकों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को यहां एकमात्र महिला टेस्ट के दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 236 रन बना लिए। काप दिन का खेल खत्म होते समय 125 गेंद में आठ चौकों की मदद से 69 रन बनाकर खेल रही थी। उन्हें लुस का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 164 गेंद की पारी में छह चौकों और एक छक्का की मदद से 65 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका अब भी पहली पारी में भारत से 367 रन पीछे है। भारत के लिए स्नेह राणा ने तीन जबकि दीप्ति शर्मा ने एक विकेट हासिल की।

हॉकी इंडिया ने की कोर संभावित ग्रुप की घोषणा

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने यहां भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में सोमवार से शुरू होने वाले दो महीने लंबे ट्रेनिंग शिविर के लिए 33 सदस्यीय भारतीय महिला संभावित ग्रुप की घोषणा की। लंदन और एंटवर्प में एफआईएच हॉकी प्रो लीग सत्र में अपने सभी मैच हारने के बाद भारतीय टीम संक्षिप्त ब्रेक पर थी। भारतीय टीम पिछले महीने एंटवर्प में बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ सभी चार मैच गंवा बैठी थी। उसे लंदन में जर्मनी (1-3) और ब्रिटेन (2-3) से भी हार का सामना करना पड़ा था।

ब्रिंदा-दीपा 'यूके-इंडिया अवार्ड' से सम्मानित

एजेंसी ⏭ लंदन

भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा और पैरालंपियन दीपा मलिक को विश्व स्तर पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाले भारतीयों के सम्मान के लिए आयोजित एक समारोह में विशेष पुरस्कार से नवाजा गया है। लंदन में गुरुवार शाम को आयोजित 'इंडिया ग्लोबल फोरम' के वार्षिक 'यूके-इंडिया अवाड्र्स 2024' में सकारात्मक सामाजिक बदलाव के लिए अरुणाचलम मुरुगनाथम 'ग्लोबल इंडियन आइकॉन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। उनके साथ-साथ खेल के इन दिग्गजों को सम्मानित किया गया।

मुरुगनाथम के जीवन पर 2018 में अक्षय कुमार की फिल्म 'पैडमैन' रिलीज हो चुकी है। इस मौके पर बिंद्रा ने उम्मीद जताई की भारतीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में अच्छा करेंगे। उन्होंने कहा, 'टोक्यो में हमने सात पदक जीतकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। मुझे उम्मीद है कि पेरिस में हमारा प्रदर्शन उससे बेहतर होगा। उम्मीद है कि हम अपनी पहली महिला ओलंपिक चैंपियन को देखेंगे।' भारत की पहली महिला पैरालंपिक पदक विजेता और भारत की पैरालंपिक समिति की पूर्व अध्यक्ष डॉ. दीपा मलिक ने कहा, 'पैरालंपिक में भारत का पेरिस 2024 में प्रदर्शन टोक्यो से बेहतर होगा। हम अधिक खेल स्पर्धाओं में भाग लेंगे। पिछली बार हमने नौ खेलों में भाग लिया था, इस बार हम 12 खेलों में भाग ले रहे हैं। महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। हमें वहां पदक संख्या बढ़ने की अधिक संभावना दिखती है।'

विनिसियस के दो गोल से ब्राजील ने पराग्वे को रौंदा

एजेंसी ⏭ लास वेगास

कोपा अमेरिका

विनिसियस जूनियर के पहले हाफ में किए गए दो गोल की मदद से ब्राजील ने कोपा अमेरिका कप ग्रुप डी के फुटबॉल मैच में पराग्वे को 4-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की करने का अपना दावा मजबूत किया।

ब्राजील के लिए साविन्हो ने पहले हाफ में गोल भी किया और लुकास पाक्वेटा ने दूसरे हाफ में पेनल्टी किक पर गोल किया। पराग्वे के लिए उमर एल्डेरेटे ने गोल किया। विनिसियस ने मैच के 35वें मिनट में गोल कर टीम का खाता खोला जबकि साबियो ने 43वें मिनट में टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। विनिसियस ने मध्यांतर से ठीक अपने दूसरे गोल के साथ मैच पर ब्राजील का दबदबा बना दिया। पाक्वेटा ने 61वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की।

वर्स्टापेन ने जीती सत्र की तीसरी स्प्रिंट रेस

स्पीलबर्ग। रेड बुल के ड्राइवर मैक्स वर्स्टापेन ने मैकलारेन के दो ड्राइवर लैंडो नौरिस और ओस्कर पियास्ट्री को पछाड़ते हुए शनिवार को यहां आस्ट्रियाई ग्रां प्री में साल की तीसरी स्प्रिंट रेस जीती। वर्स्टापेन मैकलारेन के पियास्ट्री से 4.616 सेकंड बेहतर रहे। इस तरह रेडबुल के इस ड्राइवर ने इस सत्र की तीन स्प्रिंट रेस में तीसरी जीत हासिल की। नौरिस 0.732 सेकंड और पीछे तीसरे स्थान पर रहे। इस जीत से गत चैंपियन वर्स्टापेन ने ओवरआल तालिका में नौरिस पर 71 अंक की बढ़त बना ली।

लंबी उड़ान के बाद पिच 'जेट लेग' से उबर नहीं पाई

अमेरिका में 'ड्रॉप इन' पिचों के कारण कम रन बने : गेल

एजेंसी ⏭ ब्रिजटाउन

वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज और टी20 विश्व कप के दूत क्रिस गेल ने टूर्नामेंट के अमेरिका चरण में कम स्कोर वाले मैचों के लिए पिचों को जिम्मेदार ठहराया जो 'ड्रॉप इन' के बाद पूरी तरह तैयार नहीं हो सकीं।

आईसीसी के मुताबिक न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी स्टेडियम में ड्रॉप-इन पिचों का इस्तेमाल किया गया था। इन पिचों को ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में तैयार कर दिसंबर 2023 में फ्लोरिडा लाया गया था। गेल ने कहा कि लंबी उड़ान के बाद पिच 'जेट लेग' से उबर नहीं पाई थीं। 'जेट लेग' का आमतौर पर मतलब लंबी उड़ान या यात्रा से होने वाली थकान होता है, गेल का मानना था कि न्यूयॉर्क की पिचों को 'ड्राप इन' के बाद तैयार होने का पूरा समय नहीं मिला। फ्लोरिडा से ट्रकों की मदद से इन पिचों को न्यूयॉर्क लाया गया था। ये पिचें टूर्नामेंट के दौरान बल्लेबाजी के लिए कठिन विकेटों में से एक साबित हुई थी। गेल ने शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि यह कम स्कोर वाला विश्व कप रहा है और कभी-कभी विकेट भी धीमा हो जाता है। यह बल्लेबाजों का प्रारूप है... लेकिन इस टूर्नामेंट में समय-समय पर गेंदबाजों को बढ़त मिलती रही है। इस टी20 विश्व कप पर गेंदबाजों का काफी नियंत्रण रहा है। हम बेहतर पिचें देखना पसंद करेंगे। अमेरिका की पिचें 'जेट लेग' की तरह थीं। पिचों को ऑस्ट्रेलिया से लाने के बाद परिस्थितियों से तालमेल बिठाने का समय नहीं मिला। इसलिए हमने कुछ कम स्कोर वाले मैच देखे।'

आईसीसी की सराहना

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ने हालांकि अमेरिका में खेल को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए आईसीसी की सराहना की। उन्होंने कहा, 'आईसीसी ने शानदार काम किया। ट्रॉफी का अमेरिका दौरा और फिर वहां मैचों के आयोजन से खेल को बढ़ावा देना शानदार है। उन्होंने क्रिकेट को उस जगह पहुंचाया जहां फुटबॉल, बास्केटबॉल और बेसबॉल काफी लोकप्रिय है। उन्होंने विपणन के दृष्टिकोण से बहुत अच्छा काम किया है।'

कार्यालय कार्यपालन यंत्री ,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मण्डला (म.प्र.)
दूरभाष-07642-252443 ई-मेल -eephedmal@mp.nic.in फेक्स-07642-253622

निविदा क्र. 03 से 07/2024-25/नि. शाखा/लो.स्वा.यॉ./2024 — मण्डला, दिनॉक 24.06.2024

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नानुसार कार्य हेतु ऑनलाईन वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर निविदा आमंत्रित किये जाते है। ऑन लाईन निविदा प्रस्तुत किये जाने की अंतिम तिथि 05/07/2024 सायं 17.30 बजे तथा निविदा खुलने का दिनांक 08/07/2024 सायं 12.00 बजे के पश्चात है । निविदा से सम्बंधित कोई भी संशोधन ई-टेण्डरिंग पोर्टल पर प्रदर्शित है। विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है।

Name of Work:- Taking Out Fallen Handpump Pipe Line Submersible Motor Pump Assemblies From Tubewells Of In Different Villages Of All Sub Division District Mandla.

क्र.	निविदा कमांक	ई- टेण्डर आई.डी. नं.	उपखण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	धरोहर राशि (रुपए में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समय अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	03/2024-25	2024_PHED_353092_1	मण्डला	16.91	33820	2000.00	03 माह वषार्काल छोड़कर
2	04/2024-25	2024_PHED_353093_1	नैनपुर	16.91	33820	2000.00	
3	05/2024-25	2024_PHED_353094_1	मवई	16.91	33820	2000.00	
4	06/2024-25	2024_PHED_353095_1	नारायणगंज	16.91	33820	2000.00	
5	07/2024-25	2024_PHED_353096_1	निवास	16.91	33820	2000.00	

नोट :- निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर केश कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से ऑनलाईन भुगतान पर क्रय किया जा सकता है ।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,मण्डला (म.प्र.)

G-12598/24

पुलिस ने कहा आरोप सही नहीं

बच्चे डूबे या मारकर तालाब में फेंका गया?

जबलपुर। तिलवारा थाना अतंर्गत देवरी गांव में एक सनसनी खेज मामला सामने आया है हालांकि पुलिस इसका खंडन कर रही है। आरोप है कि दो मासूम बच्चों ने चाकूबाजी की घटना को देखा था इसके बाद उन्हें गवाह के तौर पर देखा जा रहा था जिन्हें मारकर तालाब में फेंक दिया गया, जबकि पुलिस का कहना है कि दोनों बच्चें तालाब में भैस चराने के लिए गए थे जहां नहाते समय गहरे पानी में डूबने से उनकी मौत हो गई। बच्चों के परिजनों द्वारा पुरानी रंजिश को लेकर इस घटना को नया मोड़ देने की कोशिश की जा रही है। जिसके अनुसार पिछले दिनों देवरी गांव निवासी मजदूर टावल सिंह गुटखा लेने जा रहा था तभी गांव के ही नीरज राय और आकाश पटेल ने पुरानी रंजिश पर उससे गालीगलौज की और उसकी पीठ पर चाकू से वार किया। इस घटना को 11 वर्षीय प्रतीक सिंह ठाकुर और 10 वर्षीय आसमान भूमिया ने देख लिया था। टावल सिंह की पत्नी पुष्पा बाई ने आरोप लगाया कि दोनों आरोपी नीरज राय और आकाश पटेल ने पहले उसके पति पर हमला किया फिर बच्चों को मारकर तालाब में फेंक दिया। तीनों को रात में ही मेडीकल अस्पताल ले गए थे जहां डॉक्टरों ने बच्चों को मृत घोषित कर दिया, टावल सिंह का इलाज चल रहा है। पुष्पा का कहना है कि प्रतीक उनके रिश्तेदार का बेटा था।

पत्नी के आरोप सही नहीं : एसआई

तिलवारा थाने के एसआई अभिषेक कुमार ने इस संबंध में कहा कि टावल सिंह और उसकी पत्नी के आरोप सही नहीं हैं। पुलिस की प्रारंभिक विवेचना में यह बात सामने आई है कि प्रतीक और आसमान भैंस चराने के लिए गांव से लगे तालाब में गए थे। नहाते समय गहरे पानी में डूब गए, जिससे दोनों की मौत हो गई। चूंकि टावल सिंह की नीरज और आकाश से पुरानी रंजिश चल रही है इसलिए वह और उसकी पत्नी घटना को बच्चों की मौत से जोड़कर देख रहे है।

अगले 24 घंटों में भारी वर्षा के आसार

बूंदाबांदी के बीच उमस भरी गर्मी

जबलपुर। मानसून अभी फुल फार्म में नहीं आ पाया है। छुट पुट वर्षा अभी जरूर हो रही है लेकिन इस बारिश से लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल रही है। उमस भरी गर्मी अभी भी बरकरार है। शनिवार की दोपहर बूंदाबांदी हुई। दिन भर बादल छाए रहे। शाम को फिर एक बार बारिश के हालात बने लेकिन जोरदार बारिश नहीं हो पाई। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून का नया सिस्टम बंगाल की खाड़ी में बन रहा है। अगले 24 घण्टों के दौरान भारी बारिश की संभावना बनेगी।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि मानसून का नया सिस्टम बंगाल की खाड़ी में बन रहा है जो अगले 24 घण्टों के बाद म.प्र. में सक्रिय हो सकता है। जिससे बारिश की स्थितियां अनुकूल होंगी। पिछले 24 घंटां के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 32.07 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम रिकार्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 25.08 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातकाल 83 प्रतिशत और सायंकाल 86 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.28 बजे हुआ,सूर्यास्त शाम 7.00 बजे हुआ। बंगाल की खाड़ी में हवा के कम दबाव वाला क्षेत्र बनने से अगले 24 घंटों में मानसून सक्रिय हो सकता है। फिलहाल स्थानीय बादल अगले 24 घंटों के दौरान कहीं कहीं पानी की बौछारें कर सकते हैं। शनिवार को दिन भर बादल छाये रहे। शाम को हल्की बूंदाबांदी हुई। दक्षिणी पश्चिमी हवायें 6 से 8 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं। पिछले पिछले 24 घंटों के दौरान वर्षा 02.08 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 92.2 मिमी (4 इंच) दर्ज की जा चुकी है। गत वर्ष आज के दिन 30.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई थी जबकि कुल वर्षा 231.7 मिलीमीटर हो चुकी थी।

बच्चों की सेहत सुधारने के साथ नर्सरी से केजी-2 तक की होगी पढ़ाई

प्ले स्कूल की तरह बनेंगे आंगनवाड़ी केंद्र

जबलपुर। मध्य प्रदेश में आंगनवाडि़यों को निजी प्ले स्कूल की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। 1200 करोड़ से आगनबाड़ी निजी प्ले स्कूलों जैसी बनेंगी। इसके अंतर्गत 11 हजार आंगनबाडि़यों को शामिल किया गया है। आंगनबाडि़यों का निर्माण और रेनोवेशन किया जाएगा। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की सेहत सुधारने के साथ नर्सरी,केजी-1,केजी-2 की पढ़ाई भी होगी।साथ ही आकर्षक यूनिफार्म देने पर भी विचार किया जा रहा है। इस कड़ी में किराए के मकान में चलने वाली 11 हजार आंगनबाडि़यों को पहले रेनोवेशन किया जाएगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि आंगनवाड़ी केंद्रों में पहले से ही बच्चों से जुड़ी जरूरी सुविधाएं मौजूद हैं। विभाग आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों के मानसिक व शारीरिक विकास के लिए इंडोर व आउटडोर गेम्स की भी व्यवस्था कर रहा है। केंद्रों को निजी प्ले स्कूल की तरह सजाया जाएगा। बच्चों को आकर्षित करने वाली रंगीन दीवारें होंगी। इन पर ज्ञानवर्धक पेंटिंग होगी।

नए साल से जबलपुर में दौड़ेंगी 100 ई-बसें

परिवहन और पर्यावरण दोनों होंगे बेहतर

जबलपुर। नए साल से जबलपुर सहित प्रदेश के 6 शहरों में इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेगी। पीएम ई-बस योजना के तहत जबलपुर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और सागर में 552 ई-बस बसों के संचालन किया जाएगा। ई बस के संचालन का उद्देश्य शहरों में वायु प्रदूषण को 20 प्रतिशत तक कम करना है। योजना में केंद्र सरकार 60 प्रतिशत और प्रदेश सरकार का 40 प्रतिशत राशि का हिस्सा है। बसों के संचालन से पहले दो - दो डिपो, चार्जिंग स्टेशन और मेंटेंस की व्यवस्था भी करनी होगी। बता दें कि सिटी बस सेवाओं के बुनियादी ढांचे के विस्तार और ग्रीन हाउस गैसों के वातावरण को कम करने के लिए प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना को प्रदेश में संचालन करने का फैसला लिया है। इससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेगी। इन ई-बस के संचालन से ध्वनिप्रदूषण और वायु प्रदूषण में कमी होगी।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने साल 2024-25 के लिए प्रवेश

9वीं कक्षा में 13 साल से कम उम्र के छात्रों को नहीं मिलेगा प्रवेश

जबलपुर। मध्य प्रदेश के निजी और सरकारी स्कूलों में नौवीं कक्षा में 13 साल से कम उम्र के विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं मिलेगा। उम्र और कक्षा में प्रवेश को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। एमपी बोर्ड के सभी स्कूलों में नई व्यवस्था लागू की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने साल 2024-25 के लिए 9वीं से 12वीं तक के लिए प्रवेश नीति जारी की है। नर्सरी कक्षा में 3 साल से साढ़े चार साल उम्र के बच्चों को प्रवेश मिलेगा। नामांकन की परेशानियों को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने यह बड़ा फैसला लिया है।

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. **As per the cumulative dispatch number till March 2023. #Highest sales for any 2 Wheeler Corporate Entity in the world for Calendar Year 2022 - Data source: DNA Consult & Advisory's report Assessment of Global Two Wheelers Market (CY22). ^Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. *Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only. ~On successful redemption of Hero GoodLife Sales Voucher. Offer valid for eligible Hero GoodLife Members only. For more details, please visit your nearest authorised Hero outlet. ^^Terms and Conditions apply. ~Starting price of HF kick-start in Bhopal.

अधिकृत डीलर: जबलपुर: सुपर हीरो (साउथ सिविल लाईन्स) 9289922350, सुदर्शन हीरो (नेपियर टॉउन 9289922353, मदन महल 9111100352, दमोह नाका 9111100344), बालाघाट: जायसवाल हीरो 9289922572, छतरपुर: आनंद हीरो (झाँसी रोड 9289922374, पन्ना रोड 7389238472), छिन्दवाड़ा: सत्कार हीरो 9289922805, मण्डला: शुभा हीरो 9289922600, नरसिंहपुर: रचना हीरो 9289922377, रीवा: वद्रिका हीरो (टी.पी. नगर 9289922368, इलाहाबाद रोड 9826135163), सतना: स्टार हीरो 9289922356, बद्रिका हीरो 9289923108, शहडोल: विभोर हीरो 9289923109, गुप्ता हीरो 9289922370, कटनी: हर्ष हीरो 9289923166, बैढ़न: कुन्दन हीरो 9289922743, सीधी: राजेन्द्र मोटर्स 9289923113, टीकमगढ़: आनंद हीरो 9289923112, सिवनी: सुदर्शन हीरो 9821745435, चौरई: श्रीजी ऑटोमोबाईल्स 7428390264, अधिकृत ए.एस.सी: रीवा: आकाश मोटर्स 9893918358, अमरवाड़ा: अर्पित ऑटोमोबाईल्स 7428595943, ब्यौहारी: श्री राम ऑटोमोबाईल्स 9424683246, बुढ़ार: श्री ऑटोमोबाईल्स 9425181937, डिंडोरी: अवधिया ऑटो 8959777333, नैनपुर: स्वास्तिक मोटर्स 9893746172, गाडरवाड़ा: शेखर व्हीकल्स 9425467409, जुन्नारदेव: लक्ष्मी नारायण मोटर्स 8109164000, कोतमा: सिटी ऑटोमोबाईल्स 7987519546, मैहर: वैशाली ऑटोमोबाईल्स 9424741022, मउगंज: सेंगर मोटर्स 9425185568, चौरई: श्रीजी ऑटोमोबाईल्स 7428390264, लांझी: श्रीखण्ड ऑटोमोबाईल्स 7428390262, पांढुरना: जय भवानी ऑटोमोबाईल्स 7428390263, परासिया: श्री महावीर ऑटोमोबाईल्स 7354460008, रामपुर बघेलान: साँई ऑटोमोबाईल्स 9993224296, रांझी: गुरुकृपा ऑटो 9424728007, सिहोरा: बाईक प्वांट 9826802730, उमरिया: गुप्ता ऑटो एजेन्सी 9285505630, बारासिवनी: रुसिया मोटर्स 9425822392, जतारा: शारदा माँ ऑटोमोबाईल 9111231539, टीकमगढ़: एस.एस. इन्टरप्राइजेज 7000242371, पृथ्वीपुर: महावीर एजेंसीज 7000375943, मुलताई: शारदा श्री मोटर्स 9522870001, चितरंगी: ओम मोटर्स 9685416118, बरगवां: बजरंग मोटर्स 9926183734, बहरी: श्याम एजेंसी 9981238133, बहरी: अजित ऑटोमोबाइल्स 7566217410, 9131739086, नागोद: चौरसिया ऑटोमोबाइल्स 9926365074, देवसर: श्री राम मोटर्स 9425086868 अमरपाटन: रिशु ऑटोमोबाइल्स 9893829195, स्लीमनाबाद: अनिल मोटर्स 9425466101, धनोरा: भवानी व्हीकल्स 9424950703, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) छिन्दवाड़ा: सत्कार हीरो 9289922805, नरसिंहपुर: रचना हीरो 8815396340, दमोह: इंडिया ऑटो सेंटर 8839230079

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

पूरी प्रक्रिया तीन माह के भीतर पूरी करें

रिकवरी की गई है तो तीन माह में छह प्रतिशत ब्याज सहित लौटाएं

जबलपुर। हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायदृष्टांत की रोशनी में साफ किया कि गलत वेतन पुनर्निर्धारण से जुड़े प्रकरणों में वर्षों पहले दी गई अंडरटेकिंग के आधार पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों से रिकवरी नहीं की जा सकती। हाई कोर्ट ने कहा कि सेवानिवृत्त यदि कर्मचारियों से रिकवरी कर ली गई है तो उन्हें छह प्रतिशत ब्याज के साथ राशि लौटाएं। यह पूरी प्रक्रिया तीन माह के भीतर पूरी करनी होगी। हाई कोर्ट ने कहा कि चूंकि कर्मचारी सेवानिवृत्त हैं अतः सरकार फ्रेश पीपीओ जारी कर उनकी पेंशन रिवाइज करें।

राशि जमा करने की शर्त पर निलंबित की सजा

जबलपुर। हाई कोर्ट ने भ्रष्टाचार के आरोपी सिंचाई विभाग के सहायक यंत्री राजकुमार पांडे की सजा सशर्त निलंबित कर दी है। लोकायुक्त की विशेष अदालत ने आय से अधिक संपत्ति के प्रकरण में चार वर्ष के कारावास और 60 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। जिसके विरुद्ध हाई कोर्ट में अपील पेश की गई थी। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने जुर्माने की 20 प्रतिशत राशि जमा करने की शर्त पर सजा निलंबित करते हुए अपीलार्थी को रिहा करने की राहतकारी व्यवस्था दे दी।

हत्या के प्रयास के आरोपित को जमानत नहीं

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश अरुण कुमार सिंह की अदालत ने हत्या के प्रयास के आरोपित नई बस्ती, गोहलपुर, जबलपुर निवासी रंजीत पटेल उर्फ गांधी की जमानत अर्जी निरस्त कर दी। अभियोजन की ओर से अतिरिक्त लोक अभियोजक कुक्कू दत्त ने जमानत अर्जी का विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि गोहलपुर पुलिस ने आवेदक के विरुद्ध हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया है। उसने 16 मई, 2024 को सायं सवा आठ बजे डाक्टर पांडे क्लीनिक के सामने मनोहर पांडे से विवाद शुरू कर दिया। पहले गाली-गलौच की। इसके बाद चाकू निकाल लिया। जमीन पर पटक कर घुटने व जांघ पर वार कर दिए। इससे मनोहर लहुलुहान हो गया। आरोपित ने उसकी गर्दन तक दबाने की कोशिश की। मनोहर को किसी तरह बचाकर गंभीरावस्था में इलाज के लिए ले जाया गया। गोहलपुर पुलिस ने प्रकरण कायम कर दिया। अदालत ने तर्क सुनने के बाद जमानत अर्जी निरस्त कर दी।

मुख्यमंत्री का डुमना विमानतल पर आत्मीय स्वागत

जबलपुर। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का शनिवार की सुबह बालाघाट प्रवास पर जाते समय डुमना विमानतल पर अल्प प्रवास हुआ। इस दौरान भाजपा नेताओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया। डुमना विमानतल पर सांसद आशीष दुबे, भाजपा नगर अध्यक्ष प्रभात साहू, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, अभिलाष पांडेय, नीरज सिंह, संतोष बड़कडे, पूर्व मंत्री हरेन्द्र जीत सिंह बब्बू, डॉ. शुभम अवस्थी आदि ने किया। जबलपुर से मुख्यमंत्री बालाघाट में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने रवाना हुए।

सांसद ने किया डुमना विमानतल का निरीक्षण

जबलपुर। जबलपुर सांसद आशीष दुबे ने डुमना विमानतल का निरीक्षण किया एवं विगत दिनों विमानतल में टॉप रूफ गिर जाने की घटना का जायजा लिया, एयरपोर्ट अधिकारियों से घटना के संबंध में जानकारी लेकर उच्चस्तरीय जांच कराने की बात कही। उन्होंने एयरपोर्ट के अधिकारियों से कहा कि सुरक्षा के सभी मानकों पर विशेष ध्यान दिया जाए। घटना की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकी भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो। सांसद ने अधिकारियों से कहा कि उनकी केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु से भी मुलाकात हुई। उन्होंने घटना पर चिंता जताते हुये भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को सभी छोटे और बड़े हवाई अड्डों को एक निर्देश जारी किये हैं। साथ ही कहा है कि सभी हवाई अड्डों की इमारतों व अन्य निर्माणों का व्यापक निरीक्षण किया जाए, जिसके तहत जल्द ही डुमना एयरपोर्ट का निरीक्षण करने भी टीम आएगी। इस अवसर पर भाजपा अध्यक्ष प्रभात साहू, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडेय,संतोष बड़कडे,हरेन्द्र जीत सिंह बब्बू,आशीष पटेल,ईशान नायक,डॉ.शुभम अवस्थी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने सीखे गुण, मॉडल स्कूल में हुआ आयोजन

आपदा से निपटने के लिए एनडीआरएफ की टीम ने दिया प्रशिक्षण

जबलपुर। जिलाधिकारी दीपक सक्सेना के निर्देशन में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल एनडीआरएफ वाराणसी की 11 जी टीम ने शासकीय मॉडल लज्जा शंकर झा हायर सेकेंडरी स्कूल में आपदा प्रबंधन के गुण सिखाए। यह आयोजन जबलपुर में प्रधानाचार्य मुकेश तिवारी एवं उप प्रधानाचार्य डॉ गिरीश मैराल की अध्यक्षता में स्कूल सेफ्टी प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के सभी छात्रों एवं अध्यापकों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

एनडीआरएफ वाराणसी के उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा के कुशल नेतृत्व में जनपद में वाराणसी से आयी हुई एनडीआरएफ की 11जी टीम द्वारा जिले भर में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से आपदा प्रबंधन एवं जन.जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को एक स्कूल सेफ्टी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान एनडीआरएफ टीम ने कॉलेज के विद्यार्थियो एवं अध्यापकों को आपदा प्रबंधन तथा आपदा से बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया।

इन आपदाओं से निपटने की दी गई जानकारी

प्रोग्राम में टीम ने आपदाओं से बचाने तथा उससे होने वाली हानियों को कैसे कम किया जाए, इस पर विस्तार से बताया उसके बाद सर्पदंश से बचाव, बाढ़ से बचाव, भूकंप से त्वरित बचाव, आगजनी से बचाव, अग्निशामक यंत्र को चलाना, घायलों का प्राथमिक उपचार करना, घायल की ब्लीडिंग को रोकना, चोटों को स्थिर करना, घायल व्यक्ति को बाहर निकालने के तरीके, स्ट्रेचर बनाना एवं बेहोश व्यक्ति को सीपीआर देने के बारे में बखूबी डेमो देकर बताया। इस कार्यक्रम से विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ साथ कॉलेज के अध्यापकगण भी लाभान्वित हुए। इस प्रोग्राम के दौरान एन डी आर एफ से टीम कमांडर निरीक्षक चमन किशोर गुप्ता के साथ 07 सदस्यीय टीम, स्कूल स्टॉफ तथा सिविल डिफेंस से सुनील गर्ग भी उपस्थित रहे।

एसटीपी प्लांट का काम पूरा

अब नर्मदा में नहीं मिलेगा एक बूंद भी गंदा पानी: महापौर

जबलपुर। नगर निगम जबलपुर द्वारा खारी घाट में बनाए गये एसटीपी प्लांट का काम पूरा हो गया है। जिसके बाद दावा किया जा रहा है कि अब नालें का गंदा पानी पूरी तरह निर्मल हो गया हैं नर्मदा में एक बूंद भी गंदा पानी प्रवेश नहीं करेगा, जिससे मां नर्मदा की पवित्रता बनी रहेगी। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा उन्होंने चुनाव के दौरान यह वादा किया था कि मां नर्मदा में एक बूंद भी गंदा पानी नहीं मिलने दिया जाएगा। नगर निगम ने अपने इस वादे को पूरा किया है। आज हम यह बात प्रमाण और पूरे यकीन से कह सकते हैं कि नर्मदा में अब गंदा पानी नहीं मिल रहा। महापौर ने बताया नर्मदा के खारी घाट में 17 करोड़ की लागत से बना एसटीपी प्लांट शुरु हो गया है। इस अत्याधुनिक प्लांट में नाले का पानी कई लेयर से गुजरेगा जब दूसरे तरफ से पानी नर्मदा में मिलने के लिये निकलेगा तो वो इतना साफ और स्वच्छता होगा कि उसे पिया जा सके। महापौर ने बताया कि इस प्लांट में पहले पानी का सफाई होगी, फिर डिस्इंफेक्शन होगा फिर अंत में क्लोरीनेशन किया जाएगा। एसटीपी प्लांट से गुजरने के बाद पानी इतना साफ हो चुका होगा कि इसे सीधे तौर पर पिया जा सके। महापौर ने एक में प्लांट में आने वाले जल का सेम्पल दिखाया। दूसरी बाटल में प्लांट से निकलने वाले पानी को दिखाया। दूसरी बाटल के पानी को महापौर ने वहीं पीकर भी बताया।

विशेष पैकेज देने विभिन्न संगठनों की मुख्यमंत्री से गुहार

200 करोड़ के घाटे में डूबा कृषि विवि

जबलपुर। राज्य सरकार भले ही सामान्य यूनिवर्सिटीज में कृषि पाठ्यक्रम शुरु करें, लेकिन कृषि विवि को कमजोर नहीं करें, क्योंकि इससे किसानों का भारी नुकसान होगा। वर्तमान में यह विश्वविद्यालय आर्थिक रुप से जूझ रहा है। वह लगभग 200 करोड़ के घाटे में है, अतः उसे उभारने के लिए विशेष आर्थिक पैकेज देने का प्रावधान बजट में कर आगामी विधानसभा सत्र में उसे मंजूरी दे। इसके साथ ही पूर्व की 112 करोड़ की ग्रांट फिर से देना शुरु हो क्योंकि इसे घटाकर 92 करोड़ कर दी गई है।

नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच, भारती वरिष्ठ नागरिक एसोसिएशन, जवाहर नेहरु कृषि विवि पेंशनर एसोसिएशन, सेवानिवृत्त डिप्लोमा, इंजी. संघ, सीनियर सिटीजन वेलफेयर संघ, पेंशनर समाज, किसान संघ तथा महिला समिति ने शनिवार को घंटाघर के पास एकत्रित होकर प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर डॉ.पीजी नाजपांडे, रजत भार्गव, एड.वेदप्रकाश अधौलिया, डीके रायघटक, डीके सिंह, उमेश दुबे, जीपी विश्वकर्मा, संतोष श्रीवास्तव, डॉ.व्हीके गौर, डॉ.एसएम मूर्ति, सुशीला कनौजिया, उमा दाहिया, राजेश गिरदौनिया, जवाहर जायसवाल, शंकर सिंह ठाकुर, पीएस राजपूत, डीआर लखेरा, सतीश राय, एसके खरे आदि सहित भारी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात का प्रसारण आज

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का प्रसारण आज 30 जून को 11 बजे होगा। जबलपुर के सभी 956 बूथो पर इसका प्रसारण किया जाएगा। सांसद आशीष दुबे, चंद्रशेखर आजाद मंडल के राजीव गांधी वार्ड के बूथ क्रमांक 28 में प्रधानमंत्री के मन की बात सुनेंगे। इसके बाद वें अपने कार्यकाल का प्रथम सामाजिक कार्यक्रम "एक पौधा मां के नाम" रामेश्वरम कॉलोनी पार्प में सुबह 11.30 बजे पौधा रोपण करेंगे। वहीं भाजपा नगर अध्यक्ष शहर के व्यापारियों के साथ भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में मन की बात सुनेंगे। इसके सांसद आशीष दुबे के द्वारा जेडीए पार्प शांति नगर में उपस्थित होकर सुबह 10.30 बजे पौधारोपण किया जायेगा।

पुरानी रंजिश पर रास्ते मे रोककर मारपीट

जबलपुर। अधारताल थाना अतंर्गत सरस्वती स्कूल के पास पुरानी रंजिश पर तीन बदमाशों ने एक युवक को रास्ते में रोका और गालीगलौज कर चाकू से हमला कर जान से मारने की धमकी दी और उसकी बाईक की टंकी क्षतिग्रस्त कर दी। अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सीओडी कालोनी निवासी 17 वर्षीय अर्पित उर्फ आदित्य गौतम गत दिवस बाईक से चक्की जा रहा था, जैसे ही सरस्वती स्कूल के पास पहुंचा, उसी समय वीशू दुबे, अमर उपाध्याय और सक्षम दुबे ने उसे रोका और पुरानी रंजिश पर गालीगलौज कर चाकू से उसके जांघ, सिर और हाथ में चोटें पहुंचा दी और उसकी बाईक की टंकी को क्षतिग्रस्त कर जान से मारने की धमकी दी।

निजी स्कूलों की मानमानी के खिलाफ काले झंडे लगेंगे

अभिभावक संगठन की प्रदेश व्यापी मुहिम

जबलपुर। संपूर्ण मध्य प्रदेश में 34 हजार के लगभग निजी स्कूल हैं जिसमें 1 करोड़ से अधिक बच्चें पढ़ेत हैं इनकी मनमानियां थमने का नाम नहीं ले रही है। सरकार के निर्देश का पालन अधिकांश जिलों में नहीं किया जा रहा है, जबलपुर, उज्जैन, भोपाल, शहडोल में कुछ निजी स्कूलों पर कार्रवाई की गई है परंतु इन शहरों में अभी भी सैकड़ों स्कूल मनमानी कर रहे है। मनीष शर्मा प्रदेश अध्यक्ष अभिभावक संगठन ने बताया कि रविवार 30 जून को निजी स्कूलों पर ठोस कार्रवाई की मांग को लेकर संपूर्ण मध्यप्रदेश में घरो में काले झंडे विरोध स्वरुप लगाए जायेंगे इस आह्वान में कई जिलों में कार्यरत संस्थाओं तथा आम आदमी पार्टी का सहयोग मिल रहा है। बैठक में मनीष शर्मा, प्रफुल्ल सक्सेना, राकेश चक्रवर्ती, गोपाल परासर, विनोद पांडे, मयंक राज, अंकित गोस्वामी आदि शामिल रहे।

जिला लोक अभियोजन अधिकारी कार्यालय में दी गई विदाई

जबलपुर। जिला लोक अभियोजन अधिकारी कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-वन ब्रह्मनारायण मिश्रा की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन हुआ। इस दौरान उप संचालक अभियोजन विजय कुमार उईके, जिला अभियोजन अधिकारी अजय कुमार जैन ने पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। कृष्णगोपाल तिवारी विशेष लोक अभियोजक, अभिषेक दीक्षित विशेष लोक अभियोजक, मनीषा दुबे विशेष लोक अभियोजक, भारती उइके, बबीता कुल्हारा, स्मिता ठाकुर, अरुणप्रभा भारद्वाज, वर्षा वैद्य, सुखलाल मार्को, संजीव पांडे, भगवत उइके उपस्थित थे। सभी ने शाल-श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट किया। श्रीरामचरित मानस की प्रति का उपहार देकर आगामी जीवन की शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस पार्षद दल की बैठक में बनी रणनीति

कवि सम्मेलन का बहिष्कार, बजट पर घेरने विपक्ष तैयार

जबलपुर। कांग्रेस पार्षद दल अब प्रंट पर सत्ता पक्ष को घेरने की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस पार्षदों के बीच समन्वय हो, मुद्दों को लेकर स्पष्टता तो सभी पार्षद पार्टी लाईन के अनुसार, निर्धारित मुद्दे पर एक आवाज में सत्ता को प्रभावी रूप से जवाबदेह बनाया जा सकें। इसके शनिवार को आयोजित कांग्रेस पार्षद दल की बैठक में चर्चा हुई और बजट सत्र के लिये विशेष रणनीति बनाई गई। इसके साथ 1 जुलाई को नीट और नर्सिंग घोटाले के विरोध में होने आंदोलन के लिये कांग्रेस पार्षद दल ने विशेष रूप रेखा तैयार की। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि नगर निगम द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन पैसो की फिजूल खर्चे के अलावा कुछ नहीं है। बजट के अभाव में जब शहर मे विकास कार्य नहीं हो पा रहे, तब इस तरह के आयोजनों में लाखों रुपए खर्च

करना फिजूल खर्ची ही मानी जाएगी, लिहाजा कांग्रेस पार्षद दल इसका बाहिष्कार करेगा। बैठक में नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, उप नेता प्रतिपक्ष शगुफ्ता उस्मानी, सचेतक आयोध्या तिवारी सहित सभी कांग्रेस पार्षद उपस्थित रहे।

नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा ने कहा बजट का हवाला देकर काम नहीं किया जा रहा है। सफाई गाड़ियों में डीजल के पैसे नहीं दिये जा रहे हैं। यही हाल स्ट्रीट लाईटों और अन्य का है। इस हाल में कवि सम्मेलन पर लाखों रुपये बहाना जनता के पैसे की होली खेलना है। जिसकी वजह से हम कवि सम्मेलन का बहिष्कार का रहे हैं। सचेतक आयोध्या तिवारी ने कहा यदि स्वच्छता का संदेश देने कवि सम्मेलन हो रहा है, तो इसका संदेश भी आमजनों तक पहुंचना चाहिए था। शहर के 54 चौराहों पर एलईडी लगाकर इसका प्रसारण किया जाने चाहिए था। विभिन्न शहरों से आ रहे कवियों से स्वच्छता का संदेश दिलवाया जाना चाहिए था। हर कवि शुरुआत में स्वच्छता का संदेश देता, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हो रहा है। जिससे स्पष्ट है कि स्वच्छता सर्वेक्षण की आड़ में पैसों की बंदर बांट की तैयारी है। इसलिये कांग्रेस पार्षद दल इसका हिस्सा नहीं बनेगा।

युवाओं के साथ कांग्रेस पार्षद

1 जुलाई को जबलपुर में नीट परीक्षा और नर्सिंग घोटाले को लेकर होने वाले प्रदर्शन में कांग्रेस पार्षद दल की भूमिका सुनिश्चित करने के लिये बैठक में विशेष चर्चा हुआ। कांग्रेस पार्षद को भी इस प्रदर्शन के लिये अलग अलग जिम्मेदारी दी गई। कांग्रेस पार्षदों ने कहा नीट और नर्सिंग घोटाले में देश और प्रदेश के लाखों छात्रों का भविष्य खराब हुआ है। यह एक तरह उम्मीद, अरमानों और युवाओं के भविष्य का कत्ल है। जिसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। युवाओं के भविष्य की हर लड़ाई में कांग्रेस पार्षद अपना पूरी ताकत से सहयोग देंगे।

बजट सत्र पर मंथन

नेता प्रतिपक्ष ने कहा बजट सत्र महज खानापूर्ति बनकर न रह जाए। निगम बजट अधिकारियों की मनमानी का डाक्यूमेंट बनकर न रह जाए। इसमें शहर विकास की बात हो और सही तरह बजट निर्धारित हो, इसकी जिम्मेदारी विपक्ष की है। सभी पार्षदों को बजट को लेकर विपक्ष की तैयारियों से अवगत कराया गया।

शीतला अष्टमी का पर्व मनाया

जबलपुर। शीतलाअष्टमी पर्व शनिवार को मनाया गया। शीतला सप्तमी का पूजन किया गया। भक्तों ने शीतलामाई को मीठे चावल के नैवेद्य अर्पित किए। हिन्दू पंचांग के अनुसार, प्रत्येक वर्ष चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को माता शीतला की पूजा का विधान है। इसे शीतला सप्तमी और बसौड़ा अष्टमी भी कहा जाता है। बसौड़ा शीतला माता को समर्पित लोकप्रिय त्यौहार है। मान्यता के अनुसार इस दिन पूजा के समय माता शीतला को पर मीठे चावलों का भोग लगाया जाता है। ये चावल गुड़ या गन्ने के रस से बनाए जाते हैं। खासतौर पर इस दिन माँ शीतला को बासी पकवानों का भोग लगाया जाता है खुद भी बासा और ठंडा भोजन किया जाता है। इस दिन पूरे विधिविधान के साथ पूजा करने से बीमारियों से मुक्ति मिलती है और घर में सुख शांति बनी रहती है।

सभी 29 सीटें जीतकर मजदूर संघ का किया सफाया

ईसीसी सोसायटी चुनाव में एम्पलाईज यूनियन की एकतरफा जीत

रेलवे कर्मचारियों की बल्कि समूचे एशिया की सबसे बड़ी क्रेडिट सोसायटी दि सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज क्रेडिट सोसायटी के गत दिवस हुए प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव के नतीजें घोषित कर दिये गये हैं।

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन (डबलूसीआरईयू) ने प्रमुख प्रतिद्वंदी संगठन मजदूर संघ सहित अन्य विरोधी दलों का सूपड़ा साफ करते हुए सभी 29 सीटों पर एकतरफा जीत हासिल की। जीत के बाद कर्मचारियों ने जमकर जश्न मनाया और रैली निकालकर कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। यहां बता दें कि गत 26 जून को सोसायटी सदस्यों के 29 पदों के लिए जबलपुर रेल मंडल के स्टेशनों में बनाए गए मतदान केंद्रों में 11 हजार 500 रेल कर्मचारियों ने मतदान किया था। वोटों की गिनती

जबलपुर के उमंग प्रेक्षागृह में की गई। इसके बाद शुक्रवार को नतीजें घोषित किए गए। जिसमें वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाईज यूनियन ने सभी 29 सीटों पर जीत दर्ज की। मजदूर संघ के सभी प्रत्याशी भारी जनपद से चुनाव हारे।

इस मौके पर यूनियन के मंडल अध्यक्ष काम. बीएन शुक्ला व मंडल सचिव काम. रोमेश मिश्रा ने कहा कि यह जो परिणाम आए हैं, वह महामंत्री कामरेड मुकेश गालव के नेतृत्व में यूनियन का एक-एक कार्यकर्ता, पदाधिकारी, जो पूरी ईमानदारी एवं पारदर्शिता ढंग से कर्मचारियों की सेवा करता रहा, उसी से यह जबर्दस्त समर्थन कर्मचारियों का यूनियन के चुनाव चिन्ह लेम्प को हासिल हुआ है।

जबलपुर के ये 12 सदस्य जीते

इस चुनाव में पूरे मंडल में 29 सदस्य मैदान में थे, जिनमें से जबलपुर क्षेत्र मे 12 सीटों पर का. मनीष यादव, का. प्रहलाद सिंह, ओमप्रकाश मिश्रा, का. उमेश सिंह रघुवंशी, का. जरनैल सिंह राठौर, का. ए.कृष्णा राव, का. अजय कुमार बाजपेई, का. दीपक सिंह, का. रूपेन्द्र झारिया, का. दीपक राय, का. जितेन्द्र कुमार, का. आरती यादव ने 634 पैनल वोट के अंतर से भारी जीत दर्ज की।

यूनियन ने निकाली विशाल रैली

प्रचंड जीत की खुशी में शुक्रवार 28 जून को रेल कर्मचारियों ने का। रोमेश मिश्रा के नेतृत्व में विजय जुलूस निकाला। विजय जुलूस यूनियन प्रेम् कार्यालय से शुरू होकर डीआरएम कार्यालय महाप्रबंधक कार्यालय, कोचिंग डिपो, होते हुए स्टेशन पर समाप्त हुआ। इन दौरान यूनियन कार्यकर्ताओं एवं कर्मचारियों मे भारी उत्साह था।

कर्मचारियों का जताया आभार

यूनियन के मंडल अध्यक्ष का। बी।एन। शुक्ला ने इस ऐतिहासिक जीत के लिये मंडल के सभी रेल कर्मचारियों एवं यूनियन कार्यकर्ताओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया। साथ ही यह भी कहा कि यूनियन रेल कर्मचारियों के विश्वास का खरा उतरेगी एवं सोसायटी में और अच्छे कार्य किये जायेंगे।

शिक्षक पुनश्चर्या कार्यक्रम संपन्न

अकादमिक के साथ आध्यात्मिक विकास भी करें शिक्षक

जबलपुर। "आज की व्यस्ततम जिंदगी में एक शिक्षक के लिए यह अति आवश्यक है कि वह अकादमिक विकास के साथ ही आध्यात्मिक विकास भी करे। आध्यात्मिक विकास तभी संभव है जब हम आत्म साक्षात्कार के द्वारा अपनी चेतना को जाग्रत करें।" उक्त विचार प्रो. रामशंकर (कुलपति, पं. एसएन शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल मप्र) ने व्यक्त किए। संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय जबलपुर द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 हेतु शिक्षकों के लिए एक दिवसीय पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के द्वारा कुलपति ने शिक्षकों से संवाद किया, उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा उनके आगामी लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु मार्ग प्रशस्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फा. जे. बेन एंटोन रोस का स्वागत भाषण इस प्रकार था- "एक श्रेष्ठ शिक्षक अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु सदैव तत्पर होता है, आज इस कार्यक्रम में एक श्रेष्ठ गुरु एवं कुशल वक्ता की उपस्थिति हमें शैक्षणिक क्षेत्र की बारीकियों को आत्मसात करने में सहायक बनेगी।" कार्यक्रम के प्रारंभ में समस्त स्टाफ द्वारा एक मालिक तेरे वंदे हम प्रार्थना गीत गाया गया। तत्पश्चात महाविद्यालय की उप प्राचार्य (अकादमिक) डॉ. अंजली डिसूजा द्वारा एक प्रारंभिक प्रार्थना की गई। इसके उपरांत मुख्य अतिथि का स्वागत डॉ. मंदिरा कार एवं डॉ. विश्वास पटेल द्वारा पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह से किया गया।

छात्र-छात्राओं को दी कानून की जानकारी

पाटन। मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार शनिवार को तान्या कान्वेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल पाटन में बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं योजना 2015 अंतर्गत विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । इस शिविर में माननीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री कैलाश शुक्ल, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड दशरथ सिंह भिड़े, प्राचार्य चरण सिंह ठाकुर, प्रधान अध्यापक सुजीत सिंह ठाकुर, विद्यालय के अन्य शिक्षकगण एवं तहसील विधिक सेवा समिति पाटन के कर्मचारीगण उपस्थित रहे। शिविर में श्री शुक्ल द्वारा छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए बच्चों को शिक्षा का अधिकार, मौलिक कर्तव्य और गुड टच-वेड टच के बारे में समझाया गया। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे देश का भविष्य हैं, प्रत्येक बालक को उन्नत जीवन एवं विकास का जन्मजात अधिकार है। उन्हें अपना लक्ष्य निर्धारित करके चलना चाहिए जिससे उन्हें अपने सपनों को पूरा करना का अवसर प्राप्त होगा। पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक रूप से भी जागरूक रहने और अपने आस-पास हो रहे अत्याचार, अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने हेतु प्रेरित किया गया।

शहर की सुख शांति के लिए 40 लोगों का जत्था अमरनाथ के लिए रवाना

जबलपुर। बाबा अमरनाथ यात्रा के लिए सदर से लगभग 40 लोगों का जत्था 29 जून को अपरान्ह 3.00 बजे रवाना हुआ। इस यात्रा की रवानगी से पूर्व रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 6 के पास बैंड बाजा के साथ सभी लोगों का तिलक वंदन कर, माला पहनने के बाद ढोल नगाड़ों के साथ सभी लोगों ने नाच गाना करते हुए, बाबा के जयकारे लगाए, लोगों ने बताया कि हम सालों साल से बाबा अमरनाथ के पास जाते हैं, बाबा सबकी सुनते हैं बाबा के भक्तों का देश के कोने-कोने से आना होता है, बाबा लोगों की मुरादें पूरी करते हैं, इस मौके पर राजकुमार बैण्ड सदर ने मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। बाबा अमरनाथ यात्रा के संचालक आशीष गुप्ता हैं। इस अवसर पर पप्पू इंद्रजीत, अंकित मिश्रा, कातिया सेन, राकेश गुप्ता, सचिन जायसवाल, रिंकू ठाकुर, पंकज बेनी सहित बाबा के अनेक भक्तजन मौजूद रहे।

ईश्वरदास रोहाणी के जन्मदिवस पर लगा विशाल रक्तदान शिविर

जबलपुर। मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष महान राजनेता, हम सभी के आदर्श स्व. ईश्वरदास रोहाणी (दादा) के जन्मदिवस (सेवा दिवस) पर हर साल की तरह इस साल भी केंट विधानसभा में महाकोशल कॉलेज में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन 29 जून को केंट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी द्वारा कराया गया। रक्तदान कार्यक्रम में दी प्राइवेट मेडिकल प्रैक्टिस संगठन के 11 डॉक्टर्स ने रक्त दान किया। पीएमपी प्रदेश महामंत्री डॉ. कमल विश्वास, डॉ. विश्वकर्मा, डॉ. राजेश कुमार मिश्रा, डॉ. आरएन तिवारी, डॉ. मनोज सोनी, श्रीमती मनोज सोनी, डॉ. ललित तिवारी, डॉ. जैन, डॉ. मकसूद चिश्ती. डॉ. एससी रजक, डॉ. विनोद श्रीवास्तव, डॉ. अशोक यादव, डॉ. मकबूल अली, डॉ. एके पटेल, डॉ. आशीष व्यास, डॉ. अनंत वर्मा, डॉ. आरके कुशवाहा, डॉ. बी नामदेव, डॉ. मुकेश पटेल, डॉक्टर ललित तिवारी, डॉक्टर तिलक राज जूर्यनी, डॉक्टर डीके बैरागी उपस्थित थे। प्राइवेट मेडिकल प्रैक्टिशनर एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के डॉक्टरों ने बताया कि हमें रक्तदान हर 3 महीने में जरूर करना चाहिए बिना भूले। रक्तदान के बहुत फायदे हैं इससे रक्त पतला बना रहता है जिससे हृदयाघात होने की संभावना कम रहती है। इसके अलावा बॉडी का ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है और नया रक्त जल्दी बनता है, इसलिए हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए।

मनमोहन चौधरी को सेवानिवृत्ति पर संगठन ने दी बधाई

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि आज शासकीय माध्यमिक शाला नईबस्ती में कार्यरत शिक्षक मनमोहन चौधरी अपनी 42 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के पश्चात सेवानिवृत्त हो गए, उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों ने पहुँच कर मनमोहन चौधरी को पुष्प माला पहनाकर और प्रशस्ति पत्र के साथ ही शाल, श्रीफल देकर उन्हें बधाई दी। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, ज़ियाउर्रहीम, मीनूकांत शर्मा, राकेश श्रीवास, दिनेश गोंड, राजकुमार यादव, रऊफ खान, राजेश सहारिया, फिलिप एंथोनी, राकेश गुप्ता, एनोस विक्टर, देवेंद्र भट, संतोष मिश्रा, दीपेश जैन, गोपीशाह, वसुमुदीन, सुरेन्द्र चौधरी, सुधीर अवधिया आदि उपस्थित थे।

जल्द नहीं हुई कार्रवाई, तो निगम के समस्त संगठन करेंगे हड़ताल

जबलपुर। अजाक्स संघ के अध्यक्ष अमित मेहरा एवं नगर निगम अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अक्षय कोरी ने 27/06/2024 को संभाग क्र. 13 के मुख्य स्वच्छता निरीक्षक वैभव तिवारी के साथ पार्षद अयोध्या तिवारी के द्वारा की गई गाली-गलौच एवं अभद्रता को लेकर महापौर जगत बहादुर सिंह (अन्नू), निगमाध्यक्ष रिंकुज विज (रिंकू), आयुक्त श्रीमति प्रीति यादव, पुलिस अधीक्षक एवं थाना प्रभारी ओमती को ज्ञापन सौंपा। संघ के द्वारा ज्ञापन के माध्यम से महापौर को उक्त प्रकरण के संबंध में बताया गया और उनसे कहा गया कि उक्त प्रकरण पर जल्द से जल्द कोई कार्यवाही नहीं की जाती है तो संघ के द्वारा हड़ताल की जावेगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी निगम प्रशासन की होगी। उक्त प्रकरण पर ज्ञापन सौंपने में उपस्थित अजाक्स संघ के अध्यक्ष अमित मेहरा, नगर निगम अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अक्षय कोरी, गुलशन जबलपुरी, कालूराम सोलंकी, रामाराव मगरदे, कोयरी नायडू, नरसिंहमलू, श्री निवासलू, रामू, जे. प्रवीण, राममूर्ति, दयाराम धुर्वे, प्रहलाद बर्मन, विजय सेन, राहुल कोरी, महेन्द्र मलिक सहित अधिक संख्या में संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

विदाई समारोह में दिया पेंशन, उपादान का आदेश

जबलपुर। लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक एक के अंतर्गत मार्ग उपसंभाग के अनुविभागीय अधिकारी अतुल चौकसे को आज सेवानिवृत्ति विदाई समारोह में ही पेंशन, उपादान के आदेश दिए गए। रिटायर हो रहे अधिकारी को अपने ही स्वयत्तों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। आज मुख्य अभियंता लोक निर्माण जबलपुर परिक्षेत्र के एससी वर्मा, कार्यपालन यंत्री संभाग क्रमांक एक के

शिवेंद्र सिंह ने रिटायरमेंट के दिन ही आदेश देकर सभी कर्मचारियों को यह परंपरा अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम में लेखा अधिकारी प्रमोद गुप्ता, केके चडार, अटल उपाध्याय, राजेंद्र त्रिपाठी, श्रीमति मुक्ता ठोसर, अतुल खरे, रामेंद्र बड़गैया, आरके सोनी, नवीन पचौरी, नितिन सेलेट, अर्जुन सोमवंशी, गुलाब गुप्ता, जितेंद्र वाल्दे, आशीष नामदेव उपस्थित थे।

श्री राकेश कुमार जायसवाल- राजुल सिटी फेस 3 बिलहरी मंडला रोड निवासी श्री राकेश कुमार जायसवाल (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती राजकुमारी माखीजा- गुडविल अपार्टमेंट नेपियर टाउन निवासी श्री गोपीचंद माखीजा की धर्मपत्नी श्रीमती राजकुमारी माखीजा (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री सचिन कुशवाहा- गुप्तेश्वर मंदिर के पास निवासी श्री द्वारका प्रसाद कुशवाहा के पुत्र श्री सचिन कुशवाहा (25) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रतिराम प्रजापति- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री रतिराम प्रजापति (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती नोनी बाई साहू- पटेल नगर सुहागी निवासी श्री केसरी प्रसाद साहू की धर्मपत्नी श्रीमती नोनी बाई साहू (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जगदीश प्रसाद चौधरी- रविदास नगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री जगदीश प्रसाद चौधरी (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री छोटू मसकोले- मांडवा रामपुर निवासी श्री चमरू मसकोले के पुत्र श्री छोटू मसकोले (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री चंद्र प्रकाश चौहान- साइंस कॉलेज के पास सिविल लाइन निवासी श्री चंद्र प्रकाश चौहान (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मुन्ना लाल बर्मन- छापर रामपुर निवासी श्री शोभाराम बर्मन के पुत्र श्री मुन्ना लाल बर्मन (22) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जगदीश विनोदिया- घमापुर चौक के पास निवासी श्री जगदीश विनोदिया (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री गोविंद प्रसाद मार्वे- बिलहरी छोटे हनुमान मंदिर के पास निवासी श्री गोविंद प्रसाद मार्वे (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राकेश बेन- बंबा देवी शीतलामाई निवासी श्री राकेश बेन (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रमेश कुमार वर्मा- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री रमेश कुमार वर्मा (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

ममता विश्वकर्मा- फूटाताल बढ़ई मोहल्ला निवासी ममता विश्वकर्मा (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री शंकर लाल रैकवार- सेठी नगर रामपुर निवासी श्री शंकर लाल रैकवार (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री कुंज बिहारी दुबे- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री कुंज बिहारी दुबे (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री राकेश कुमार पासी- राजीव गांधी नगर सदर केंट निवासी श्री राकेश कुमार पासी (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए

अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइज:-	8x4 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज	10x8 से.मी.	रंगीन	1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

अखिल भारतीय असाटी वैश्य महासभा का प्रतिभा सम्मान आज

सिहोरा। अखिल भारतीय असाटी वैश्य महासभा का प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन आज रविवार को सुबह 8 बजे से अग्रसेन कल्याण मंडपम अहिंसा चौक में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह,सुनील असाटी अध्यक्ष छतरपुर, डाक्टर श्रीमती संगीता राजेश असाटी समाजसेविका इंदौर के मुख्य आतिथ्य एंव विरेन्द्र असाटी बड़ा मलहरा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय असाटी महासभा की अध्यक्षता में आयोजित है। आयोजन के संबध अखिल भारतीय महिला सह सचिव सपना नवल असाटी ने बताया असाटी वैश्य समाज विकास समिति एंव महिला समिति जबलपुर के संयोजन में आज होने वाले सम्मान समारोह की सारी तैयारियां पूर्ण हो चुकी है। इसमें अन्य कार्यक्रमों के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम, कैरियर मोटिवेशन एंव कैरियर गैलरी, तथा 12 वीं एंव 10 वीं बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ अंक हांसिल करने वाले समाज के छात्र छात्राओं के साथ देश की विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं में सफलता हांसिल कर समाज का नाम रोशन करने वाले करीब 180 प्रतिभावान बच्चों का भी सम्मान भी स्मृति चिन्ह भेंटकर अतिथियों द्वारा किया जायेगा।

फैक्ट्री में लगा स्वास्थ्य जांच शिविर

सिहोरा। जियोमिन इंडस्ट्रीज प्रा.लिमिटेड, गोसलपुर ने हाल ही में अपने कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। यह आयोजन कार्यबल के बीच स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को गोसलपुर फैक्ट्री पर हुआ। जियोमिन स्वास्थ्य क्लिनिक के सहयोग से शिविर में कर्मचारियों को रक्तचाप माप,रक्त शर्करा परीक्षण,कोलेस्ट्रॉल स्तर,बीएमआई गणना,बाल्गम परीक्षण और सामान्य चिकित्सा परामर्श सहित कई स्वास्थ्य जांच प्रदान की गईं।

जियोमिन प्रबंधन दिनेश सिंह ने इस व्यापक स्वास्थ्य जांच शिविर मैं कहा हम अपने कर्मचारियों की भलाई को प्राथमिकता देते हैं। यह स्वास्थ्य जांच शिविर स्वस्थ और उत्पादक कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के लिए हमारी चल रही प्रतिबद्धता का हिस्सा है। हम विकासखंड मझौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अनुभवी डॉक्टर एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपाल सिंह ठाकुर,रोहित परिहार,देविशा ठाकुर,नेहा कुर्मी,हर्ष साहू,खुशबू कुमारी का सराहनीय योगदान रहा। विकासखंड मझौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रमुख चिकित्सक डॉ. दीपक गायकवाड ने कहा, इस नेक प्रयास में जियोमिन के साथ साझेदारी करना खुशी की बात थी। संभावित स्वास्थ्य समस्याओं का शीघ्र पता लगाने और रोकथाम के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच महत्वपूर्ण है। अंत में आभार प्रदर्शन एच आर अमित ठाकुर ने किया।

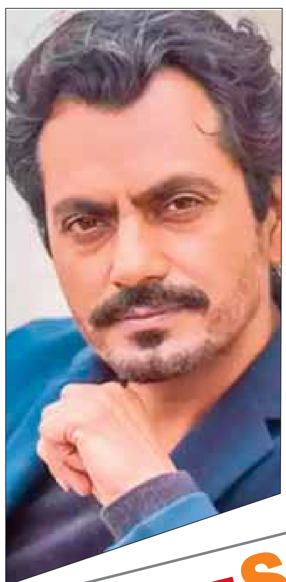

यादगार किरदारों के लिए गंभीरता जरूरी : नवाजुद्दीन

नई दिल्ली। साल 2018 में मशहूर निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म 'पद्मावत' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणवीर सिंह ने अलाउद्दीन खिलजी का ऐतिहासिक किरदार निभाया था। अभिनेता ने बताया था कि इस किरदार को निभाने के लिए डार्क जोन में चले गए थे और अकेले रहने लगे थे, जिस वजह से इस किरदार का उन पर गहरा असर हुआ था। उनके इस बयान को अभिनेता प्रशांत नारायणन ने झूठ और बकवास करार दिया था, जिसपर अब नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने रणवीर का समर्थन करते हुए बिना नाम लिए प्रशांत नारायण के बयान को गैर-जिम्मेदाराना बताया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के किरदार तभी जीवंत होते हैं, जब कोई अभिनेता गंभीरता से इन किरदारों को निभाता है।

लाइफ Style

श्रद्धा
अमिताभ की तारीफों के बांधे पुल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

'कल्कि 2898 एडी' फिल्म हाल में ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। बॉक्स ऑफिस पर हुई फिल्म की कमाई बताती है कि फिल्म दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। इस फिल्म को दर्शकों के अलावा फिल्मी हस्तियों से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

फिल्म में अमिताभ बच्चन के अभिनय और उनके किरदार पर दर्शक काफी प्यार लुटा रहे हैं। इस कड़ी में अब अभिनेत्री श्रद्धा कपूर का नाम भी शामिल हो गया है। हाल में ही उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बहुचर्चित फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' की समीक्षा की है। इस दौरान उन्होंने महानायक अमिताभ बच्चन की काफी तारीफ की है। इस वक्त पूरे देश में 'कल्कि 2898 एडी' को लेकर चर्चा हो रही है। ऐसे में श्रद्धा कपूर भी इस फिल्म को देखे बिना नहीं रह पायीं और फिल्म देखने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की। उन्होंने लिखा,' क्या उत्तर, क्या दक्षिण, क्या पूर्व, क्या पश्चिम। सारा सिनेमा एक तरफ।' अगली स्लाइड में उन्होंने फिल्म से बिग बी की एक तस्वीर साझा करते हुए आग और सैल्यूट इमोजी के साथ लिखा, 'अमिताभ बच्चन एक तरफ।' इसके अलावा पोस्ट के कैप्शन में अभिनेत्री ने अमिताभ बच्चन को टैग करते हुए लिखा,'आप अपने आप में ही एक सिनेमैटिक यूनिवर्स हैं।' उनके पोस्ट से जाहिर है कि फिल्म में अमिताभ बच्चन के अभिनय ने उनका दिल जीत लिया है। श्रद्धा कपूर हिंदी ने अब तक के करियर में वह कई शानदार फिल्मों का हिस्सा रही है।

हॉलीवुड मसाला

इनसाइड आउट-2 का दबदबा कायम

लॉस एंजिलिस। एनिमेटेड फिल्म इनसाइड आउट 2 का बॉक्स ऑफिस पर धमाल जारी है। डिज्नी/ पिक्सर की यह फिल्म दुनियाभर में धमाकेदार कमाई कर रही है। गुरुवार तक इस फिल्म ने वैश्विक स्तर पर 86.31 करोड़ डॉलर का कलेक्शन कर लिया। कमाई के मामले में इसने अपनी मूल फिल्म को भी पीछे छोड़ दिया है। इनसाइड आउट ने 85.9 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था। वहीं, इसके सीक्वल ने रिलीज के सिर्फ 16 दिनों में ही यह कारनामा कर दिखाया है।

यौन उत्पीड़न के आरोप में तीन साल की मिली सजा

लॉस एंजिलिस। फ्रांस के राष्ट्रीय फिल्म बोर्ड के अध्यक्ष डोमिनिक बाउटोनेट को अपने गॉडसन पर यौन उत्पीड़न के आरोप में दोषी पाए जाने के बाद तीन साल की जेल की सजा दी गई है। इसमें वह एक साल हिरासत में रहेंगे। इसके अलावा उन्हें फ्रांस के राष्ट्रीय सिनेमा केंद्र (सीएनसी) के प्रमुख के पद से भी इस्तीफा देना पड़ा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डोमिनिक बाउटोनेट को जेल में समय नहीं बिताना पड़ेगा, लेकिन उम्मीद है कि वह हिरासत के एक साल तक इलेक्ट्रॉनिक ब्रेसलेट के साथ घर में नजरबंद रहेंगे। डोमिनिक बाउटोनेट ने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने अदालत से बाहर निकलते समय अपनी बेगुनाही की पुष्टि की थी। इसके साथ ही कहा था कि वे फैसले और सजा के खिलाफ अपील करेंगे।

दस साल के शुद्ध प्रेम का जश्न

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'औरों में कहां दम था' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म में वह अजय देवगन के साथ नजर आएंगी। ये फिल्म 5 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। अपनी शानदार अदाकारी के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपने पेट डॉग चिन्नू के लिए दिल छू लेने वाला एक नोट लिखा है। '29 जून 2014 को एक गर्म और उमस भरे दिन में चिन्नू घर आया। वह एक छोटे से बिंदु की तरह दिख रहा था, जो बाद में मेरे परिवार और दोस्तों के बीच शामिल हो गया। दस साल के शुद्ध प्रेम का जश्न मनाना, हंसी और आंसू बांटना, बगीचे में टहलना, अपनी भौंकने की आवाज से बड़े-बड़े प्यारे जानवरों को डराना और भी बहुत कुछ। इसके साथ ही उसे सभी से मिल रहे प्यार का जश्न मनाना।

'कल्कि 2898 एडी' की जमकर तारीफ की

मुंबई। फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' को देखकर फिल्मी सितारे अपने प्रतिक्रिया दे रहे हैं। शनिवार को सुपरस्टार रजनीकांत ने भी फिल्म देखने के बाद जमकर तारीफ की है, साथ ही दूसरे पार्ट के प्रति उत्साह जाताया है। अमिताभ बच्चन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और कमल हासन की फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' सिनेमाघरों में लगी हुई है। ओपनिंग डे पर फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली। दर्शकों के साथ-साथ फिल्मी सितारे भी इस फिल्म को देखने के बाद अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हाल ही में अभिनेता रजनीकांत ने इस फिल्म को देखने के बाद तारीफ की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स हैंडल से पोस्ट साझा की है।'फिल्म'कल्कि 2898 एडी' देख ली है। और वाह! क्या शानदार फिल्म है।

टीवी मसाला

चिराग-दीपिका की अनोखी प्रेम कहानी

मुंबई। स्टार प्लस अपने दर्शकों के लिए कई दिलचस्प मजेदार टीवी शोज पेश करता रहता है। ऐसे टीवी शोज जो अपनी कहानी से लोगों के दिलों में खास जगह बना लेते हैं। ऐसे ही मनोरंजक टीवी सीरियल्स के लिए प्रसिद्ध है स्टार प्लस। स्टार प्लस के पास शो की एक अद्भुत श्रृंखला है, जिसका उद्देश्य न केवल मनोरंजन करना है बल्कि सक्त बनाना भी है। इस सूची में कई टीवी सीरियल्स शामिल हैं, जैसे आज के समय में सभी का पसंदीदा टीवी शो 'अनुपमा', 'गुम है किसी के प्यार में', 'ये रिश्ता क्या कहलाता है', 'उड़ने की आशा', 'माटी से बंधी डोर', 'झनक' और 'ये है चाहतें'। ये सभी टीवी सीरियल्स फैमिली ड्रामा, रोमांच और रोमांस से भरे हुए हैं। ये सभी टीवी धारावाहिक दर्शकों को बेहद पसंद हैं। अब इसी कड़ी में एक और टीवी सीरियल जुड़ने जा रहा है। स्टार प्लस अपने दर्शकों के लिए एक और रोमांच और रोमांस से भरा टीवी सीरियल लेकर आ रहा है, जिसका नाम है 'दिल को तुमसे प्यार हुआ'। यह शो पूरी तरह से एक प्रेम कहानी पर आधारित है। इस टीवी शो में अदिति त्रिपाठी (दीपिका की भूमिका) और अक्षित सुखिजा (चिराग की भूमिका) मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

दर्शकों को गुदगुदाने वापस आ रहे हैं जाकिर

नई दिल्ली। कॉमेडियन जाकिर खान आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से काफी लोकप्रियता हासिल करने के साथ-साथ अपने फैंस के दिल में स्थायी तौर पर जगह बना ली है। वह एक लोकप्रिय भारतीय कॉमेडियन, लेखक, कवि के साथ-साथ एक अच्छे अभिनेता भी हैं। वह साल 2012 में कॉमेडी सेंट्रल की एक कॉमेडी प्रतियोगिता जीत कर चर्चा में आए थे। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। जाकिर खान एक बार फिर से दर्शकों के दिल पर राज करने आ रहे हैं। वह जल्द ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले अपने नए शो 'आपका अपना जाकिर' के साथ छा जाने को तैयार हैं। शो में दर्शकों को उनकी हंसी, शायरी और जिंदगी से जुड़े दिलचस्प वाकये और नुस्खे देखने को मिलेंगे।

जूही ने 'विद लव, आप की सैयारा' नाटक के साथ बनाया रिकॉर्ड...

मुंबई। राज बब्बर और नादिरा बब्बर की बेटी व अभिनेत्री जूही बब्बर ने एक उपलब्धि हासिल की है। उनका चर्चित नाटक 'विद लव, आप की सैयारा' ने शतक लगा दिया है। शुक्रवार 28 जून को इस नाटक का 100वां शो दिखाया गया। बेटी की इस उपलब्धि मे पिता राज बब्बर भी शामिल हुए। उनके अलावा जूही बब्बर के हमसफर व अभिनेता अनूप सोनी भी नजर आए। इनके अलावा और भी कई हस्तियां शो देखने पहुंचीं। जूही बब्बर ने 'विद लव, आप की सैयारा' नाटक के 100 शो पूरे होने की खुशी को सौ महिलाओं के साथ सेलिब्रेट किया। इस खास अवसर पर चर्चित अभिनेत्री तापसी पन्नू, नंदिता दास, रसिता जोशी सहित टीवी की चर्चित अभिनेत्री सौम्या टंडन भी शामिल हुईं।

अभी शादी नहीं करेंगे जैस्मिन व अली!

नई दिल्ली। जैस्मिन भसीन और अली गोनी टीवी की सबसे प्यारी जोड़ियों में से एक हैं। वह काफी समय से एक दूसरे के साथ हैं। दोनों से अक्सर उनकी शादी के बारे में सवाल पूछे जाते हैं और तरह-तरह की अटकलें लगाई जाती हैं। अब अभिनेत्री जैस्मिन भसीन ने अपनी शादी को लेकर संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा है कि वे जल्दी शादी के बंधन में नहीं बंध सकते हैं। दरअसल, हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान जब उनसे उनकी शादी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि जब मन करेगा तब वो ऐसा करेंगे। उन्होंने यह भी साझा कि फिलहाल दोनों अपने-अपने काम में व्यस्त हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक साक्षात्कार के दौरान जैस्मिन ने कहा कि शादी को लेकर उन दोनों ने अभी कोई योजना नहीं बनाई है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी बैठकर ये योजना नहीं बनाई की वो इसे कल या परसो कर ले। जब उनका मन करेगा तब शादी कर लेंगी।

'सोहनी महिवाल' के लिए अनुपमा देशपांडे को मिला फिल्मफेयर पुरस्कार

स्क्रैच सुनने के बाद आशा भोसले ने कहा, इसी आवाज में रहेगा फिल्म में ये गाना

मुंबई। हिंदी सिनेमा की शीर्षस्थ गायिकाओं में शुमार आशा भोसले की आत्मकथा के विमोचन पर जिस अंदाज में गायक सोनू निगम ने उनका अभिनंदन किया, वह एक मिसाल है। आशा भोसले को उनकी बाद की पीढ़ी के गायकों का खूब प्यार और सम्मान मिला है और इसे हासिल करने के लिए आशा भोसले ने बरसों तक कड़ी मेहनत भी की है। आशा भोसले को हिंदी सिनेमा में एक बेलौस और बिंदास शख्सियत के तौर पर जाना जाता है, लेकिन क्या आपको पता है कि आशा भोसले की बदौलत ही गायिका अनुपमा देशपांडे का करियर चमका था और उन्हें फिल्म 'सोहनी महिवाल' के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला।

अनु मलिक की बदली तकदीर

फिल्म 'सोहनी महिवाल'का एक सुपरहिट गाना है, सोनी चनाब दे किनारे। आनंद बक्षी ने यूं लगता है कि जैसे अपना दिल उड़ेल दिया हो इस गाने में। अनु मलिक ने भी ये गाना इसकी पूरी पंजाबियत के साथ कंपोज करके अपने पिता सरदार मलिक का नाम रोशन किया। गाने की धुन तैयार होने के बाद आशा भोसले को जब मौका मिला तो वह आईं गाना रिकॉर्ड करने। गाने का मूड समझाने के लिए उन्हें इसका स्क्रैच सुनाया गया, इसे सुनकर ही आशा भोसले को ये गाना डब करना था। आशा ने जैसे ही गाने का मुखड़ा सुना, उन्होंने आंखें मूंद ली। पूरा गाना सुनने तक वह यूं ही बैठी रहीं। अनु मलिक परेशान। कहीं गलती तो नहीं हो गई।

गाना यही रहेगा

लेकिन, स्क्रैच सुनने के बाद आशा भोसले ने जो कहा उसकी मिसाल अभी और कई पीढ़ियों तक दी जाती रहेगी। उन्होंने कहा कि इस स्क्रैच को ही फिल्म के साउंडट्रैक में फाइनल सॉन्ग समझकर शामिल कर लो। इस गायिकी से बेहतर गाना बहुत मुश्किल है। स्क्रैच वाला गाना ही फिल्म में इस्तेमाल हुआ और इसी गाने के लिए उभरती गायिका अनुपमा देशपांडे को मिला उनके करियर का पहला बेस्ट फीमेल सिंगर फिल्मफेयर अवार्ड।

राजेश खन्ना के साथ बननी थी 'सोहनी महिवाल'

और, सिर्फ अनुपमा देशपांडे ही क्यों ये फिल्म तो इसके हीरो, हीरोइन और यहां तक कि इसकी सीनियर हीरोइन तक के लिए किस्मत का ऐसा ही खेल रही। गिनती के लोगों को ही पता होगा कि फिल्म 'सोहनी महिवाल' बननी थी उस समय के सुपरस्टार राजेश खन्ना के साथ। बी आर चोपड़ा उन दिनों पंजाब पहुंचे हुए थे अपनी फिल्म 'कर्म'की शूटिंग करने। वहीं उनको 'सोहनी महिवाल'पर पंजाबी में एक फिल्म बनाने का आइडिया आया। राजेश खन्ना से उन्होंने जिक्र किया तो वह भी चहक उठे। रूमानियत के राजकुमार को ऐसी ही एक कहानी बेसब्री से इंतजार भी था। फिर फोन गया नीतू सिंह के पास तो वह भी झट से तैयार हो गईं। बी.आर. चोपड़ा ने वहीं आनन-फानन अगले दो तीन दिन में फिल्म 'सोहनी महिवाल'बनाने का ऐलान कर दिया।

कुमार गौरव को ऑफर हुई थी फिल्म

फिल्म 'सोहनी महिवाल' भारत और रूस के बीच सिनेमा को लेकर हुए समझौते के तहत बनने वाली दूसरी फिल्म थी। निर्देशक उमेश मेहरा ने इस फिल्म को हिंदी में निर्देशित किया और रूसी भाषा में इसे निर्देशित करने का जिम्मा संभाला था लतीफ फैजीयेव ने। फिल्म में महिवाल का किरदार पहले पहल कुमार गौरव को ऑफर हुआ। कुमार गौरव की 'लव स्टोरी' रिलीज हो चुकी थी और उनके करियर की कमान उन दिनों उनके पिता और जुबली कुमार के नाम से मशहूर रहे राजेंद्र कुमार के हाथों में थी। इंडो रशियन प्रोजेक्ट देख राजेंद्र कुमार ने उमेश मेहरा से खासी मोटी रकम मांग ली। और, कुमार गौरव के हाथ से फिल्म निकल गई। इसके बाद उमेश मेहरा ने राज कपूर के बेटे राजीव कपूर को फिल्म में लेने का मन बनाया लेकिन वह 'राम तेरी गंगा मैली'के लिए अपनी तमाम तारीखें दे चुके थे। फिल्म का जिक्र इसके बाद धर्मेंद्र के सामने हुआ तो उन्होंने महिवाल के किरदार के लिए सनी देओल को लेने के बात कही। सनी देओल को महिवाल का किरदार पसंद आया और उन्होंने हां भी कर दी।

राष्ट्रपति के अभिभाषण के जरिये केंद्र सरकार की नीतियों, योजनाओं, उसके कार्यक्रमों और विजन का सारांश में खुलासा किया जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने अभिभाषण में पीएम मोदी की राजग सरकार की उन परियोजनाओं की प्रशंसा की, जिन्हें देश की जनता बखूबी जानती है, भविष्य के कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की है। ये जनादेश है कि भारत को विकसित बनाने का काम बिना रुके चलता रहे और भारत अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करे। लेकिन भारत में आर्थिक असमानताएं काफी व्यापक हैं। भारत में औसतन प्रति व्यक्ति आय 1.75 लाख रुपये भी नहीं है। आज भी 22-25 करोड़ भारतीय ऐसे हैं, जो हर रोज़ 350 रुपये ही कमा पाते हैं। इसलिए मोदी सरकार की अग्निपरीक्षा यह है कि वह विकास के सभी स्तंभों की बुनियाद मजबूत करे। आज भी अगले चरण के आर्थिक सुधार, विधिक सुधार, शिक्षा सुधार, श्रम सुधार, पुलिस और प्रशासनिक सुधार लंबित पड़े हैं, जिन पर सरकार ध्यान नहीं दे पाई है। अभिभाषण में महंगाई, मणिपुर हिंसा और घुसपैठ, रेल हादसों, कश्मीर में आतंकवाद सरीखे मुद्दों को का जिक्र नहीं है। अभिभाषण का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

अभिभाषण में भविष्य का विजन

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

राष्ट्रपति का अभिभाषण भारत सरकार का ही दस्तावेजी वक्तव्य होता है। भारत सरकार का उपसचिव या उससे वरिष्ठ स्तर का अधिकारी यह अभिभाषण लिखता है। संविधान के अनुच्छेद 87(1) में राष्ट्रपति अभिभाषण का उल्लेख है। उसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति आम चुनाव के बाद संसद के प्रथम सत्र के आरंभ में संसद के दोनों सदनों में अभिभाषण करेंगे। संसद को उनके आह्वान के कारण बताएंगे। हर साल के आरंभ में भी राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करेंगे। संवैधानिक प्रावधान है कि अभिभाषण को लेकर संसद में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। धन्यवाद ज्ञापन के तौर पर प्रधानमंत्री पूरी चर्चा का जवाब देंगे। यह संसदीय और संवैधानिक बाध्यता है।

राष्ट्रपति का अभिभाषण भारत सरकार का ही दस्तावेजी वक्तव्य होता है। भारत सरकार का उपसचिव या उससे वरिष्ठ स्तर का अधिकारी यह अभिभाषण लिखता है और राष्ट्रपति उसे पढ़ते हैं, क्योंकि सरकार राष्ट्रपति के नाम से ही संचालित होती है। यह गणतंत्र की एक परंपरा है कि राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करते हैं। अभिभाषण के मायने स्पष्ट हैं कि राष्ट्रपति केंद्र सरकार की नीतियों, योजनाओं, उसके कार्यक्रमों और विजन का सारांश में खुलासा करते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उसी गरिमामय परंपरा का निर्वाह किया है। उन्होंने मोदी सरकार की उन परियोजनाओं की प्रशंसा की, जिन्हें देश की जनता बखूबी जानती है, लेकिन विपक्ष उनसे सहमत नहीं है या ऐसे अभिभाषण को 'ढोलपिटाई' मानता है। विपक्ष उन्हें लीपापोती भी मानता है अथवा झूठे आंकड़े करार देता है। मसलन-गरीबी से बाहर निकालने वाले लोगों का डाटा सवालिया है। देश की जनता परियोजनाओं से इसलिए भी वाकिफ है, क्योंकि वह ही लाभार्थी है। राष्ट्रपति मुर्मू का फोकस नई सरकार के जरिये देश के आर्थिक समृद्धि और सुधारों पर अधिक रहा है। यकीनन देश की आर्थिक विकास दर 7-8 फीसदी रही है और भारत का औसत विकास विश्व में सर्वाधिक है। भारत जल्द विश्व की सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था होगा, सरकार का यह संकल्प है। यानी जापान और जर्मनी भी भारत से पीछे होंगे। राष्ट्रपति का उल्लेख कोई नया नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष अक्सर ऐसे दावे करता रहा है। आम चुनाव के दौरान ऐसे डाटा की भरमार रही, लेकिन मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के जरिये यह खुलासा कराया है, लिहाजा उसे विश्वसनीय मानना चाहिए।

संवैधानिक प्रावधान

बहरहाल संविधान के अनुच्छेद 87(1) में राष्ट्रपति अभिभाषण का उल्लेख है। उसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति लोकसभा के आम चुनाव के बाद संसद के प्रथम सत्र के आरंभ में समवेत संसद के दोनों सदनों में अभिभाषण करेंगे। संसद को उनके आह्वान के कारण बताएंगे। हर साल के आरंभ में भी राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करेंगे। संवैधानिक प्रावधान है कि राष्ट्रपति अभिभाषण के बिंदुओं पर संसद में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी व अंत में प्रधानमंत्री पूरी चर्चा का जवाब देंगे। यह संसदीय और संवैधानिक बाध्यता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने अभिभाषण में कई मुद्दों का उल्लेख किया है। उनमें नीट, पेपर लीक भी एक है, जिस पर राष्ट्रपति ने शुचिता और पारदर्शिता की अपेक्षा की है। उनकी इच्छा है कि पेपर लीक जैसी हरकतों, ऐसे नेटवर्क, माफिया, संगठनों पर एक कड़ा कानून सख्त और दंडात्मक कार्रवाई हो। इस संदर्भ में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सांसदों को काम करना चाहिए, यह राष्ट्रपति मुर्मू का विनम्र आग्रह रहा, लेकिन नीट पर विपक्ष की ऐसी राजनीतिक जिद सामने आई है कि संसद की कार्यवाही ही ठप हो गई। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, उपनेता प्रमोद तिवारी समेत कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद 'वेल' में आ गए। उपराष्ट्रपति एवं सभापति जगदीप धनखड़ को उसे 'काला दिन' करार देना पड़ा, क्योंकि पहली बार नेता प्रतिपक्ष 'वेल' में आए थे और उनके साथी सांसद नारेबाजी कर रहे थे। लोकसभा में भी कांग्रेसी सांसद स्पीकर के आसन तक आ गए और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने माइक बंद किए जाने का आरोप दोहराया। स्पीकर ने उन्हें समझाया कि राष्ट्रपति अभिभाषण में भी नीट का उल्लेख है। आप अभिभाषण पर बोलें और नीट पर भी अपनी बात कह सकते हैं, लेकिन राहुल गांधी अड़े रहे, क्योंकि उन्हें नीट पर राजनीति हासिल करनी थी। सुर्खियां 'माइक बंद' की बनीं।

यह सवाल भी सुर्खियों में

यह सवाल भी सुर्खियों और बहसों में छाया रहा कि पहले राष्ट्रपति अभिभाषण पर चर्चा की जानी चाहिए थी अथवा नीट, पेपर लीक सरीखे मुद्दे पर चर्चा बहुत जरूरी थी? राष्ट्रपति ने सिर्फ नीट का ही मुद्दा नहीं उठाया, बल्कि मोदी सरकार के आर्थिक विज़न पर भी फोकस रखा। बेशक नीट को लेकर सड़कों पर छात्र, युवा आंदोलित, आक्रामक हैं, लेकिन संसद में सन्नाटा पसरा, क्योंकि दोनों सदनों में हंगामे और जिद के कारण कार्यवाही सोमवार तक स्थगित करनी पड़ी। क्या पीठासीन अध्यक्षों को, संसदीय बाध्यता तोड़ते हुए, नीट पर चर्चा की अनुमति दे देनी चाहिए थी? मैं 1997 से संसद की कार्यवाही कवर करता रहा हूं, लिहाजा संसदीय नियमों, परंपराओं, मर्यादाओं को बखूबी जानता और समझता हूं। नेता प्रतिपक्ष राष्ट्रपति अभिभाषण पर अपने विचार रखते हुए विस्तार से नीट, पेपर लीक, 37 लाख से अधिक युवाओं के अनिश्चित भविष्य, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भ्रष्टाचार और अपंगता पर बोल सकते थे। समय की कोई पाबंदी नहीं थी, लेकिन राजनीतिक अड़ियलपन ने ऐसा अवरोध पैदा किया कि राष्ट्रपति अभिभाषण पर संसद का एक पूरा दिन नष्ट हो गया। संभवतः विपक्षी सांसद भी जानते होंगे कि संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर 2.5 लाख रुपये खर्च होते हैं। एक घंटे का खर्च 1.5 करोड़ रुपये है। लोकसभा के एक दिन संचालन पर 9 करोड़ रुपये और राज्यसभा पर 5.5 करोड़ रुपये खर्च होता है। यह पैसा किसी की जिद का नहीं, बल्कि देश के औसत करदाता का है। यह सत्र 3 जुलाई तक का है। प्रधानमंत्री मोदी 2 जुलाई को लोकसभा और 3 जुलाई को राज्यसभा को संबोधित करेंगे। उसी के साथ अभिभाषण पर धन्यवाद ज्ञापन का प्रस्ताव पारित किया जाएगा। दोनों सदनों के अध्यक्ष सिर्फ नीट व पेपर लीक पर चर्चा के लिए एक पूरा दिन निश्चित कर दें। सत्र को एक दिन के लिए आगे बढ़ा दें। क्या विपक्ष इस पर सहमत होगा?

बजट का प्रारूप भी रखा

बहरहाल राष्ट्रपति मुर्मू ने 18वीं लोकसभा में पेश किए जाने वाले बजट का एक विजन भी रखा कि वह भारत की जनता की आकांक्षाओं और ज़रूरतों के अनुसार होगा। संसद के जुलाई सत्र में जो बजट पेश किया जाएगा, वह वाकई जनवादी होगा। उसमें सरकार की दूरगामी नीतियों और भविष्य के विज़न के साथ-साथ ऐतिहासिक कदम भी उठाए जाएंगे। बेशक राष्ट्रपति भी उन कदमों का खुलासा नहीं कर सकती थीं, क्योंकि बजट की गोपनीयता का तकाजा था। यह गौरतलब रहा कि मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के सौजन्य से यह सिद्धांत स्पष्ट करा दिया कि देश का विकास, उसके राज्यों के विकास पर ही, आश्रित है, क्योंकि तभी एक राष्ट्र के समग्र विकास का आकलन किया जा सकता है और एक राष्ट्रीय तस्वीर सामने आती है। इस विकास में प्रतिस्पर्धा भी होनी चाहिए और सहकारिता का भाव भी रहना चाहिए। यही भारत का सच्चा संघीयवाद है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कुछ ऐसे क्षेत्रों का भी उल्लेख किया है, जो 'सूर्योदय' की तरह माने जाते हैं। मसलन-विद्युत वाहन, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी आदि। इन क्षेत्रों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। ये भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और प्रगति के प्रतीक साबित हो सकते हैं। राष्ट्रपति ने जलवायु परिवर्तन का भी जिक्र किया, जो बराबर की चुनौती है और सरकार उस संदर्भ में लगातार सक्रिय है। यह भी वैश्विक चुनौती है जो किसी महामारी से कम खतरनाक नहीं है। दरअसल जो सड़कें, पुल, राजमार्ग, एक्सप्रेस वे आदि बनाए जा रहे हैं, रेल और हवाई यात्रा का विस्तार किया गया है, कमोबेश उन्हें मोदी सरकार का 'हॉलमार्क' माना जाता है। ऐसे बुनियादी ढांचे से कुछ गंभीर हादसे भी जुड़े रहे हैं। उनके गर्भ में भ्रष्टाचार मिला है। सरकार उन पर नियंत्रण लाए। यह साख के लिए भी जरूरी है।

लड़ाई अभी लंबी है

यकीनन भारत अमेरिका और चीन के बाद तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, लेकिन विश्व की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे गरीब देश भी होगा। यह लड़ाई अभी बहुत लंबी है। भारत में आर्थिक असमानताएं काफी व्यापक हैं। भारत में औसतन प्रति व्यक्ति आय 1.75 लाख रुपये भी नहीं है। आज भी 22-25 करोड़ भारतीय ऐसे हैं, जो हर रोज़ 350 रुपये ही कमा पाते हैं। दरअसल मोदी सरकार की अग्निपरीक्षा यह है कि वह विकास के सभी स्तंभों की बुनियाद मजबूत करे। आज भी कई आर्थिक सुधार, विधिक सुधार, शिक्षा सुधार, रोज़गार एवं श्रम सुधार, पुलिस और प्रशासनिक सुधार ऐसे लंबित पड़े हैं, जिन पर सरकार ध्यान नहीं दे पाई है। खासकर कृषि, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र को इतना मजबूत करना जरूरी है, ताकि वे व्यापक रोज़गार और नौकरियां पैदा कर सकें और करोड़ों बेरोज़गारों को माकूल काम दिया जा सके। भारत की एक नाजुक और गंभीर समस्या का हल भी उसी से संभव है। उसी से आर्थिक विकास बढ़ता है। सवाल यह भी किया जाना चाहिए कि सरकार ने महंगाई, मणिपुर हिंसा और विदेशी घुसपैठ, रेल हादसों, कश्मीर में अब भी सक्रिय आतंकवाद और दलित अत्याचार सरीखे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दों को राष्ट्रपति अभिभाषण में शामिल क्यों नहीं किया? राष्ट्रपति मुर्मू से 1975 के आपातकाल को 'काला अध्याय' करार दिलाया गया, संविधान पर सबसे घातक हमला कहलवाया गया, लेकिन इस बिन्दु पर सरकार खामोश क्यों रही कि संविधान बदला नहीं जा सकता। लोकतंत्र भारत की आत्मा में है, जिसे खत्म नहीं किया जा सकता। यदि राष्ट्रपति टिप्पणी करतीं और देश को आश्वस्त करतीं, तो विपक्ष का एक फर्जी नैरेटिव समाप्त किया जा सकता था।

निरंतरता का संदेश दे रही मोदी सरकार

अभिभाषण
अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के अब तक के कार्य व्यवहार को देखते हुए सामान्य तौर पर यह निष्कर्ष नहीं दिया जा सकता कि इसमें कोई रेखांकित करने वाला मौलिक बदलाव है। संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने अभिभाषण में कहा कि मेरी सरकार, विकास के साथ ही विरासत पर भी उतना ही गर्व करते हुए काम कर रही है। मोदी सरकार जब भी विरासत की बात करती है उसे हिंदुत्व एवं उसकी विचारधारा से जोड़ा जाता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण के आरंभ में ये पंक्तियां डाली गई हैं तो साफ है कि सरकार संदेश देना चाहती है कि भले भाजपा को बहुमत नहीं मिला, राजग को मिला, लेकिन यह गठबंधन भी चुनाव पूर्व का है और हमारे कार्यों, हमारी घोषणाओं को स्वीकार करते हुए हुआ है, इसलिए हम उसी दिशा में आगे बढ़ेंगे। किसी साथी दल ने सरकार को पूर्व एजेंडे में कुछ बदलाव करते हुए नए सिरे से न्यूनतम साझा कार्यक्रम बनाने की मांग नहीं की है। माना जा रहा है कि कुछ बिंदुओं को छोड़कर भाजपा अपने घोषणा पत्र पर ही आगे बढ़ रही है। अभिभाषण में इसकी झलक मिलती है। इसे कुछ उदाहरणों से समझा जा सकता है और यही सरकार के भविष्य की दिशा व दशा काफी हद तक स्पष्ट करने में सहायक होंगे।

चुनाव परिणामों की व्याख्या

इनमें पहला है, 2024 लोकसभा चुनाव के परिणामों की व्याख्या। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि दुनिया देख रही है कि भारत के लोगों ने लगातार तीसरी बार स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई है। छह दशक बाद ऐसा हुआ है। ...मेरी सरकार ने 10 वर्षों से सेवा और सुशासन का जो मिशन चलाया है, ये उस पर मुहर है। ये जनादेश है कि भारत को विकसित बनाने का काम बिना रुके चलता रहे और भारत अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करे। विपक्ष अभिभाषण को चाहे जितना निरर्थक बताए सरकार के लिए महत्वपूर्ण है साथी दलों का किसी प्रकार की आपत्ति न करना। स्पष्ट संदेश है कि जनादेश हमको अपने पूर्व कार्यों और दिशा के आधार पर मिला है, इसलिए हम वही करेंगे जो कर रहे थे।

दूसरा प्रमुख बिंदु

इसका दूसरा प्रमुख बिंदु है, आगामी बजट के बारे में संकेत। राष्ट्रपति के अभिभाषण के द्वारा सरकार ने कहा कि आगामी सत्र में मेरी सरकार अपने इस कार्यकाल का पहला बजट पेश करने जा रही है। भारत के तेज विकास की जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सुधारों की गति अब और तेज की जाएगी। मेरी सरकार का मत है कि दुनियाभर से निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्यों में स्वस्थ स्पर्धा हो। इतनी स्पष्टता के साथ बजट, सुधार, आर्थिक नीति, सामाजिक निर्णय आदि के बारे में बोलने के बाद कोई संदेह नहीं पैदा होता कि सरकार की अर्थ नीति और सुधार गति में रुकावट आएगी या गठबंधन सरकार एवं विपक्ष के दबाव से बदलाव किया जाएगा।

विकास पर प्रभावों की व्याख्या

अभिभाषण का तीसरा महत्वपूर्ण बिंदु है, अस्थिर सरकारों के देश के विकास पर पड़ने वाले प्रभावों की विस्तृत व्याख्या। अभिभाषण में कहा गया है कि अक्सर विरोधपरक मानसिकता और संकीर्ण स्वार्थ के कारण लोकतंत्र की मूल भावना का बहुत अहित हुआ है। इसका प्रभाव संसदीय प्रणाली पर भी पड़ता है और देश की विकास यात्रा पर भी पड़ता है। देश में कई दशकों तक अस्थिर सरकारों के दौर में कई सरकारें चाहते हुए भी न सुधार कर पाईं और न ही आवश्यक निर्णय ले पाईं। भारत की जनता ने निर्णायक बनकर इस स्थिति को बदला है। बीते 10 वर्ष में ऐसे अनेक सुधार हुए हैं, जिनका बहुत लाभ देश को आज मिल रहा है। जब ये सुधार किए जा

रहे थे, तब भी इनका विरोध किया गया था, नकारात्मकता फैलाने की कोशिश की गई थी, लेकिन ये सारे सुधार समय की कसौटी पर खरे साबित हुए हैं। आगे भाषण में आप देखेंगे तो भारत के बैंकों को 1 लाख 40 हजार करोड़ रुपए के रिकॉर्ड मुनाफे तथा विश्व में बेहतर बैंकिंग व्यवस्था के रूप में चित्रित किया गया है जो अपनी भारतीय नीतियों की सफलता का कहीं उद्घोष है। कुल मिलाकर सरकार ने अस्थिर सरकारों या दूसरे शब्दों में कहें तो गठबंधन सरकारों की आलोचना की है। यह नाम ना लेते हुए कांग्रेस या मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीएस सरकार की आलोचना है। यानी उसे सरकार ने कई प्रकार के दबाव में तथा संकीर्णता के कारण निर्णय करने से बचती रही,आवश्यक कदम नहीं उठाए और सुधार नहीं किए जिससे देश की आर्थिक दशा खराब हुई। बैंकिंग व्यवस्था चरमरा गई। दूसरी ओर जब हमने करना शुरू किया तो इन लोगों ने विरोध किया, गलतफहमी पैदा कर वातावरण को नकारात्मक बनाने की कोशिश की। अगर हमारी नीतियों, कदमों और निर्णयों के अच्छे परिणाम आए तो साफ है ये सब अपनी संकीर्ण मानसिकता और कुत्सित राजनीति के तहत ऐसा कर रहे थे। यह विपक्ष के वर्तमान रवैया पर भी कटाक्ष है।

युवा और शिक्षा नीति पर वक्तव्य

अभिभाषण में चौथा अहम पहलू है, युवा और शिक्षा नीति को लेकर दिया गया वक्तव्य। अभिभाषण के अनुसार सरकार देश के हर युवा को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए ज़रूरी माहौल बनाने में जुटी है। आगे देखिए, 'पहले जो विद्यार्थी सिर्फ भारतीय भाषाओं में पढ़ाई करते थे, उनके साथ अन्याय की स्थिति थी। मेरी सरकार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कर, इस अन्याय को दूर करने के लिए कदम उठाए हैं। युवाओं को अब भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग की पढ़ाई का विकल्प भी मिला है।' किसी भी देश के समग्र विकास का आधार शिक्षा नीति ही होती है। विपक्ष ने सरकार की नई शिक्षा नीति की आलोचना की, लेकिन देश ने इसे स्वीकार किया है। हालांकि इसकी गति धीमी रही है, पर इस दिशा में सरकार आगे बढ़ी है। अभिभाषण में घोषणा है कि सरकार एक डिजिटल विश्वविद्यालय बनाने की दिशा में भी काम कर रही है। युवाओं ने इन कदमों का पूरा समर्थन किया है। उदाहरण के लिए इसमें अटल टिंकरिंग लैब्स, स्टार्ट अप इंडिया और स्टैंड अप इंडिया जैसे अभियानों को युवाओं का सामर्थ्य बढ़ाने वाला बताते हुए कहा गया है कि इन्हीं प्रयासों से आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट अप इकोसिस्टम बन चुका है।

नीतियों में बदलाव नहीं

राष्ट्रपति के अभिभाषण में अगर शिक्षा नीति का स्पष्ट समर्थन किया गया है तो कम से कम तत्काल यह मानने का कोई कारण नहीं कि आने वाले समय में सरकार अपने पूर्व दिशा को बदलने जा रही है। मोदी सरकार की शिक्षा नीति को ही भगवाकरण और सेकुलर विरोधी तथा हिंदुत्व को बढ़ावा देने वाला बताया जाता रहा है। इसमें जब बदलाव नहीं होगा तो शेष मामलों में इस तरह के वैचारिक विरोध का माहौल भी नहीं। इस तरह कुल मिलाकर मोदी सरकार ने स्पष्ट किया है कि जब हमारी नीतियों का लाभ देश को हर क्षेत्र में मिला है तो हम उसे बदलने वाले नहीं है। अभिभाषण में कहा भी गया है कि हम विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन चुके हैं और तीसरी अर्थव्यवस्था बनेंगे तथा हमारा लक्ष्य आगे विश्व की प्रथम श्रेणी का राष्ट्र बनना है। यानी प्रधानमंत्री ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने तथा इसी कार्यकाल में तीसरी अर्थव्यवस्था का जो संकल्प व्यक्त किया सरकार उस पर काम करती रहेगी। विदेश नीति में भारत की प्रखरता से लेकर आंतरिक सुरक्षा आदि की प्रशंसा और इस दिशा में बढ़ाने का संकल्प बताता है कि भले सरकार गठबंधन की हो लेकिन इसकी दिशा, गति और चरित्र में नैरंतर्य रखने की कोशिश होगी। विपक्ष क्या कहता है इसका लोकतांत्रिक दृष्टि से संज्ञान लेना सरकार का दायित्व है, किंतु सरकार का बने रहना या उसकी नीतियों का आगे बढ़ना विपक्ष पर नहीं, गठबंधन के साथियों पर निर्भर करता है। ऐसा लगता है कि सरकार के रणनीतिकार मुख्यतः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह ने गठबंधन के साथियों से स्पष्ट किया है कि हम काम करने के लिए सरकार में आए हैं, भारत का व्यापक और दूरगामी लक्ष्य बनाकर हम जो कर रहे थे उसे आगे बढ़ाएंगे, क्योंकि उसी में देश का भला है। उनसे उनकी राय भी पूछी होगी। इस कारण सरकार अभी निश्चिंतता से आगे बढ़ेगी।

विकास को गति देने का संकल्प

अभिभाषण
नीलम महाजन सिंह
राजनीतिक विश्लेषक

18वीं लोकसभा के संयुक्त संसद सत्र को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राजग सरकार का विजन देश के सामने रखा। राहुल गांधी भी विपक्ष के नेता के रूप में इस बार मजबूत भूमिका में है। राष्ट्रपति के संबोधन में अनेक बातें हैं, जिसमें खास संदेश है। इसमें भारत की सभ्यता और संस्कृति की चेतना भी है। इसमें, हमारी लोकतांत्रिक और संसदीय परंपराओं के सम्मान का प्रण भी है। यह आवश्यक है कि नीतियों पर सार्थक संवाद होना चाहिए।

देशवासियों का गौरव बढ़ाने वाले अनेक पल आए हैं। दुनिया में गंभीर संकटों के बीच भारत सबसे तेज़ी से विकसित होती हुई 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। अब तीसरी बनने का लक्ष्य है। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के संकल्प ने आज भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना दिया है। सरकार ने सरकार अर्थव्यवस्था के तीनों स्तंभों - विनिर्माण, सेवाएं और कृषि को बराबर महत्व दे रही है। पिछले 10 वर्षों में केंद्र ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था के हर पहलू पर बहुत जोर दिया गया है। गांवों में कृषि आधारित उद्योगों, डेयरी और फिशरीज़ आधारित उद्योगों का विस्तार किया जा रहा है। इसमें भी सहकारिता को प्राथमिकता दी गई है।

आज का भारत, दुनिया की चुनौतियां बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि दुनिया को समाधान देने के लिए जाना जाता है। विश्व-बंधु के तौर पर भारत ने अनेक वैश्विक समस्याओं के समाधान को लेकर पहल की है। जलवायु परिवर्तन से लेकर खाद्य सुरक्षा तक, पोषण से लेकर सस्टेनबल एग्रीकल्चर तक हम अनेक समाधान दे रहे हैं। हमारे मोटे अनाज - श्री अन्न - की पहुंच सुपरफूड के तौर पर दुनिया के कोने-कोने में हो, इसके लिए भी अभियान चल रहा है।

आने वाला समय हरित युग का है। इसके लिए सरकार हर ज़रूरी कदम उठा रही है। हरित उद्योगों पर निवेश बढ़ रहे हैं, जिससे ग्रीन जॉब्स भी बढ़े हैं। ग्रीन एनर्जी हो या फिर ग्रीन मोबिलिटी, हर मोर्चे पर सरकार बड़े लक्ष्यों के साथ काम कर रही है। भारत ग्रीन एनर्जी कर बड़ा हब बनने जा रहा है। सरकार ग्रीन हाईड्रोजन में सरकारी व निजी निवेश को प्रोत्साहित कर रही है।

पूर्वोत्तर के विकास के लिए 10 वर्षों में आबंटन में 4 गुना से अधिक की वृद्धि की है। नॉर्थ ईस्ट में हर तरह की कनेक्टिविटी को बढ़ाया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, रोजगार, हर क्षेत्र में विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है।

जुलाई की पहली तारीख से देश में भारतीय न्याय संहिता भी लागू हो जाएगी। अंग्रेज़ी राज में गुलामों को दंड

देने की मानसिकता थी। दुर्भाग्य से आज़ादी के अनेक दशकों तक गुलामी के दौर की यही दंड व्यवस्था चलती रही। इसे बदलने की चर्चा अनेक दशकों से की जा रही थी, लेकिन ये साहस भी राजग सरकार ने ही करके दिखाया है। अब दंड की जगह न्याय को प्राथमिकता होगी, जो हमारे संविधान की भी भावना है। इन नए कानूनों से न्याय प्रक्रिया में तेज़ी आएगी। आज जब देश, अलग-अलग क्षेत्रों में गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पा रहा है, तब ये उस दिशा में बहुत बड़ा कदम है। और ये स्वतंत्रता सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि भी है।

आज के समय में एआई समेत टेक्नॉलॉजी हर दिन और उन्नत हो रही है। ऐसे में मानवता के विरुद्ध इनका गलत उपयोग बहुत घातक है। भारत ने विश्व मंच पर भी इन चिंताओं को प्रकट किया है और एक ग्लोबल फ्रेमवर्क की वकालत की है। पिछले 10 वर्षों में जो सुधार हुए हैं, जो नया आत्मविश्वास देश में आया है, उससे हम विकसित भारत बनाने के लिए नई गति प्राप्त कर चुके हैं। हम सभी को ये हमेशा ध्यान रखना है कि विकसित भारत का निर्माण देश के हर नागरिक की आकांक्षा है, संकल्प है। इस संकल्प की सिद्धि में अवरोध पैदा न हो, ये हम सभी का दायित्व है। नीतियों का विरोध और संसदीय कामकाज का विरोध, दो भिन्न बातें हैं। जब संसद सुचारू रूप से चलती है, जब यहां स्वस्थ चर्चा-परिचर्चा होती है, जब दूरगामी निर्णय होते हैं, तब लोगों का विश्वास सिर्फ सरकार ही नहीं पूरी व्यवस्था पर बनता है। इसलिए भरोसा है कि संसद के पल-पल का सदुपयोग होगा, जनहित को प्राथमिकता मिलेगी। अभिभाषण में संसद में हंगामा पर चिंता व्यक्त की गई है।

डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम' से डिजिटल स्पेस और अधिक सुरक्षित होने वाला है। जम्मू-कश्मीर आरक्षण कानून से, वहां भी जनजातीय समुदायों को प्रतिनिधित्व का अधिकार मिलेगा। परंतु अभी भी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में आर्मी व अन्य सशक्त पुलिस दल कार्यरत हैं। नीट परीक्षाओं की धांधली का क्या हुआ? नेशनल टेस्ट अथॉरिटी की निष्पक्षता पर अंकुश लग गया है। कोई भी राष्ट्र, तेज़ गति से तभी आगे बढ़ सकता है, जब वह पुरानी चुनौतियों को परास्त करते हुए अपनी ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा भविष्य- निर्माण में लगाए। नीति आयोग के अनुसार, सरकार के एक दशक के कार्यकाल में, करीब 25 करोड़ देशवासी ग़रीबी रेखा से बाहर निकले हैं। मानव केंद्रित विकास पर बल देना चाहिए है। हर नागरिक की गरिमा सर्वोपरि है। यही सामाजिक न्याय की हमारी अवधारणा है। संविधान के हर अनुच्छेद का संदेश भी यही है। हमारे वेदों में हमारे ऋषियों ने हमें 'समानो मंत्रः समितिः समानी' की प्रेरणा दी है। अर्थात, हम एक समान विचार और लक्ष्य लेकर एक साथ काम करें। यही इस संसद की मूल भावना है। हम जब 2047 में आज़ादी की शताब्दी का उत्सव विकसित भारत के रूप में मनाएंगे, तो इस पीढ़ी को भी श्रेय मिलेगा। आज हमारे युवाओं में जो सामर्थ्य है, संकल्पों में जो निष्ठा है, ये इस बात का प्रमाण हैं कि आने वाला दौर भारत का है। ये सदी भारत की सदी है और इसका प्रभाव लंबे समय तक रहेगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार अभिभाषण के अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए सबको साथ लेकर चलेगी।

अगर सिर्फ डायवर्सिफिकेशन पर ध्यान दें, तो मल्टी-कैप फंड को इस मामले में बेहतर माना जा सकता है, क्योंकि इसके पोर्टफोलियो में हर वक्त लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉल कैप सेगमेंट के शेयर शामिल रहते हैं। इसकी वजह से इसे रिस्क-रिटर्न ट्रेड-ऑफ के लिहाज से बेहतर माना जा सकता है, लेकिन अगर आप फंड मैनेजर की समझदारी पर ज्यादा भरोसा करते हैं और निवेश के मामले में फ्लेक्सिबल एप्रोच यानी लचीलेपन को पसंद करते हैं, तो फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करना बेहतर रहेगा। आप फैसला कुछ भी करें, यह बात जरूर याद रखें कि इन दोनों ही कैटेगरी के फंड

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को पहले कर लेना चाहिए तय

निवेश मंत्रा

निवेश के लिए क्या बेहतर फ्लेक्सीकैप या मल्टीकैप

बिजनेस डेस्क

निवेश हर कोई करना चाहता है, लेकिन बाजार के उतार चढ़ाव से कई बार डर जाता है। ऐसे में निवेशक को पहले अपनी रिस्क क्षमता को देख लेना चाहिए। इसके बाद ही निवेश की दुनिया में कदम रखना चाहिए। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को कई बार यह तय करने में उलझन होती है कि अपने पैसे फ्लेक्सी कैप फंड में लगाएं या मल्टी-कैप फंड में। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि दोनों ही तरह के फंड पहली नजर में एक जैसे ही लगते हैं, क्योंकि दोनों फंड्स के जरिए पूरे बाजार के अलग-अलग सेगमेंट के शेयरों में निवेश किया जाता है। इसलिए डायवर्सिफाइड फंड की तलाश कर रहे निवेशकों को इन दोनों ही तरह के फंड्स में से किसी एक का चुनाव करने में थोड़ा कनफ्यूजन होना आम बात है, लेकिन दोनों फंड एक जैसे लगने के बावजूद असल में पूरी तरह एक जैसे नहीं हैं। किस निवेशक को इनमें से किस म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए, यह जानने के लिए दोनों फंड्स के अंतर को समझना जरूरी है। इसके बाद ही इन फंडों में निवेश करना चाहिए। दोनों फंडों की क्षमता, रिस्क और रिटर्न कई मायनों में काफी अलग होते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि कौन से फंड निवेश के लिए बेहतर माने जाते हैं।

फ्लेक्सी कैप फंड

फ्लेक्सी कैप फंड में फंड मैनेजर को किसी पाबंदी के बिना लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप सेगमेंट में आने वाले किसी भी स्टॉक में निवेश करने की पूरी छूट होती है। यह लचीलापन मैनेजर को बाजार की परिस्थितियों के आधार पर अपने हिसाब से अलग-अलग सेगमेंट और सेक्टर के शेयरों में फंड अलोकेट करने की इजाजत देता है। अगर फंड मैनेजर को लगता है कि लार्ज कैप अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, तो वे फंड का एक बड़ा हिस्सा लार्ज-कैप स्टॉक में अलोकेट कर सकते हैं। इसी तरह, जरूरत पड़ने पर मिड-कैप या स्मॉल-कैप स्टॉक में भी फंड अलोकेशन कम या ज्यादा कर सकते हैं।

यह भी जान लीजिये

फ्लेक्सी कैप फंड्स की तुलना में मल्टी कैप फंड्स की संख्या काफी कम है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कुछ साल पहले सेबी ने मल्टी कैप फंड की परिभाषा में बदलाव करके फंड एलोकेशन को लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉल कैप में बांटना जरूरी कर दिया, तो बहुत सारे फंड्स कैटेगरी बदलकर फ्लेक्सीकैप में चले गए। इन फंड्स ने ऐसा इसलिए किया, ताकि अपनी निवेश रणनीति में लचीलापन बनाए रखा जा सके।

मल्टी-कैप फंड

मल्टी-कैप फंड के पूरे पोर्टफोलियो में, लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप तीनों सेगमेंट के शेयरों को शामिल करना जरूरी है। फंड मैनेजर को इनमें से हर सेगमेंट में हर वक्त कम से कम 25 फीसदी अलोकेशन बनाए रखना पड़ता है। यानी लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक में से हरेक में 25-25 फीसदी निवेश रखना जरूरी है। ऐसा इसलिए ताकि मल्टी-कैप फंड में डायवर्सिफिकेशन का लेवल हमेशा बना रहे।

क्या दोनों फंडों में फर्क

मल्टीकैप फंड के पोर्टफोलियो में 25-25 फीसदी लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक बनाए रखने की वजह से जो अनिवार्य डायवर्सिफिकेशन होता है, वही इसे फ्लेक्सी कैप फंड से अलग करने वाला सबसे बड़ा फर्क है। इस अनिवार्यता की वजह से मल्टीकैप फंड में लार्ज कैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप की मौजूदगी भी हमेशा ही बनी रहती है, जबकि फ्लेक्सीकैप फंड के लिए ऐसा करना जरूरी नहीं है। फ्लेक्सीकैप फंड का मैनेजर चाहे तो पूरा इक्विटी निवेश सिर्फ लार्जकैप में भी कर सकता है या उसे लार्ज और मिडकैप में बांटकर स्मॉलकैप से दूर रहने का फैसला भी कर सकता है, लेकिन मल्टीकैप फंड के मैनेजर के लिए ऐसा करना मुमकिन नहीं है।

डायवर्सिफिकेशन भी जरूरी

डायवर्सिफिकेशन किसी भी निवेश पोर्टफोलियो को बेहतर बनाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। सही तरीके से किया गया डायवर्सिफिकेशन आपके पोर्टफोलियो के परफॉरमेंस को काफी बेहतर बना सकता है। म्यूचुअल फंड के मामले में मल्टी-कैप और फ्लेक्सी कैप दोनों फंड आपके निवेश को डायवर्सिफाई करने यानी उसमें विविधता लाने में मददगार साबित हो सकते हैं। हमने ऊपर यह भी देखा कि डायवर्सिफिकेशन के लिहाज से दोनों फंड्स में क्या फर्क है। इसे देखते हुए ही आपको एक निवेशक के रूप में तय करना होगा कि आपके लिए कौन सा फंड बेहतर रहेगा।

पिछला प्रदर्शन

मल्टी-कैप फंड और फ्लेक्सी कैप फंड के पिछले प्रदर्शन की तुलना करें तो पता चलता है कि दोनों कैटेगरी के फंड्स के औसत सालाना रिटर्न में बहुत ज्यादा फर्क नहीं है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की वेबसाइट के मुताबिक टॉप 10 फ्लेक्सी कैप फंड्स ने पिछले 10 साल में 16.11 फीसदी से 21.88 फीसदी के बीच सालाना रिटर्न दिया है। पिछले 5 साल में इस कैटेगरी के टॉप 10 फंड्स का रिटर्न 19.96 फीसदी से 34.22 फीसदी के बीच रहा है। एएमएफआई की वेबसाइट के मुताबिक इस वक्त मल्टी कैप कैटेगरी में सिर्फ 6 ऐसे फंड हैं, जिनका पिछले 10 साल का रिकॉर्ड उपलब्ध है और इस दौरान इन फंड्स ने 16.46 फीसदी से 22.79 फीसदी के बीच औसत सालाना रिटर्न दिया है। वहीं, जिन 8 मल्टी कैप फंड्स के पिछले 5 साल के प्रदर्शन का रिकॉर्ड एएमएफआई की वेबसाइट पर मौजूद है।

कब डबल होंगे पैसे: आपकी बचत के पैसे दोगुने कब होंगे इसकी गणना का एक आम नियम काफी प्रचलित है। ये नियम रूल 72 है। फाइनेंस में इसका खूब इस्तेमाल होता है। रूल 72 के जरिए आप यह जान सकते हैं कि आपके निवेश के पैसे कितने समय में दोगुने हो जाएंगे।

इस फॉर्मूले से करेंगे निवेश तो 7 साल 2 माह में डबल

- पैसा बढ़ाने का सबसे सटीक नियम, करें अप्लाई
- यह नियम आपको जल्द बना सकता है करोड़पति
- रूल ऑफ 72 का इस्तेमाल करके आप भी जान सकते हैं कि कैसे 7 साल 2 महीने में कैस डबल होंगे

बिजनेस डेस्क। अगर आप भी कम समय में करोड़पति बनना चाहते हैं या अपना पैसा बढ़ाना चाहते हैं तो आपको भी यह नियम अपना लेना चाहिए। इससे आप आसानी से पैसा बटोर सकेंगे और कम समय में ही अच्छा खासा पैसा जुटा लेंगे। ज्यादातर जानकारों का कहना है कि अगर वजन कम करना है तो कम खाइए और ज्यादा व्यायाम कीजिए, पैसों का मामला भी कुछ ऐसे ही है। खर्च कम कीजिए और ज्यादा बचत कीजिए तो आपका पास अच्छा खासा बैंक बैलेंस होगा। रिटायरमेंट या दूसरे फाइनेंशियल टारगेट के लिए आप जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे। लक्ष्य के करीब आने तक आप उतने ही धनवान होंगे। इसके लिए सबसे सटीक फॉर्मूला है। रूल ऑफ 72 का इस्तेमाल करके आप भी जान सकते हैं कि कैसे 7 साल 2 महीने में आपका पैसा डबल हो जाएगा। यही नहीं अगर पैसे को इन्वेस्ट रखा जाए तो तीन गुना या फिर चार गुना भी बढ़ाया जा सकता है।

कम्पाउंड इंट्रस्ट करेगा हेल्प

आपको सिर्फ अपनी बचत की निरंतरता बनाए रखनी है और बाकी का काम चक्रवृद्धि ब्याज (कम्पाउंड इंट्रस्ट) समय के साथ करता रहेगा। चक्रवृद्धि का फायदा लॉन्ग टर्म में देखते ही बनता है और यह लंबी अवधि में आपको करोड़पति बनाने में भरपूर काम करता है। इसलिए जब भी निवेश की गाड़ी स्टार्ट करें, निवेश का लंबा लक्ष्य रखें, मसलन बच्चों की शादी, शिक्षा या फिर रिटायरमेंट प्लानिंग। ऐसे लक्ष्य लेकश्लंबी अवधि के लिए निवेश शुरू करेंगे तो आप आसानी से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे और अच्छा खासा रिटर्न प्राप्त कर लेंगे और देखते ही देखते अपने सभी गोल पूरे कर सकेंगे।

कम्पाउंड इंट्रस्ट कैसे करता है काम

अब जानकारी लेते हैं कि आखिर यह कम्पाउंड इंट्रस्ट काम कैसे करता है। यानी यह आपको अमीर बनाने की क्षमता कैसे रखता है। मान लीजिए आप 100 रुपये कहीं जमा करते हैं और उस पर सालाना 10% का ब्याज मिलता है। एक साल बाद आपके पास 110 रुपये होंगे। अगले वर्ष चक्रवृद्धि के कारण आपको 110 रुपये पर 10% का ब्याज मिलेगा और आपके पैसे बढ़ कर 121 रुपये हो जाएंगे। फिर अगले वर्ष 121 रुपये पर 10% ब्याज प्राप्त होगा।

- नेशनल पेंशन सिस्टम बुढ़ापे के लिए बढ़िया विकल्प
- 18 साल से 70 साल की उम्र का नागरिक खुलवा सकता है

एनपीएस को 5 साल कर दें एक्सटेंड 50% से ज्यादा बढ़ेगी मंथली पेंशन

बिजनेस डेस्क

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) केंद्र सरकार की एक पेंशन योजना है, जिसमें रिटायरमेंट को ध्यान में रखकर निवेश किया जा सकता है। यह बुढ़ापे लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है। नेशनल पेंशन सिस्टम में कोई भी 18 साल से 70 साल की उम्र का भारतीय नागरिक (सरकारी कर्मचारी या निजी सेक्टर का कर्मचारी) अकाउंट खुलवा सकता है। एनआरआई भी इसके लिए योग्य हैं। अकाउंट खुलने के बाद 60 साल की उम्र तक या मैच्योरिटी तक यानी 70 साल तक इसमें कंट्रीब्यूट करना होता है। अगर एनपीएस की रिटर्न हिस्ट्री देखें तो अब तक इसने 8% से 12% सालाना रिटर्न दिया है। आमतौर पर एनपीएस में 60 की उम्र होने तक लक्ष्य बनाकर निवेश करने का ट्रेंड है, लेकिन अगर इसे 5 साल के लिए और एक्सटेंड कर दें तो मंथली पेंशन में 50 फीसदी से ज्यादा इजाफा हो सकता है। वहीं, अगर अकाउंट को 10 साल के लिए एक्सटेंड कर दिया जाए तो मंथली पेंशन में 130 फीसदी का इजाफा होगा. वहीं दोनों ही केस में रिटायरमेंट पर मिलने वाली लम्प सम रकम भी बढ़ जाएगी। हालांकि यह ध्यान रखना होगा कि 60 साल की उम्र के बाद कुछ इनकम का जरिया हो, जिससे आपको इस योजना को एक्सटेंड करने की सुविधा मिल जाए।

सेवानिवृत्ति के बाद ठाठ से कटेगा बुढ़ापा, नहीं होगी परेशानी

10 साल एक्सटेंड कराने पर पेंशन 130% बढ़ी

कैलकुलेशन से पता चलता है कि नेशनल पेंशन सिस्टम में अगर 60 साल की बजाए 70 साल की उम्र तक निवेश जारी रखें तो मंथली पेंशन में करीब 130 फीसदी का इजाफा (76,973 रुपये से बढ़कर 1,76,990 रुपये) हो रहा है।

एनपीएस पर टैक्स बेनेफिट

एनपीएस में निवेश पर इनकम टैक्स एक्ट 1961 के तीन अलग-अलग सेक्शंस के तहत टैक्स बेनेफिट मिलता है। सेक्शन 80सीसीडी 1) के तहत एक फाइनेंशियल ईयर में इसमें 1.5 लाख रुपये तक के निवेश पर डिडक्शन बेनेफिट मिलता है। यह डिडक्शन, सेक्शन 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये की ओवरऑल लिमिट में आता है। एनपीएस पर सेक्शन 80सी डिडक्शन के ऊपर भी अतिरिक्त टैक्स छूट का फायदा मिलता है। यह एडिशनल डिडक्शन सेक्शन 80सीसीडी (1बी) के तहत

50,000 रुपये तक मिलता है। कोई भी टैक्सपेयर एनपीएस के टियर-1 अकाउंट्स में निवेश करके 50,000 रुपये तक एडिशनल डिडक्शन का फायदा ले सकता है। इस तरह कोई भी टैक्सपेयर एनपीएस में इनवेस्ट करके एक फाइनेंशियल ईयर में 2 लाख रुपये के ओवरऑल टैक्स बेनेफिट को क्लेम कर सकता है। 2 लाख रुपये की लिमिट के ऊपर एंप्लॉयर की तरफ से किए गए किसी कंट्रीब्यूशन पर इनकम टैक्स एक्ट 1961 के सेक्शन 80सीसीडी(2) के तहत डिडक्शन का फायदा मिलेगा।

60 साल तक निवेश पर कैलकुलेशन

- एनपीएस ज्वॉइन करने की उम्र : 25 साल
- मंथली निवेश : 10,000 रुपये
- निवेश की अवधि : 35 साल
- 35 साल में कुल निवेश: 42 लाख
- निवेश पर अनुमानित रिटर्न: 8% सालाना
- 35 साल पर कुल कॉर्पस: 2,30,91,751 रुपये (2.31 करोड़)
- एन्युटी प्लान में निवेश: 50%
- लम्प सम वैल्यू: 1,15,45,875 रुपये (1.15 करोड़)
- पेंशन योग्य वेल्थ: 1,15,45,875 रुपये (1.15 करोड़)
- एन्युटी रिटर्न: 8 फीसदी
- मंथली पेंशन: 76,973 रुपये (करीब 77 हजार रुपये)

65 साल तक निवेश पर कैलकुलेशन

- एनपीएस ज्वॉइन करने की उम्र : 25 साल
- मंथली निवेश : 10,000 रुपये
- निवेश की अवधि : 35 साल
- 40 साल में कुल निवेश: 48 लाख रुपये
- निवेश पर अनुमानित रिटर्न: 8% सालाना
- 40 साल पर कुल कॉर्पस: 3,03,42,813 रुपये (3 करोड़)
- एन्युटी प्लान में निवेश: 50%
- लम्प सम वैल्यू: 1,75,71,407 रुपये (1.75 करोड़)
- पेंशन योग्य वेल्थ: 1,75,71,407 रुपये (1.75 करोड़)
- एन्युटी रिटर्न: 8 फीसदी

70 साल तक निवेश पर कैलकुलेशन

- एनपीएस ज्वॉइन करने की उम्र : 25 साल
- मंथली निवेश : 10,000 रुपये
- निवेश की अवधि : 45 साल
- 45 साल में कुल निवेश: 54 लाख रुपए
- निवेश पर अनुमानित रिटर्न: 8% सालाना
- 45 साल पर कुल कॉर्पस: 5,30,97,035 रुपये (5.30 करोड़)
- एन्युटी प्लान में निवेश: 50%
- लम्प सम वैल्यू: 2,65,48,518 रुपये (1.75 करोड़)
- पेंशन योग्य वेल्थ: 2,65,48,518 रुपये (1.75 करोड़)
- एन्युटी रिटर्न: 8 फीसदी
- मंथली पेंशन: 1,76,990 रुपये (1.77 लाख रुपये)

अगर आपके पास 20 साल का वक्त है तो आपको एक करोड़ जुटाने के लिए हर महीने केवल 10,880 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह अगर आप 25 साल के लिए निवेश करते हैं, तो मासिक निवेश राशि घटकर 5,880 रुपये हो जाती है। जैसे-जैसे आपकी निवेश अवधि बढ़ती है, आपको कम रकम निवेश करनी पड़ती है। अगर आपको ज्यादा रिटर्न मिलता है तो एक करोड़ रुपये तक पहुंचने में कम समय लगेगा।

कैसे बनेंगे करोड़पति

हर महीने कितना करना होगा निवेश

क्या कहते हैं आंकड़े

वार्षिक रिटर्न	अवधि (वर्ष)	एसआईपी राशि (रु.)
12%	10	44,640
12%	15	21,020
12%	20	10,880

बिजनेस डेस्क

करोड़पति बनना हर किसी का सपना होता है। लेकिन, इस सपने को हकीकत में बदलने के लिए सही निवेश करना बहुत जरूरी है। इक्विटी म्यूचुअल फंड एक ऐसा निवेश विकल्प है जो आपको एक करोड़ रुपये के सपने को पूरा करने में मदद कर सकता है। अगला सवाल यह उठता है कि आपको कितना निवेश कितने समय के लिए करना होगा। यह ध्यान रखें कि आप कहीं भी निवेश करें, रातोंरात करोड़पति नहीं बन जाएंगे। इसमें समय लगेगा। इसके लिए आपको अनुशासन की जरूरत होगी। आपको नियमित रूप से निवेश करना होगा। नियमित रूप से अनुशासित निवेश करने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को चुनना। यह न केवल एकमुश्त बड़ी रकम बनाने में मदद करता है, बल्कि आपको छोटी शुरुआत करने और धीरे-धीरे इसे बढ़ाने की इजाजत भी देता है। यहां तक कि अगर आप 1,000 रुपये के मासिक निवेश के साथ इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी शुरू करते हैं तो आप 10 सालों में 2.2 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। यह मानते हुए कि आपको 12% का वार्षिक रिटर्न मिलता है। जैसा कि आप देख सकते हैं, एसआईपी में एक छोटा सा निवेश भी लंबी अवधि में आपके धन को जबर्दस्त तरीके से बढ़ा सकता है।

इन बातों पर करता है निर्भर

आपको हर महीने कितना निवेश करने की जरूरत है यह तीन प्रमुख बातों पर निर्भर करेगा- रिटर्न, समयसीमा और जोखिम उठाने की क्षमता। रिटर्न जो आपको इक्विटी म्यूचुअल फंड से मिलेगा। आपके निवेश की समयसीमा वह समय होगा, जिसके भीतर आप अपने लक्ष्य को पाना चाहते हैं। वहीं, जोखिम उठाने की क्षमता से मतलब यह है कि आप कितना जोखिम उठा सकते हैं। चूंकि इक्विटी म्यूचुअल फंड में डेट निवेश की तुलना में अधिक जोखिम होता है, इसलिए यह लंबी अवधि के निवेश के लिए सही है। यह और भी बेहतर है कि अगर आप कम से कम सात साल के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करें। आप जितने लंबे समय तक निवेश को बनाए रहेंगे, अस्थिरता का जोखिम उतना ही कम होगा।

कितना निवेश करें

मान लेते हैं कि आपको अपने म्यूचुअल फंड निवेश से 12% का वार्षिक रिटर्न मिलता है। इसके आधार पर हम कैलकुलेशन करेंगे कि 10 साल, 15 साल, 20 साल, 25 साल में 1 करोड़ रुपये के लक्ष्य को पाने के लिए आपको हर महीने कितना निवेश करना होगा। याद रखें कि म्यूचुअल फंड से रिटर्न के बारे में कोई गारंटी नहीं है। पिछले रिटर्न का इस्तेमाल सिर्फ रेफरेंस में किया जाता है ताकि यह कैलकुलेट किया जा सके कि आप क्या उम्मीद कर सकते हैं। 10 साल में म्यूचुअल फंड निवेश (वार्षिक रिटर्न 12%) से 1 करोड़ कमाने के लिए आपको इस पूरी अवधि के दौरान हर महीने 44,640 रुपये का निवेश करना होगा। अगर आप इंवेस्टमेंट हॉरिजन को पांच साल और बढ़ाकर 15 साल कर सकते हैं तो आपको एक महीने में 21,020 का निवेश करना होगा। अगर आप पांच साल और प्रतीक्षा कर सकते हैं तो आपका मासिक निवेश काफी कम हो जाएगा।

खबर संक्षेप

पीएचक्यू के 7 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को विदाई

भोपाल। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से जून में सेवानिवृत्त सात कर्मचारियों को पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को विदाई दी। पुलिस महानिदेशक ने सभी को प्लांट एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित विदाई समारोह में विशेष पुलिस महानिदेशक विजय कटारिया, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अनिल कुमार, सोनाली मिश्रा सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित थे। जिन अफसरों की सेवानिवृत्ति हुई ह उसमें उप पुलिस अधीक्षक (मानसेवी) डीजीपी कार्यालय डीपी जुगादे, कार्यवाहक कार्यालय अधीक्षक विशेष शाखा शैलबाला चव्हाण, कार्यवाहक निरीक्षक एससीआरबी बृजेन्द्र कुमार पाण्डेय, कार्यवाहक निरीक्षक अअवि अजय कुमार सिंह, अंजना मिश्रा, बलराम सिंह राजपूत तथा शाखा पुमु ज्योति जावरानी शामिल है।

विसवार निगम आयुक्त ने सौंपी जिम्मेदारी

भोपाल। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन ने 6 जुलाई को शहर में वृहद पैमाने पर होने वाले पौधा रोपण एक पौधा मां के नाम की तैयारियों की समीक्षा शुक्रवार को की। इस कार्य को व्यवस्थित व सुचारू रूप से निष्पादित करने के लिए विधानसभावार अपर आयुक्त, नोडल अधिकारी व सहायक नोडल अधिकारी को जिम्मेदारी दी है। निगम आयुक्त ने शहर में निगम द्वारा 1 लाख 20 हजार पौधरोपण के लिए पौधों के गड्ढे व थाले शीघ्रता से तैयार करने और पौधों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने निर्देश दिए कि 230 से अधिक स्थानों पर पौधरोपण के लिए प्रत्येक स्थल पर पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए।

एडीजी उपेन्द्र जैन बने स्पेशल डीजी

भोपाल। राज्य शासन ने शुक्रवार, को 91 बैच के आईपीएस एडीजी उपेंद्र कुमार जैन को विशेष पुलिस महानिदेशक बनाया है। इससे पहले वे अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। वहीं, उनके पास मप्र पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम के प्रबंध संचालक की भी जिम्मेदारी थी, जो यथावत रहेगी।

145 लीटर कच्ची शराब 675 किलो लहान जब्त

भोपाल। आबकारी विभाग ने अवैध शराब के संग्रहण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ शुक्रवार को बैरसिया के कंजरों के अलग-अलग डेरों पर दबिश दी। इस दौरान वहां के पुरुष अमले को देखकर भाग गए। वहां पर दो महिलाएं सहित 3 लोगों को गिरफ्तार कर आधा दर्जन प्रकरण दर्ज किए गए। इस दौरान 145 लीटर कच्ची शराब और 675 किलो लहान जब्त किया। जिला आबकारी कंट्रोलर आरजी भदौरिया ने बताया कि वृत्त उपनिरक्षक संजय जैन और अमले ने दोपहर को रतुआ पठार, अलंगा खदान, तरावली जोड़, बसई जोड़, बैरासिया पठार क्षेत्र के कंजर डेरों पर संयुक्त दबिश दी गई।

एनआईए की छापेमारी में 2 आरोपी गिरफ्तार

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने देर रात 6 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की है। इन ठिकानों से एनआई ने 2 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से मोबाइल, प्रिंटर और कैश बरामद किया है। एनआईए ने नक्सलियों को हथियारों की सप्लाई के मामले में छापेमारी की है। जानकारी के मुताबिक, कांकेर के घोर नक्सल प्रभावित इलाका मुजालगोंदी आदि इलाकों में तलाश रेड की कार्रवाई की गई।

आमजन तक पहुंचाएं शासन की प्राथमिकताओं, उपलब्धियों और श्रेष्ठ कार्यों की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विधानसभा के आगामी सत्र के लिए विभाग और विभागाध्यक्ष प्रश्नों के उत्तर भेजने के साथ ही विभागीय उपलब्धियों का विवरण भी तैयार रखें। विधानसभा एक ऐसा माध्यम है, जहां शासन के कार्यों की जानकारी देने से आमजन तक सूचनाएं पहुंच जाती हैं। विधानसभा सदस्यों की ओर से पूछे गए प्रश्नों के उत्तर समय-सीमा में भेजे जाएं। उत्तर के रूप में भेजी गई जानकारी भी संपूर्ण एवं प्रासंगिक होना चाहिए। राज्य शासन की प्राथमिकताओं का ब्यौरा भी इसमें शामिल होना चाहिए।

खास बात

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की विधानसभा सत्र के लिए की जा रही तैयारियों और जरूरी जानकारी भेजने के कार्यों की विभागवार समीक्षा

मुख्यमंत्री ने विधानसभा सत्र के लिए सरकारी विभागों की कार्रवाई की जानकारी ली

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एक जुलाई से शुरू हो रहे विधानसभा सत्र के लिए की जा रही तैयारियों और जरूरी जानकारी भेजने के कार्यों की विभागवार समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में वरिष्ठ अधिकारियों को सत्र के संबंध में शासन स्तर पर की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव संसदीय कार्य विभाग केसी गुप्ता, प्रमुख सचिव विधानसभा एपी सिंह, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय संजय कुमार शुक्ला और राघवेन्द्र कुमार सिंह, प्रमुख सचिव जनसंपर्क एवं विमानन संदीप यादव सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

अपूर्ण प्रश्न, शून्यकाल की सूचना से संबंधित जानकारी भी तैयार कर भेजी जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधानसभा सत्र में पारित किए जाने वाले विधेयक से संबंधित जरूरी प्रक्रिया सत्र के पूर्व यथाशीघ्र पूर्ण की जाए। अपूर्ण प्रश्न, शून्यकाल की सूचना से संबंधित जानकारी तैयार कर विधानसभा सचिवालय को भेजी जाए। सत्र के दौरान विभागों की ओर से निर्धारित नोडल अधिकारी नियमित रूप से उपस्थित रहें। सत्र में बजट प्रस्तुत किए जाने के दिन भी संबंधित अधिकारी दायित्व पर उपस्थित रहें। विभागों के अधिकारी, विभागों की ओर से किए जा रहे अच्छे कार्यों का विस्तृत विवरण आवश्यकतानुसार उपलब्ध करवाएं।

ऐसी फसलों को बढ़ावा दिया जाए, जिनका दाम बाजार व निर्यात मांग से जुड़ा हो: मुख्यमंत्री

कृषि उपज मंडियों की व्यवस्था के प्रति किसानों का विश्वास बरकरार रहे, वरिष्ठ अफसर करें निरीक्षण

» ***प्रदेश में तुअर और कोदो-कुटकी के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाए***

» ***डॉ. यादव ने की कृषि हितग्राही मूलक योजनाओं की समीक्षा***

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी कलेक्टर कृषि उपज मंडी के संचालन की कड़ी निगरानी करें। कहीं पर भी कृषि उपज मंडी में गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित सचिव जिम्मेदार होंगे, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने वेयरहाउस निर्माण व उपयोग के प्रावधानों में किसानों के हितों को सुनिश्चित करने के लिए जरूरी संशोधन करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को कृषक हितग्राही मूलक योजनाओं सहित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा कृषि विविधीकरण के लिए किया जा रहे प्रयासों पर मंत्रालय में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री ऐदल सिंह कंषाना, मुख्य सचिव वीरा राणा मौजूद थीं। बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, कृषि उत्पादन आयुक्त एसएन मिश्रा, अपर मुख्य सचिव किसान कल्याण अशोक वर्णवाल, प्रमुख सचिव वित्त मनीष सिंह और अधिकारी मौजूद थे।

कोदो-कुटकी का रकबा बढ़ने से पानी-बिजली का उपयोग कम होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र तुअर के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाए। कोदो-कुटकी के रकबे को बढ़ाने से पानी-बिजली का उपयोग संतुलित होगा तथा फसल चक्र में भी सुधार होगा। किसानों को कोदो-कुटकी की फसल लेने के लिए प्रेरित करने की जरूरत है। फसल चक्र पर ग्रीष्मकालीन फसल लेने के नकारात्मक प्रभाव से भी कृषकों को अवगत कराना जरूरी है।

कृषि उपज मंडी में गड़बड़ी पाए जाने पर संबंधित सचिव होंगे जिम्मेदार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि उपज मंडियों की व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए वरिष्ठ अधिकारी मंडियों के तौल-कांटे, वित्तीय लेन-देन तथा अन्य व्यवस्था का आकस्मिक निरीक्षण करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों के हितों से कहीं भी खिलवाड़ न हो और मंडी व्यवस्था के प्रति किसानों का विश्वास बरकरार रहे। उन्होंने कहा कि जिले में कलेक्टर की जिम्मेदारी बनती है कि किसानों की समस्याओं को देखते हुए कदम उठाए।

प्री-पेड वाउचर ई-रूपी से हो रहा है किसानों को अनुदान भुगतान

फसल विविधीकरण में इथेनॉल उत्पादन, फसल-सब्जी-मसाले आदि के ऑर्गेनिक उत्पादन तथा अश्वगंधा के उत्पादन में सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। किसानों को अनुदान भुगतान का क्रियान्वयन प्री-पेड वाउचर ई-रूपी से किया जा रहा है। किसानों को सस्ते दाम पर कृषि उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में बनाए जाने वाले 5 हजार नए कस्टम हायरिंग सेन्टर्स में से 3 हजार 964 केन्द्र स्थापित किए जा चुके हैं। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की ओर से संचालित अन्य हितग्राही योजनाओं में उपलब्धि संबंधी जानकारी भी दी गई।

फसल विविधीकरण को करें प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धान एवं गेहूं के स्थान अन्य लाभकारी फसलें लेने के लिए फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित किया जाए। ऐसी फसलों को बढ़ावा दिया जाए जो सरकारी खरीद पर निर्भर नहीं हों और जिनका दाम बाजार व निर्यात की मांग से जुड़ा हो। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक उर्वरकों को प्रोत्साहित करने की जरूरत बताते हुए प्रदेश के सभी क्षेत्रों में प्राकृतिक खेती को विस्तारित करने संबंधित कार्य योजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से सीमांत, लघु कृषकों को लाभ मिले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश जलवायु परिस्थितियों, मिट्टी और फसलों के विविध पैटर्न के साथ संपन्न है। हमारे किसानों की अथक मेहनत से प्रदेश कृषि विकास में सर्वोपरि है। हमारा प्रदेश दलहन व तिलहन के क्षेत्र तथा उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है। किसानों की आय में वृद्धि करने तथा कृषि को लाभ का धंधा बनाने की दिशा में हम निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से अधिक से अधिक सीमांत, लघु कृषकों को लाभ मिले यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय किए जाएं। रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पौष्टिक श्रीअन्न का उत्पादन बढ़ाने और इसकी पैदावार करने वाले कृषकों को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं।

मुख्यमंत्री से मिले वर्ष 2023 बैच के प्रोबेशनर आईएएस

जनकल्याण के लिए प्रेरित करता है मैदानी कार्यप्रणाली का अध्ययन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के नवनियुक्त अधिकारी मैदानी स्तर तक जाकर शासन की कार्यप्रणाली का अध्ययन कर जनकल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित होते हैं। नदियों को पुनर्जीवित करने, जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार, स्कूल चलें हम अभियान और अन्य महत्वपूर्ण अभियानों की उपलब्धियों का सेवाकाल के प्रारंभ में अध्ययन हो जाने से प्रशासनिक अधिकारियों को कार्य संपादन में सहयोग मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मंत्रालय में सौजन्य भेंट करने आए भारतीय प्रशासनिक सेवा वर्ष 2023 बैच के 9 परिवीक्षाधीन अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी प्रोबेशनर अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला, राघवेंद्र कुमार सिंह, प्रशासन अकादमी के महानिदेशक विनोद कुमार के साथ संचालक श्रीमती सोनाली पोंक्षे वायंगणकर उपस्थित थीं।

यह अधिकारी मुख्यमंत्री से मिले

परिवीक्षाधीन अधिकारियों की ओर से सुश्री काजोल सिंह, शुभम यादव, वसीम अहमद भट, प्रपंज आर, ने अपने अनुभव साझा किए। भेंट करने वाले अन्य अधिकारियों में गगन सिंह, महिपाल सिंह गुर्जर, शिवम यादव, आकिप खान, पंकज वर्मा शामिल थे।

अन्नागिरी बने आईएफएस एसोसिएशन के नए अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मप्र आईएफएस एसोसिएशन की शुक्रवार को बैठक हुई। बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर एपीसीसीएफ (आईटी) बीएस अन्नागिरी का चयन सर्वसम्मति से किया गया।

मौजूदा अध्यक्ष एवं पीसीसीएफ (वन्य प्राणी) डॉ. अतुल श्रीवास्तव 30 जून को सेवानिवृत हो रहे हैं। एसोसिएशन ने उनकी सेवानिवृति से दो दिन पहले ही नए अध्यक्ष का चुनाव करा लिया। इसके अलावा एपीसीसीएफ भू-प्रबंध एचएस मोहन्ता को उपाध्यक्ष, रितेश सिरोठिया को सचिव, वन संरक्षक भोपाल आलोक पाठक को कोषाध्यक्ष तथा सह सचिव संचालक वन विहार अवधेश कुमार व शिव कुमार को बनाया गया है। एपीसीसीएफ डॉ. समिता राजोरा और एपीसीसीएफ पुरुषोत्तम धीमान को कार्यकारिणी के सदस्य बनाया गया है। चुनाव की कार्रवाई भारतीय वन सेवा संघ के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में पीसीसीएफ सत्यानंद ने संपन्न कराई।

सीआरपीएफ जवान और कॉन्स्टेबल के बीच हाथापाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बिलासपुर

बिलासपुर में सीआरपीएफ के जवान और पुलिस के एक कॉन्स्टेबल के बीच हाथापाई का मामला सामने आया है। पहले दोनों के बीच कहासुनी हुई और फिर झूमाझटकी ने मारपीट का रूप ले लिया। पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। वहां मौजूद सीआरपीएफ जवान से उसका विवाद हो गया और झूमाझटकी हो गई। फिर पुलिसकर्मी और जवान के बीच मारपीट हो गई। घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है। घटना 2 दिन पहले की बताई जा रही है। पुलिस ने मारपीट करने वाले युवक इतवार सिंह पैकरा (जवान) के खिलाफ शासकीय कर्मचारी से मारपीट और सरकारी काम में बाधा डालने का केस दर्ज किया है। आरक्षक के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मिले एनसीसी के मेजर जनरल महाजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आज एनसीसी संगठन के मेजर जनरल अजय कुमार महाजन ने मंत्रालय में भेंट की। मुख्यमंत्री को महाजन ने एनसीसी महानिदेशालय नई दिल्ली के विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी दी। इसके तहत एनसीसी प्रशिक्षण की एकरूपता की पहल, एक सप्ताह में कामकाजी घंटों का निर्धारण, गणतंत्र दिवस शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कैडेट्स को पुरस्कार राशि प्रदान करने, प्रदेश में 5 एनसीसी अकादमी और प्रशिक्षण अधोसंरचना के प्रस्ताव, एनसीसी कार्यालयों के लिए भवनों की व्यवस्था संबंधी विषयों पर चर्चा हुई।

बालको वन परिक्षेत्र के नवाडीह टापरा का मामला

भालुओं का महिला पर प्राणघातक हमला, गंभीर हालत में महिला भर्ती

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कोरबा

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में पुटू बीनने गई महिला पर 3 भालुओं ने हमला कर दिया, जिससे महिला बुरी तरह से घायल हो गई है। घायल महिला को जिला मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरा मामला बालको वन परिक्षेत्र के बेला गांव से लगे नवाडीह टापरा जंगल का है।

दरअसल, बेला गांव निवासी 36 वर्षीय कमला भगत गांव के ही 15 लोगों के साथ नवाडीह टापरा जंगल पुटू बीनने गई थी। सभी लोग जंगल में अलग अलग पुटू बीन रहे थे। इस दौरान अचानक तीन भालू आ गए। कमला भगत पर हमला कर दिया।

इंटर्नशिप कार्यक्रम का समापन, विद्यार्थियों ने जानी आयोग व थानों की कार्यप्रणाली

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

म.प्र. मानव अधिकार आयोग द्वारार ग्रीष्मकालीन एवं शीतकालीन सत्रों में विधि संकाय के विद्यार्थियों के लिए एक माह का इंटर्नशिप कार्यक्रम कराया गया। 3 जून 2024 से आयोजित कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ।

इस दौरान विधि विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के विधि विद्यार्थियों को मानव अधिकार एवं आयोग की कार्यप्रणाली सहित विभिन्न विधि विषयों पर विभिन्न रिसोर्स पर्सन द्वारा प्रशिक्षण दिलाया गया। शिक्षण के दौरान कई विषयों पर व्याख्यान का आयोजन हुए। विद्यार्थियों को आयोग कार्यालय, पुलिस थाना, गोविंदपुरा, केन्द्रीय जेल, डायल-100, एफएसएल एवं साइबर सेल का अध्ययन भ्रमण कराया गया।

यह विश्वविद्यालय व कॉलेज हुए शामिल

इंटर्नशिप में मुख्य रूप से राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय भोपाल, करियर कॉलेज ऑफ लॉ भोपाल, वनस्थली विद्यापीठ विश्वविद्यालय राजस्थान, ओपी जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय सोनीपत, हरियाणा, राजीव गांधी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, पंजाब, अजिंक्य डी वाई पाटिल विश्वविद्यालय लोहेगांव पुणे, राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय नागपुर, धर्मशास्त्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय जबलपुर, मंगलायतन यूनिवर्सिटी जबलपुर, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर आदि के शामिल हुए।

राज्यपाल ने कहा- गरीबों को मिले सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवाइयों का लाभ

» ***राज्यपाल ने रेडक्रॉस चिकित्सालय में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का किया शुभारंभ***

» ***चिकित्सालय में डेंटल यूनिट प्रारंभ, राज्यपाल अनुदान से दी गई 2 डेंटल चेयर***

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा ही प्रभु की सेवा है। जन औषधि केंद्र का ग़रीब और जरूरतमंदों को लाभ मिले। उन्होंने कहा कि औषधि केंद्र में मिलने वाली सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवाइयों के बारे में प्रचार-प्रसार करें। राज्यपाल पटेल रेडक्रॉस चिकित्सालय में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शुभारंभ अवसर पर औषधि केंद्र की संचालन गतिविधियों की जानकारी ली।

पांच लाख रुपए की राशि स्वीकृत की

राज्यपाल पटेल ने रेडक्रॉस चिकित्सालय को अनुदान स्वरूप 5 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की है। उन्होंने चिकित्सालय को 2 डेंटल चेयर प्रदान की गई। पटेल ने रेडक्रॉस चिकित्सालय की नई दंत चिकित्सा इकाई का शुभारंभ किया। उन्होंने नईडेंटल चेयर्स का अवलोकन करते हुए दंत चिकित्सकों से चर्चा भी की। राज्यपाल का रेडक्रॉस परिसर में आयोजित प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र के शुभारंभ कार्यक्रम में शॉल और श्रीफल से अभिनंदन किया गया। पटेल ने इस अवसर पर ऑवला और शमी के पौधों का रोपण किया। राज्यपाल पटेल ने रेडक्रॉस प्रबंधन समिति के सदस्यों से मिलकर परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर रेडक्रॉस समिति के चेयरमैन डॉ. गगन कोल्हे और प्रबंधन समिति के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

तेज रफ्तार दो ट्रकों के बीच हुई जोरदार भिड़ंत क्लीनर की मौत, राजपुर थाना क्षेत्र का मामला

हरिभूमि न्यूज ▸▸ बलरामपुर

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में राजपुर के पास शनिवार सुबह तेज रफ्तार में दो ट्रकों के बीच भिड़ंत हो गई। हादसे में एक ट्रक के क्लीनर की मौत हो गई। वहीं, ट्रक के बेकाबू होने के बाद ड्राइवर कूद गया था। घटना के बाद कुछ देर के लिए नेशनल हाईवे पर जाम भी लग गया। मामला राजपुर थाना क्षेत्र का है। दरअसल, ट्रक ड्राइवर उमेंद कुमार धृतलहरे बलौदाबाजार से ट्रक में क्लिंकर लोड कर औरंगाबाद जा रहा था। पिछली सीट पर क्लीनर मेघराम कैवट निवासी कसडोल सो रहा था। सुबह 7.45 बजे राजपुर पहुंचने से पहले गेऊर नदी मोड़ पर अंबिकापुर की ओर जा रही ट्राले से भिड़ंत हो गई।

बीडी शर्मा ने कहा- क्षेत्र के विकास के लिए जी-जान लगा दूंगा, 80% बूथों पर मिली विजय

खजुराहो को जल्द मिलेगी ग्रीन सिटी की सौगात

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है। यहां हर की भी समीक्षा होती है और जीत की भी समीक्षा होती है। लोकसभा चुनाव की समीक्षा की है। प्रदेश के 80 प्रतिशत बूथों पर भाजपा को इस लोकसभा चुनाव में विजय मिली है। सांसद शर्मा शुक्रवार को खजुराहो में राजनगर विधानसभा क्षेत्र के मतदाता एवं कार्यकर्ता अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आप सभी के सुख-दुख में आपके साथ खड़ा रहूंगा और पूरे क्षेत्र को एक परिवार मानकर कार्य करूंगा। परिवार की तरह आप सब की सेवा करता रहूंगा।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ताओं के अथक मेहनत व परिश्रम से भाजपा को मप्र की सभी 29 लोकसभा सीटों में ऐतिहासिक विजय मिली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर मप्र सहित देशभर की जनता का अटूट विश्वास ही है कि आजादी के बाद पहली बार बिना कांग्रेस के कोई दल लगातार तीसरी बार सत्ता में आया है। खजुराहो क्षेत्र के विकास के लिए जी-जान लगा दूंगा।

देश के चुनिंदा दस सांसदों में खजुराहो सांसद शामिल

भाजपा प्रदेश अध्यक शर्मा ने कहा कि खजुराहो की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी पर विश्वास जताते हुए ऐतिहासिक विजय दिलाई है। खजुराहो में भाजपा को 68 प्रतिशत वोट मिले हैं। देश के दस चुनिंदा सांसदों में आपके क्षेत्र के सांसद, आपके परिवार के सदस्य शर्मा का भी नाम है। खजुराहो में मतदान प्रतिशत कम होने के बाद भी वोट शेयरिंग में देश के दस चुनिंदा सांसदों में खजुराहो का सातवां स्थान है।

मप्र की आज देश भर में चर्चा हो रही

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि आज देशभर में चर्चा हो रही है कि मप्र ने तो कमाल कर दिया। भाजपा सभी 29 लोकसभा सीटों पर ऐतिहासिक विजय प्राप्त की है, इसकी चर्चा आज देशभर में हो रही है। यह उपलब्धि ऐसे ही नहीं मिली है। यह उपलब्धि कार्यकर्ताओं के त्याग, बलिदान, अथक मेहनत परिश्रम से मिली है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपना तन-मन-धन लगातर पार्टी के लिए कार्य किया, तब जाकर भाजपा को प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों में ऐतिहासिक विजय मिली है।